THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 179 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.3 2081 शुक्रवार, 20 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

राहुल गांधी के खिलाफ बयान पर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू पर एफआईआर

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर सिखों को लेकर बयान दिया था, जिस पर रवनीत बिट्टू ने उन्हें आतंकी बता दिया था। इसे लेकर खूब हंगामा हुआ और कर्नाटक में रवनीत बिट्टू के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। कर्नाटक के एक कांग्रेस पदाधिकारी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाएंगे : पीएम मोदी

> फर्स्ट फेज की वोटिंग में इतिहास रचा > 25 सितंबर को सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए

श्रीनगर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में कहा, हमने देश की संसद में कहा है कि जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे। भाजपा ही इसे पूरा करेगी।

इसलिए मेरी आपसे अपील है कि 25 सितंबर को वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए। इसके पहले उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को लेकर कहा, इन तीन खानदानों ने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक घाटी में नफरत का सामान बेचा है। इनके कारण ही यहां के युवा तरक्की नहीं कर पाए। पिछले 6 दिन में राज्य में पीएम मोदी का यह दूसरा कश्मीर दौरा है। इससे पहले वे 14 सितंबर को डोडा पहुंचे थे। वे यहां पार्टी कैंडिडेट्स से भी मिलेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे वे कटरा जाएंगे, जहां एक और जनसभा होग।

✻ पहले फेज की रिकॉर्ड वोटिंग

चुनाव में पहले फेज में इतनी बड़ी तादाद में वोटिंग हुई। ये खुशी की बात है कि दहशतगर्दी खत्म हुई और चुनाव के लिए लोग इतनी बड़ी तादाद में घर से बाहर निकले। ये नया इतिहास बना है। आपने ये इतिहास रचा है। दुनिया देख रही है कि कैसे जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं।

✻ एनसी-कांग्रेस और पीडीपी

दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन्हें लगता है, जैसे-तैसे कुर्सी पर कब्जा जमाना और फिर आपको लूटना, ये इनका पैदायशी हक है। जम्मू-कश्मीर की आवाम को उनके जायज हक से महरूम रखना ही इनका सियासी एजेंडा रहा है। इन्होंने सिर्फ डर और अराजकता ही दी है। अब कोई इनके शिकंजे में रहने वाला नहीं है।

✻ कश्मीर के युवाओं

जिन नौजवानों को आगे नहीं बढ़ने दिया। वे इनके खिलाफ मैदान में उतर आए हैं युवा। आज वादी का जो नौजवान 20-25 साल का है, उनमें से कई पढ़ाई-लिखाई से मेहरूम रह गए हैं। कई ऐसे हैं, जिन्हें 10वीं-12वीं या कॉलेज तक पहुंचने में देश के बाकी बच्चों से ज्यादा साल लगे हैं। ये इसलिए हुआ क्योंकि कांग्रेस एनसी और पीडीपी के तीन खानदान फेल हुए हैं।

✻ घाटी में होने वाली पत्थराबाजी :

इन्होंने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक नफरत का सामान बेचा है। आप वो वक्त याद रखिए, जो स्कूल कॉलेज बच गए, वहां कई-कई सालों तक पढ़ाई नहीं हो पाती थी। ये तीन खानदान उनके हाथों में पत्थर थमा कर खुश रहते थे।

✻ राज्य के लिए भाजपा की योजनाएँ

यहां अमन की बहाली के लिए मैं पूरी ईमानदारी से जुटा हूं। यहां स्कूल-कॉलेज आराम से चल रहे हैं, बच्चों के हाथ में पत्थर नहीं, बल्कि पेन और किताबे हैं, लैपटॉप हैं। आज यहां नए स्कूल, नए कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, आईआईटी ये बनने की खबरें आ रही हैं। मैं चाहता हूं कि हमारे बच्चे पढ़े-लिखें और ज्यादा काबिल बनें, उनके लिए यहीं पर नए मौके बने।

जम्मू-कश्मीर में एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स

मैं सिर्फ बीते 5 साल का हिसाब आपको देता हूं। मोदी ने 50 हजार बच्चों का दोबारा स्कूल में दाखिला कराया। यहां 15 हजार स्कूलों में प्री प्राइमरी क्लासेस शुरू की गईं, इनमें आज डेढ़ लाख से ज्यादा बच्चे पढ़ रहे हैं। आज यहां करीब 250 स्कूलों को पीएम श्री स्कूल्स में अपग्रेड किया जा रहा है। यहां कई कॉलेज बने हैं।

✻ रोजगार के अवसर

जम्मू-कश्मीर का नौजवान मजबूर नहीं रहा, वो मोदी सरकार में मजबूत हो रहा है। भाजपा ने भी नौजवानों के रोजगार के लिए बड़े ऐलान किए हैं। स्किल डेवलपमेंट हो, बिना धांधली काबिल लोगों को सरकारी नौकरी मिले, ये सारे काम भाजपा यहां पूरे करके दिखाएगी। यहां के 3 खानदानों ने 80 के दशक में क्या किया था। इन्होंने सियासत को अपनी जागीर समझ रखा था। किसी दूसरे को आगे आने ही नहीं देना चाहते। पंचायत, डीडीसी के इलेक्शन को क्यों रोका इन्होंने। इन्हें लगता था कि नए लोग सियासत में आएंगे, जो इन्हें चैलेंज करेंगे। इसका नतीजा क्या हुआ?

सुप्रीम कोर्ट के 37000 फैसलों का हिंदी में अनुवाद किया गया

अब क्षेत्रीय भाषाओं में करने की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। आजादी के बाद से सुप्रीम कोर्ट के लगभग 37,000 फैसलों का हिंदी में अनुवाद किया जा चुका है। अब इन फैसलों को क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने की प्रक्रिया जारी है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने इसकी जानकारी दी। एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने बताया कि हिंदी के बाद तमिल भाषा सबसे आगे चल रही है। इस दौरान उनके साथ जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा भी मौजूद थे। संविधान की आठवीं अनुसूची हिंदी, असमिया, बांग्ला, बोडो और डोगरी समेत 22 भाषाओं को मान्यता देती है। शीर्ष अदालत ने 2023 में वकील, कानून के छात्रों और आम लोगों को अपने निर्णय तक मुफ्त पहुंच बनाने के लिए ई-एससीआर (इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट) परियोजना को लॉन्च किया गया था। वकीलों ने ई-एससीआर का उपयोग करते हुए पूराने निर्णयों का हवाला भी दिया। सीजेआई ने कहा, कृपया मामलों को संदर्भित करने के लिए हमारे ई-एससीआर का उपयोग करें। उन्होंने आगे कहा कि एआई की मदद से अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले क्षेत्रीय भाषाओं में हो रहे हैं। अंतिम अनुवाद की समीक्षा मानवीय हस्तक्षेप से होगी।

अनुवाद में मानवीय हस्तक्षेप के महत्व को समझाते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने एआई का हवाला देते हुए कहा कि जैसे कि यह लीव ग्रांटेड को अनुवाद करते हुए अवकाश प्राप्त हुआ बनाता है। कानूनी भाषा में लीव का मतलब होता है अदालत की अनुमति लेना। ई-एससीआर परियोजना को लॉन्च करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि फैसला सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट, मोबाइल एप और राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड के जजमेंट पोर्टल पर उपलब्ध होंगे।

कोरियोग्राफर जानी मास्टर बेंगलुरु से गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोरियोग्राफर शेख जानी उर्फ जानी मास्टर को गुरुवार को बेंगलुरु में साइबराबाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया। शूटिंग के दौरान एक सहायक कोरियोग्राफर को धमकाने और यौन उत्पीड़न करने के आरोप में जानी मास्टर के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद साइबराबाद पुलिस उनकी तलाश में थी। पीड़िता ने शुरू में रायदुर्गम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और 'शून्य एफआईआर' दर्ज करने के बाद रायदुर्गम पुलिस ने क्षेत्राधिकार के आधार पर मामले को नरसिंगी पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया था। पुलिस ने जानी मास्टर के खिलाफ पोक्सो एक्ट और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है, जिसके बाद से वह छिप गया है।

अमेरिका दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। पीएम मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि पीएम मोदी कई विदेशी साझेदारों से बातचीत करेंगे। वे अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासियों से बातचीत करेंगे। इस दौरान कई व्यापारिक और उद्योग जगत के नेताओं से भी मुलाकात होगी। प्रधानमंत्री का पहला पड़ाव डेलावेयर में विलमिंगटन होगा, जो राष्ट्रपति बाइडन का गृहनगर है। यहीं पर 6वां क्वॉड शिखर सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। विलमिंगटन से प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र में सम्मेलन में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। यहां वे 'समिट आफ द फ्यूचर' को संबोधित करेंगे। वे 22 तारीख को भारतीय प्रवासियों से बातचीत करेंगे।

उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति पर सुनवाई टालने की मांग, केंद्र ने कहा-जल्द वजह बताएंगे

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट के साथ कुछ जानकारी साझा करने की बात कही है। केंद्र ने गुरुवार को कहा कि देश के कई उच्च न्यायालयों में मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति पर कॉलेजियम की सिफारिशों के बारे में अगले सप्ताह कुछ जानकारी उपलब्ध कराएंगे। दरअसल हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर कॉलेजियम ने सिफारिश की है, लेकिन कई नामों को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। जिस पर झारखंड सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है, लेकिन अब केंद्र ने सुनवाई स्थगित करने की मांग की है और एक सप्ताह बाद याचिका पर सुनवाई करने की मांग की है।

झारखंड की हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झामुमो सरकार ने न्यायमूर्ति एम एस रामचंद्र राव को झारखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए कॉलेजियम द्वारा की गई सिफारिश को मंजूरी नहीं देने के लिए केंद्र के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है।

पाकिस्तान और कांग्रेस का एजेंडा एक : शाह

> राहुल भारत विरोधी ताकतों के साथ

श्रीनगर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के भाजपा प्रभारी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि राहुल गांधी और फारूक अब्दुल्ला पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। वे पाकिस्तान के इशारों पर नाच रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी)-कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की कठपुतली के रूप में काम कर रहे हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि अगर गठबंधन सत्ता में आता है तो आर्टिकल 370 को वापस लाएंगे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पाकिस्तानी न्यूज चैनल से चर्चा कर रहे थे। पाकिस्तानी पत्रकार ने ख्वाजा से जब सवाल किया तो उन्होंने कहा था, हम आर्टिकल 370 और 35ए की बहाली पर एकमत हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने यह भी दावा किया कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन जम्मू-कश्मीर में सत्ता में आता है तो आर्टिकल 370 वापस आ सकता है। ख्वाजा ने कहा, मुझे लगता है कि यह संभव है। वर्तमान में, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का वहां बहुत दबदबा है। घाटी की आबादी इस मुद्दे पर संवेदनशील है और संभावना है कि कॉन्फ्रेंस (नेशनल कॉन्फ्रेंस) सत्ता में आएगी।

सीबीआई के सामने पेश हुईं माकपा की युवा नेता मिनाक्षी मुखर्जी

कोलकाता, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले की जांच के सिलसिले में माकपा (सीपीएम) युवा नेता मिनाक्षी मुखर्जी आज सीबीआई के सामने पेश हुईं। मिनाक्षी डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) की राज्य सचिव हैं। डीवाईएफआई सीपीआई(एम) की युवा शाखा है। मिनाक्षी मुखर्जी ने कहा कि वह हर तरह से सीबीआई अधिकारियों का सहयोग करेंगी। बता दें कि वह नौ अगस्त को महिला डॉक्टर की हत्या के कुछ घंटों बाद ही मृतक के परिवार से मुलाकात की थीं। सीपीआई(एम) ने बार-बार दावा किया कि वामपंथी युवा नेता के प्रयास के कारण अंतिम संस्कार का विरोध किया गया।

पीएम मोदी को खड़गे का खत

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बीजेपी नेताओं और मंत्रियों के विवादास्पद बयानों के बाद शुरू हुआ सियासी बवाल बढ़ता जा रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे की चिट्ठी पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पलटवार किया था। अब नड्डा के खत पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसा है। कांग्रेस महासचिव (कम्युनिकेशन इंचार्ज) जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि देश ने एक ऐसे प्रधानमंत्री (नेहरू) को भी देखा है, जिन्होंने 17 वर्षों तक उन्हें भेजे गए सभी आधिकारिक और व्यक्तिगत पत्रों का जवाब दिया। जयराम रमेश ने पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए कहा कि, जब पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को कोविड-19 पर पत्र लिखते हैं, तब स्वास्थ्य मंत्री को उन्हें अपने नाम से भेजने के लिए एक अपमानजनक जवाब थमा दिया जाता है। अब कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी ने मोदी जी के सहयोगियों द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दी जा रही गंभीर धमकियों को लेकर नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री को पत्र लिखा।

अदालत ने प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

पीड़िताओं के नाम लेने से किया मना

बेंगलूरू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल (एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका पर गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस एम नागाप्रसन्ना की एकल-न्यायाधीश पीठ ने पहले मामले में रेवन्ना के आवेदन पर और शिकायतों से संबंधित दो अग्रिम जमानत पर दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान अदालत ने वकीलों से पीड़िताओं के नाम का जिक्र करने से मना किया। रेवन्ना की ओर से वरिष्ठ वकील प्रभुलिंग के नवदगी पेश हुए। वकील नवदगी ने कहा कि आरोप मुख्य रूप से रेवन्ना के पिता पर लगे हैं। इसके साथ उन्होंने यह भी बताया कि पीड़िता ने परिवार के लिए चार वर्षों तक काम किया। उन्होंने चार वर्षों तक मामला दर्ज दर्ज न करने पर चिंता जताई।

वकील नवदगी ने कहा कि महिला ने दावा किया कि जब उसके पति ने उसे एक वीडियो के बारे में बताया, तब उसे आवाज उठाने की हिम्मत मिली। उसने पहले आईपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म का आरोप नहीं लगाया। उन्होंने आगे कहा, फॉरेंसिक रिपोर्ट ने भी वीडियो को रेवन्ना से नहीं जोड़ा। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि रेवन्ना के फोन पर कोई आपत्तिजनक वीडियो पाया गया था।

अदालत ने फॉरेंसिक रिपोर्टों के निष्कर्षों पर सवाल उठाया। विशेष लोक अभियोजक प्रोफेसर रविवर्मा कुमार ने बताया कि याचिकाकर्ता की धमकियों और पीड़ितों को चुप कराने के प्रयासों के कारण शिकायत दर्ज कराने में देरी उचित थी।

ममता बनर्जी ने डीवीसी का पानी छोड़ने के लिए केंद्र को ठहराया जिम्मेदार

कोलकाता, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मेदनीपुर के बाढ़ग्रस्त इलाके पंसकुरा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से भी बात की। उन्होंने बाढ़ के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र ने बंगाल में सारा पानी छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि यह बंगाल का पानी नहीं बल्कि केंद्र सरकार की संस्था डीवीसी से आने वाला झारखंड का पानी है।

सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे को डीवीसी (दामोदर घाटी निगम) के सामने क्यों नहीं उठा रही है? उन्होंने पूरा पानी बंगाल में छोड़ दिया। बंगाल की जो वजह है वह केंद्र सरकार की अनदेखी की वजह से है। मुझे माफ करना पर यह पानी बंगाल का नहीं बल्कि केंद्र सरकार की संस्था डीवीसी से आने वाला झारखंड का पानी है। उन्होंने आगे कहा, यह बारिश का पानी नहीं है।

लापता मां और उसकी बेटियों को तलाशने के लिए पुलिस को मिला समय, हाईकोर्ट में दायर की गई थी याचिका

जबलपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। दामाद पर मौसी के साथ मिलकर बेटी और नातिनों को बेचने का आरोप लगाते हुए जबलपुर हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई थी। याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से बताया गया कि लापता मां-बेटियों की तलाश जारी है, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। सरकार की तरफ से समय देने का आग्रह किया गया। हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने इस आग्रह को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई 11 नवंबर को निर्धारित की है। जबलपुर के शहपुरा थाना अंतर्गत राययाखेड़ा निवासी सिम्मी बाई द्वारा हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया था कि उसकी बेटी शीला का विवाह दिलीप चौधरी से हुआ था। उसकी बेटी की दो नाबालिग बेटियां भी थीं। अप्रैल 2023 से उसकी बेटी और दोनों नाबालिग नातिनें लापता हैं।

'सोनिया गांधी भारत की नागरिक नहीं, बल्कि भारतीय नागरिक हैं' वकील विष्णु जैन ने पॉडकास्ट में बताया

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की सर्वोच्च अदालत में वकालत करने वाले अधिवक्ता और हिंदू फ्रंट के प्रवक्ता विष्णु शंकर जैन ने हाल में एक इंटरव्यू में सोनिया गांधी पर हमला कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा की नागरिकता पर ही सवाल खड़े कर दिए। सोनिया गांधी भारत की नागरिक नहीं बल्कि भारतीय नागरिक हैं, इस बात का जिक्र कर राहुल गांधी को देश का नंबर एक आतंकी कहने के मामले में देश में राजनीति का रुख ही बदल दिया है। गौरतलब है कि उन्होंने यह विवादित टिप्पणी आरजे रौनक के पॉडकास्ट वाले एपिसोड में कर दी। अपने पिता, वरिष्ठ अधिवक्ता हरि शंकर जैन के साथ, विष्णु जैन ने पवित्र धार्मिक स्थलों पर विवादों से जुड़े कई मामलों में हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व किया है। उनकी सबसे उल्लेखनीय कानूनी व्यस्तताओं में बाबरी मस्जिद (अयोध्या), ज्ञानवापी मस्जिद (वाराणसी), ताज महल (आगरा), और कुतुब मीनार (नई दिल्ली) शामिल हैं। जैन ने याद दिलाया कि उनके पिता हरिशंकर जैन की सोनिया गांधी के खिलाफ चुनावी बोली सत्ता की खोज नहीं थी, बल्कि भारत के नागरिक के रूप में उनकी स्थिति को चुनौती देने की कोशिश थी। वह उन दिनों 14 साल के एक युवा दर्शक के रूप में याद करते हैं, जो अदालतों से करीब से देख रहा था और जो उसके सामने हो रहा था, इस बात का जिक्र उन्होंने पॉडकास्ट में किया है। हरिशंकर जैन के बेटे ने इन बातों को याद करते हुए कहा, मेरे पिता ने जीतने के लिए लड़ाई नहीं लड़ी थी। उन्होंने एक मुद्दा बनाने के लिए लड़ाई लड़ी थी-सोनिया गांधी भारत की नागरिक नहीं थीं। और इससे सारा फर्क पड़ा। विष्णु शंकर जैन ने आगे पॉडकास्ट में कहा, 1999 में, मेरे पिता ने सोनिया गांधी के खिलाफ जीतने के लिए नहीं बल्कि हारने के लिए चुनाव लड़ा था और यह साबित करने के उद्देश्य से कि वह भारत की नागरिक नहीं हैं। मैं उस समय बहुत छोटा था और अदालत की कार्यवाही में भाग लेता था। 14 साल की उम्र में -पुराना, मैंने सभी कार्यवाही देखी है। भारत में चुनाव लड़ने का मानदंड भारत का नागरिक होना है। केवल वे ही लोग चुनाव लड़ सकते हैं जो यहां पैदा हुए हैं और इस देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं और संवैधानिक पद पर रह सकते हैं जो लोग नागरिकता प्राप्त करते हैं वे भारत के नागरिक नहीं हैं बल्कि भारतीय नागरिक हैं। मेरे पिता ने यह तर्क सर्वोच्च न्यायालय और माननीय न्यायमूर्ति रमेश चंद्र लाहोटी के समक्ष रखा है।

आरजी कर अस्पताल मामले में ईडी ने तृणमूल विधायक रॉय को किया तलब

कोलकाता, 19 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (आडी) ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले की पूछताछ के लिए तृणमूल कांग्रेस के विधायक सुदीप्त रॉय को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को जानकारी दी कि रॉय पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष हैं और आरजी कर रोगी कल्याण समिति का प्रभार भी संभालते हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भी इस मामले में उनसे पूछताछ की है क्योंकि वह भी इस मामले में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। ईडी ने मंगलवार को सेरामपुर विधायक के परिसर के अलावा कुछ अन्य परिसरों की भी तलाशी ली। सूत्रों ने बताया कि रॉय को मामले में पूछताछ के लिए कोलकाता स्थित ईडी कार्यालय में बृहस्पतिवार को उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सीबीआई ने इस मामले में अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ। संदीप घोष और उनके तीन कथित सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने के बाद ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सिक से नौ अगस्त को बलात्कार और फिर उसकी हत्या की घटना के बाद यहां कथित अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। महिला चिकित्सिक के साथ हुए जघन्य अपराध के खिलाफ राज्य में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। साथ ही राज्य सरकार और चिकित्सकों के बीच अब भी गतिरोध जारी है। संदीप घोष के ठिकानों पर छापेमारी के बाद ईडी ने दावा किया कि उनकी पत्नी ने पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों से 'उचित मंजूरी' मिले बिना दो अचल संपत्तियां खरीदीं।

चावल उत्पादन बारिश से हुए नुकसान के बावजूद होगा बेहतर, कृषि मंत्री को भरोसा

भोपाल, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि देश का खरीफ (ग्रीष्म) चावल उत्पादन पिछले साल के लेवल को पार करने की उम्मीद है। उन्होंने भारी बारिश से कुछ फसल नुकसान के बावजूद प्रत्याशित उच्च पैदावार का हवाला दिया। पीटीआई की खबर के मुताबिक, चौहान ने बताया कि अच्छी बारिश की बदौलत चावल की बुवाई बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ी है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश से नुकसान हुआ है, लेकिन इससे उत्पादन में कमी नहीं आएगी। कुल मिलाकर, चावल का उत्पादन पिछले साल से बेहतर होगा।

खबर के मुताबिक, नवंबर के आसपास काटी जाने वाली खरीफ चावल की फसल भारत के कुल चावल उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत है। सरकार के तीसरे अनुमान के अनुसार, 2023-24 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में खरीफ चावल का उत्पादन 114.36 मिलियन टन रहा। मंत्री ने बताया कि पिछले सप्ताह तक कुल चावल का रकबा 1.64 मिलियन हेक्टेयर बढ़कर 41 मिलियन हेक्टेयर हो गया है। चौहान ने सोयाबीन जैसी तिलहन फसलों को कुछ नुकसान के बावजूद समग्र खरीफ फसल उत्पादन के बारे में आशा व्यक्त की। सरकार ने हाल ही में बासमती चावल पर 950 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) हटा दिया है।

थरूर होंगे विदेश संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष दिग्विजय को मिली शिक्षा समिति की कमान

बेंगलूरू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर विदेश मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति की अध्यक्षता करेंगे, वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह शिक्षा विभाग से जुड़ी समिति का नेतृत्व संभालेंगे। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने यह भी बताया कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी कृषि संबंधी स्थायी समिति और ओडिशा के कोरापुट से पार्टी सांसद सप्तगिरी उलका ग्रामीण विकास संबंधी समिति की अध्यक्षता करेंगे। नई लोकसभा के गठन के पश्चात सरकार के साथ लंबी मंत्रणा के बाद मुख्य विपक्षी दल को लोकसभा की विदेश, कृषि और ग्रामीण विकास संबंधी तीन स्थायी समितियों की अध्यक्षता मिली है। कांग्रेस को राज्यसभा की शिक्षा संबंधी स्थायी समिति की अध्यक्षता का उत्तरदायित्व भी मिला है। पार्टी ने अब इन समितियों के अध्यक्षों के नाम तय कर दिए हैं। हालांकि संसद की स्थायी समितियों की अध्यक्षता को लेकर कोई आधिकारिक अधिसूचना नहीं आई है, लेकिन इसके जल्द ही जारी होने की उम्मीद है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल पहले से ही लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष हैं। संसद में विभागो से संबंधित कुल 24 स्थायी समितियां हैं। लोकसभा के तहत 16 और राज्यसभा के तहत आठ स्थायी समिति होती हैं। इनमें से प्रत्येक समिति में 31 सदस्य होते हैं। लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य होते हैं, जिन्हें संबंधित दलों की अनुशंसा पर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा नामित किया जाता है। इन समितियों का कार्यकाल एक वर्ष का होता है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गत नौ सितंबर को कहा था कि स्थायी समितियों के गठन में कोई देरी नहीं हुई है और परंपरा के अनुसार, सितंबर महीने के अंत तक उनका गठन किया जाएगा।

तीन बार के भाजपा विधायक मुनीरत्न पर रेप केस में एफआईआर, पहले से जेल में ये नेता

बेंगलूरू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के राजराजेश्वरी से भाजपा विधायक मुनिरत्न के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना एक रिसॉर्ट की है। विधायक समेत 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। बता दें कि बीजेपी विधायक मुनिरत्न पहले से न्यायिक हिरासत में हैं। उन पर ठेकेदार को धमकाने, गाली देने और मारपीट करने का आरोप है। पुलिस ने मुनिरत्न को 14 सितंबर को अरेस्ट किया था। बीजेपी विधायक को कोर्ट ने 30 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा हैं। बता दें कि मुनिरत्न पर दलित ठेकेदार को धमकाने, उसे जान से मारने की धमकी देने और जाति सूचक शब्द कहने और रिश्वत मांगने का आरोप है। एमएलए के खिलाफ ठेकेदार ने 2 मामले 13 सितंबर को दर्ज करवाए थे। उन्हें पुलिस ने कोलार जिले से अरेस्ट किया था। ठेकेदार ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि विधायक ने उससे 30 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी और रिश्वत नहीं देने पर काम खत्म करने की धमकी दी थी। इतना ही नहीं विधायक ने उसके साथ मारपीट की और अपशब्द कहे। मामला सामने आने के बाद विधायक ने वीडियो जारी कर कहा कि पिछले 15 सालों में मुझ पर ऐसा आरोप किसी ने नहीं लगाया है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद मेरे खिलाफ साजिश रची गई है। बता दें कि 58 साल के मुनिरत्न फिल्म प्रोड्यूसर और ठेकेदारी का काम करते थे। वे पहली बार नॉर्थ बेंगलुरु से काउंसलर बने, फिर 2013 में पहली बार विधायक बने। इसके बाद 2018 में भी वे विधायक चुने गए। इससे पहले वे कांग्रेस में थे लेकिन 2019 में बीजेपी में शामिल हो गए। 2023 में फिर भाजपा से विधायक बने।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का एक्स अकाउंट हैक, क्रिप्टोकरेंसी का प्रमोशन किया हैकरों ने

इंदौर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का एक्स अकाउंट बुधवार देर रात हैकरों ने हैक कर लिया और उस पर क्रिप्टोकरेंसी का प्रमोशन करने लगे। शिकायत के बाद विजयवर्गीय का अकाउंट रिस्टोर हो गया। विजयवर्गीय के अलावा हॉकी इंडिया समेत कई अकाउंट रात को हैक हुए थे। विजयवर्गीय सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते है। बुधवार रात जब उनका एक्स अकाउंट हैक हुआ और हैकरों ने खुद उनके अकाउंट पर पोस्ट डालकर अकाउंट हैक होने की सूचना दी तो यूजरों ने कमेंट करना शुरू कर दिए। कई लोगों ने विजयवर्गीय का अकाउंट हैक होने की सूचना दूसरे ग्रुपों पर शेयर की। गुरुवार को इंदौर में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर विजयवर्गीय व्यस्त थे और इंदौर-उज्जैन छह लेन मार्ग के लोकार्पण समारोह में भाग लेने के लिए वे उज्जैन भी गए थे, लेकिन व्यस्तता के बीच उन्होंने अपना अकाउंट हैक होने की शिकायत की। कुछ देर बाद उनका अकाउंट रिस्टोर हो गया। जब हैकरों ने उनका अकाउंट हैक किया था तो उस पर क्रिप्टोकरेंसी की एक लिंक पोस्ट कर लिखा था कि अकाउंट हैक हो चुका है।

संजय सिंह का बड़ा बयान 'दिल्ली में ही इलेक्शन करा दो

एक देश-एक चुनाव का कदम तानाशाही वाला

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 'एक देश एक चुनाव' विधेयक को मंजूरी देने के बाद आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र का यह प्रस्ताव कदम है। उन्होंने आगे कहा, एक देश एक चुनाव तानाशाही वाला कदम है। नवंबर में दिल्ली सहित तीन राज्यों का चुनाव करा दो। यह देश के अंदर तानाशाही लागू करने की साजिश है। इस देश में एक देश एक एजुकेशन भी होना चाहिए। जेपीसी में अभी चर्चा हो रहा है कि होम मिनिस्टर कौन होता है मंजूरी देने वाला? केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक राष्ट्र एक चुनाव' को मंजूरी दिए जाने पर आप नेता संदीप पाठक ने कहा, ये बीजेपी का एक और नया जुमला है, क्योंकि कुछ समय पहले चार राज्यों के चुनाव होने थे, लेकिन इन्होंने सिर्फ दो राज्यों (हरियाणा और जम्मू-कश्मीर) का चुनाव कराया। झारखंड और महाराष्ट्र को छोड़ दिया। अगर आप चार राज्यों का चुनाव नहीं करा पा रहें तो आप 'एक राष्ट्र एक चुनाव' कैसे कराएंगे? उन्होंने कहा,हम मांग कर रहें कि आप महाराष्ट्र, झारखंड के साथ दिल्ली का चुनाव करा दो, लेकिन ये इसमें भी सहमत नहीं हैं। जब आप एक साथ चार राज्यों का चुनाव कराने में असमर्थ हैं तो ये कैसे संभव है कि आप पूरे देश में एक साथ चुनाव करा लेंगे। ये बहुत बड़ा जुमला है। क्या होगा अगर बीच में कोई सरकार गिर जाती है अगर 5 साल के कार्यकाल में ढाई साल में कोई सरकार गिर जाए तो क्या ढाई साल में राष्ट्रपति शासन लगेगा? बता दें कि 15 जून को अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा देने से पहले कहा था कि महाराष्ट्र के साथ दिल्ली में भी नवंबर में ही चुनाव करा दो। साथ ही उन्होंने कहा ये भी कहा था कि दिल्ली की जनता द्वारा फिर से चुनकर विधानसभा भेजने के बाद ही मैं सीएम की कुर्सी पर बैठूंगा।

दिल्ली में भीषण सड़क हादसा कार का शीशा तोड़ आर-पार हुई डिवाइडर की रेलिंग, 5 लोग घायल

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में हर साल सड़क दुर्घटना के मामले में लाखों लोगों की मौत हो जाती है। कुछ अपनी गलतियों की वजह से और कई बार कुछ लोग दूसरों की गलतियों की वजह से मारे जाते हैं। बावजूद इसके सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालिया घटना दिल्ली के शांति वन इलाके की है। यहां एक भीषण कार एक्सीडेंट हुआ है, जिसका वीडियो हमारे पास मौजूद है। इस कार में 5 लोग सवार थे। इस हादसे में पांचों लोग घायल हुए हैं, वहीं 2 लोगों को बेहद गंभीर चोटें आई हैं। शुरुआती जांच में यह पता चला है कि कार में सवार सभी लोग नशे में, जब हुंडई वेन्यू कार डिवाईडर की रेलिंग से टकरा गई। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने कहा कि 18 सितंबर की फोन पर हमें जानकारी मिली की शांति वन के गीता कॉलोनी इलाके में सड़क हादसा हुआ है। घटनास्थल पर पहुंचकर हमें पता चला कि कार में सवार 19 वर्षीय अश्विनी मिश्रा ने जन्मदिन मनाने के लिए कार को 1500 रुपये के किराए पर ली थी। अश्विनी मिश्री 19 वर्ष का है जो दयाल सिंह कॉलेज का प्रथम वर्ष का छात्र है। वहीं 19 वर्षीय अश्वनी पांडे देशबंधु कॉलेज में प्रथम वर्ष का छात्र और केशव दयाल सिंह कॉलेज में द्वितीय वर्ष का छात्र है।

महाराष्ट्र में तीसरे गठबंधन की संभावना

इन नेताओं को साथ लाने की कोशिश, बढ़ेगी एमवीए और महायुति की टेंशन

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा पॉलिटकल अपडेट सामने आया है। दरअसल, राज्य में एमवीए और महायुति के अलावा एक तीसरा गठबंधन बनाने की कवायद तेज हो गई है। आपको बता दें कि महायुति में भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। वहीं, एमवीए यानी कि महा विकास अघाड़ी में कांग्रेस, एनसीपी (शरद चंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं। आइए जानते हैं कि महाराष्ट्र में तीसरे गठबंधन में किन नेताओं को साथ लाने की कवायद हो रही है। महाराष्ट्र में एमवीए और महायुति यह दो गठबंधन पहले से ही है लेकिन अब तीसरा गठबंधन बनाने की कोशिश जारी है। इस गठबंधन में अमरावती के नेता विधायक बच्चू कडू, किसान नेता राजू शेट्टी और छत्रपति संभाजी महाराज अभी एक साथ आ रहे हैं। लेकिन इन तीनों नेताओ की कोशिश है कि मराठा नेता मनोज जरांगे और प्रकाश आंबेडकर को भी इस गठबंधन में शामिल किया जाए। तीसरे गठबंधन का स्वरूप क्या होगा और कहां-कहां पर कैसे चुनाव लड़ सकते हैं उस पर चर्चा करने के लिए पुणे में बैठक का भी आयोजन किया गया है। अगर प्रकाश अंबेडकर और मनोज जरांगे भी तीसरे गठबंधन में साथ आते है तो ये गठबंधन पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बड़ी ताकत बन सकता है। अगर यह अलायंस बनेगा तो इसका ज़्यादा नुकसान एमवीए को हो सकता है क्योंकि सत्तापक्ष विरोधी वोट में बंटवारा होगा। दूसरी ओर एनसीपी अजित पवार गुट से ओबीसी नेता ईश्वर बालबुधे विधानसभा चुनाव से पहले शरद पवार गुट में शामिल होंगे। छगन भुजबल के समर्थक और ओबीसी सेल के अध्यक्ष ईश्वर बालबुद्धे एक बार फिर शरद पवार गुट में शामिल होंगे। ईश्वर बालबुधे अजित पवार गुट में प्रदेश सचिव और ओबीसी समन्वयक के पद पर थे। कल सुबह 11 बजे शरद पवार और जयंत पाटिल पार्टी की मौजूदगी में वे पार्टी प्रवेश करेंगे। ओबीसी नेता के तौर पर ईश्वर बालबुधे की अच्छी पकड़ थी। ईश्वर बालबुधे पार्टी में ओबीसी के प्रति उदासीन रवैये से नाराज हैं।

मनोहर लाल खट्टर के भतीजे ने जॉइन की कांग्रेस, चुनावी जंग के बीच भाजपा को झटका

हिसार, 19 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के भतीजे रमित खट्टर ने ही कांग्रेस जॉइन कर ली है। मनोहर लाल खट्टर फिलहाल केंद्र सरकार में एक ताकतवर मंत्री हैं। भले ही सीएम नायब सिंह सैनी हैं, लेकिन अब भी मनोहर लाल का राज्य में अच्छा रुतबा माना जाता है। यही नहीं नायब सिंह सैनी को भी उनके ही करीबी नेताओं में शुमार किया जाता है। ऐसे में खट्टर के परिवार से ही किसी का कांग्रेस में जाना भाजपा के लिए एक झटके की तरह है। रमित खट्टर के कांग्रेस जॉइन करते समय रोतहक के विधायक भारत भूषण बत्रा भी मौजूद थे। रमित खट्टर पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर के भाई जगदीश के बेटे हैं। 2020 में एक डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर की पिटाई के मामले में रमित खट्टर का भी नाम सामने आया था। यही नहीं एफआईआर भी इस केस में फाइल हुई थी और उसमें भी रमित का नाम दर्ज था।

फारूक अब्दुल्ला ने 'एक देश-एक चुनाव' पर बीजेपी को घेरा

कहा- 'पूरा विपक्ष एक देश एक चुनाव का विरोध करेगा'

जम्मू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के बीच लगातार अलग-अलग मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर हमलावर होते दिख रहे हैं। इस बीच फारूक अबदुल्ला ने वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक देश एक चुनाव का हम विरोध करेंगे। पूरा विपक्ष एक देश एक चुनाव का विरोध करेगा। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, हम तरक्की की ओर जा रहे हैं आतंकवाद की ओर नहीं। हम (इंडिया गठबंधन) जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाकर रहेंगे। पूरा विपक्षी गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि हमें राज्य का दर्जा मिले। बीजेपी पूरे भारत में सिर्फ नफरत फैला रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नौकरी का वादा क्या हुआ? हमने वादा किया है कि एक लाख युवाओं को हम नौकरी देंगे। विधवाओं को पांच रुपये हर महीने मिलेगा। गरीबों को 12 सिलेंडर हर साल मिलेंगे। वहीं इससे पहले फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि अगर गठबंधन सत्ता में आता है तो आर्टिकल 370 को वापस लाएंगे। दरअसल, 2019 में केंद्र की मोदी सरकार से आर्टिकल 370 वापस ले लिया था। इसके साथ ही जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित राज्यों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया गया था। जम्मू कश्मीर दिल्ली की तरह विधानसभा वाला केंद्र शासित राज्य बनाया गया है। वहीं अब फारूक अब्दुल्ला द्वारा आर्टिकल 370 की बहाली का वादा करने के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि 370 की बहाली पर पाकिस्तान कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ है। इस पर फारूक अब्दुल्ला ने पलटवार करते हुए कहा कि पाकिस्तान क्या कहता है, मुझे पता नहीं। मै पाकिस्तान का तो हूं नहीं। उन्होंने कहा कि मैं भारत का नागरिक हूं। वहीं, आर्टिकल 370 वापस लाने के सवाल पर उन्होंने कहा, वक्त लगेगा लेकिन एक दिन आर्टिकल 370 जरूर वापस आएगा। इसके लिए कोर्ट जाना पड़ेगा।

आतिशी कैबिनेट में नए मंत्री की एंट्री

सुल्तानपुर माजरा के विधायक मुकेश अहलावत को मिली जगह

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं आतिशी दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं। इस बीच आतिशी के कैबिनेट मंत्रियों की लिस्ट में एक नया नाम शामिल होने जा रहा है। दरअसल सुल्तानपुर माजरा के विधायक मुकेश अहलावत एससी-एसटी कोटे से दिल्ली सरकार में मंत्री बनने जा रहे हैं। इसके अलावा चार मंत्री पुराने ही रहेंगे। आतिशी को मिलाकर 5 पुराने मंत्री रहेंगे और 1 मंत्री का पद फिलहाल खाली रहेगा। अगर आतिशी कैबिनेट के मंत्रियों में आतिशी, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, गोपाल राय, इमरान हुसैन, मुकेश अहलावत का नाम शामिल है, जबकि एक मंत्रिपद अब भी खाली रहेगा।

कौन हैं मुकेश अहलावत?

मुकेश अहलावत सुल्तानपुर माजरा विधानसभा सीट से विधायक हैं। साल 2020 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में अहलावत ने पहली बार इस सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राम चंदर छावरिया को हराकर जीत दर्ज की थी। बता दें कि अहलावत ने भाजपा के उम्मीदवार को 48,052 मतों के अंतर से हराया था। अहलावत को इस दौरान 74,573 वोट मिले थे, जबकि भाजपा उम्मीदर राम चंदर छावरिया को 26,521 वोट मिले थे। बात दें कि मुकेश अहलावत को अब दिल्ली सरकार में एससी-एसटी कोटे के तहत मंत्री बनाया गया है। हालांकि 4 मंत्री पुराने ही रहेंगे, जबकि मंत्रिमंडल की एक सीट अब भी खाली है।

आतिशी का शपथ लेना बाकी

बता दें कि 17 सितंबर को अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद आतिशी ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। केजरीवाल के इस्तीफे के साथ ही अब दिल्ली में आतिशी पारी शुरू हो चुकी है। इसी दिन आदमी पार्टी के विधायक दल ने आतिशी को अपना नेता चुना और आतिशी ने केजरीवाल के प्रति पूरी निष्ठा दिखाई। यहां तक की फूल मालाओं और बधाईयों के लिए भी आतिशी ने समर्थकों से मना कर दिया। दिल्ली में बीते 48 घंटे से चल रहा सियासी ड्रामा अब खत्म हो चुका है। अब आतिशी का शपथ लेना मात्र बाकी रह गया है।

डांस को लेकर हुई कहासुनी नाराज शख्स ने तीन को चाकुओं से गोदा, एक की मौत

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी थाना इलाके में महज डांस को लेकर हुए विवाद ने इतना तूल पकड़ा कि एक शख्स ने तीन लोगों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला बोल दिया। इस वारदात में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। थाना पुलिस ने मृतक की पहचान मंगल (32) के रूप में की है। वह मंगोलपुरी इलाके का रहने वाला था। इस मामले में पुलिस ने वारदात के महज छह घंटो के भीतर ही हत्या और हत्या के प्रयास के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने दोनों हत्यारों की पहचान नितेश उर्फ मोगी और अभिषेक उर्फ लाडला उर्फ अभी के तौर पर की है।

दोनों आरोपी भी मंगोलपुरी का ही रहने वाला है। डीसीपी जिमी चिरम के मुताबिक 17 और 18 सितंबर की दरम्यानी रात मंगोलपुरी थाना पुलिस को पीसीआर कॉल से तीन लोगों को चाकू मारे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर तत्काल पुलिस टीम मंगोलपुरी के वाल्मीकि मंदिर के पास मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों से पूछताछ में पुलिस को सभी घायलों को इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल ले जाये जाने की सूचना मिली। इस पर तुरंत ही पुलिस अस्पताल पहुंची, जहां पुलिस को घायल कुणाल और नीरज को इलाज के लिए बड़े अस्पताल में रेफर करने की सूचना मिली। जबकि इलाज के दौरान एक घायल मंगल को डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया।

सुविचार: सबके प्रति समान स्नेह रखने से आप धैर्य का जीवन जी सकते हैं

तेलंगाना का कौशल विश्वविद्यालय भारत के लिए आदर्श बनेगा : मुख्यमंत्री रेवंत

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि नव स्थापित तेलंगाना युवा भारत कौशल विश्वविद्यालय को देश में आदर्श बनाया जाना चाहिए और इसकी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय बोर्ड को सौंपी गई है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सचिवालय में कौशल विश्वविद्यालय के बोर्ड सदस्यों और उद्योगपतियों के साथ बैठक की और उनसे राज्य सरकार के प्रयासों में भाग लेने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से कौशल विश्वविद्यालय को 150 एकड़ भूमि और 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, उन्होंने उद्योगपतियों से कौशल विश्वविद्यालय के विकास में भाग लेने और विश्वविद्यालय के पूर्ण पैमाने पर प्रबंधन के लिए एक कोष स्थापित करने के लिए आगे आने को कहा। अधिकारियों को इन इमारतों का नाम अपनी कंपनियों या दानदाताओं के नाम पर रखने की सलाह दी गई। रेवंत रेड्डी ने कहा, इसके बाद विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी बोर्ड के अध्यक्ष महेंद्र आनंद को सौंपी जा रही है। मुझे विश्वास है कि महेंद्र आनंद अपनी ब्रांड छवि कौशल विश्वविद्यालय में लाएंगे, क्योंकि उनके पास इस क्षेत्र में अनुभव के साथ-साथ एक विशिष्ट पहचान भी है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनकी सरकार अब से युवा भारत खेल विश्वविद्यालय की स्थापना पर ध्यान केंद्रित करेगी और प्रस्तावित खेल विश्वविद्यालय लगभग 200 एकड़ में स्थापित किया जाएगा और 2028 ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक लाने के उद्देश्य से एथलीटों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने कहा, खेल विश्वविद्यालय के लिए धन की कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार 3 लाख करोड़ के बजट में 1,000 करोड़ रुपये भी खर्च करने को तैयार है। मैं तेलंगाना के सभी उद्योगपतियों और व्यापारियों से भी विश्वविद्यालय के लिए अपना सहयोग देने का अनुरोध करता हूं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय बोर्ड के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा ने तेलंगाना के कुशल युवाओं को दुनिया के सामने लाने के मुख्यमंत्री के विचार की प्रशंसा की और कहा कि रेवंत रेड्डी एक दूरदर्शी नेता हैं।

आनंद महिंद्रा ने कहा, जब मुझे कौशल विश्वविद्यालय पर मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए प्रस्ताव पसंद आए, तो मैंने तुरंत स्वीकार कर लिया और विश्वविद्यालय का अध्यक्ष बनने की इच्छा व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू, विश्वविद्यालय बोर्ड के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा, सह-अध्यक्ष श्रीनि राजू, बोर्ड के सदस्य पी. देवैया, सुचित्रा एला और सतीश रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, सीएम के प्रधान सचिव शेषाद्रि, सीएम के विशेष सचिव अजीत रेड्डी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

इंटर के छात्र ने हॉस्टल में किया आत्महत्या का प्रयास

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी इच्छा के विरूद्ध आवासीय कॉलेज में दाखिला मिलने से परेशान एक इंटर प्रथम वर्ष के छात्र ने छात्रावास की इमारत से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया।

यह घटना गुरुवार को महेश्वरम स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी कल्याण आवासीय महाविद्यालय में घटी, जब आवासीय महाविद्यालय में इंटरमीडिएट बीआईपीसी प्रथम वर्ष के छात्र संतोष नगर निवासी सिद्धू ने छात्रावास की पहली मंजिल से छलांग लगा दी।

प्रिंसिपल और लेक्चरर उसे तुरंत हैदराबाद के एक अस्पताल ले गए। फिलहाल वह खतरे से बाहर है। बताया जा रहा है कि लड़के को उसके माता-पिता ने जबरदस्ती हॉस्टल में भर्ती कराया था। महेश्वरम एसीपी लक्ष्मीकांत रेड्डी, सीआई वेंकटेश्वरलू और अन्य लोग अस्पताल में सिद्धू से मिलने पहुंचे। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

एनसीसी कैडेट्स के प्रशिक्षण के लिए सीमित संसाधनों के साथ नई लघु शस्त्र रेंज की स्थापना

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी कैडेट प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए आदिलाबाद में पूर्ववर्ती एयरोड्रम की ए1 रक्षा भूमि पर एक नई लघु शस्त्र रेंज (एसएआर) का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया है। कैडेट्स को 15 किलोमीटर दूर सनकेडी में पुलिस फायरिंग रेंज में ले जाने की चुनौतियों को देखते हुए, यह स्थानीय रेंज प्रशिक्षण आवश्यकताओं को काफी हद तक सुव्यवस्थित करेगी। इस पहल का नेतृत्व 32 तेलंगाना बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विकास और उनकी टीम ने किया, जिन्होंने सशस्त्र बलों में अनुभव से लाभ उठाया और जेसीबी और छात्र सहायता सहित स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया। यह अस्थायी संरचना सुरक्षा सुनिश्चित करती है और एक स्थायी समाधान प्रदान करती है, जो कैडेट प्रशिक्षण को बढ़ावा देती है जबकि स्वाभाविक रूप से भूमि अतिक्रमण को रोकती है। रेंज को विशेष रूप से 22 राइफलों के लिए डिजाइन किया गया है ताकि कैडेट्स को फायरिंग से परिचित कराया जा सके। इस छोटी सी रेंज के लिए परीक्षण पहले ही यूनिट द्वारा सुचारू रूप से और सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं।

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पूरे राज्यों में कोई एनसीसी प्रशिक्षण अकादमी नहीं है। एनसीसी इकाइयों को प्रशिक्षण सुविधाओं की तलाश के लिए खुद ही संघर्ष करना पड़ता है और वे एनसीसी शिविरों के संचालन के लिए काफी हद तक शैक्षणिक संस्थानों और पुलिस प्रशिक्षण अकादमियों पर निर्भर हैं।

एनआरआई को ठगने के आरोप में एक गिरफ्तार, तस्वीरें भेजकर करता था ब्लैकमेल

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने डेटिंग ऐप के जरिए एनआरआई लोगों को ठगने के आरोप में एक पूर्व तकनीकी विशेषज्ञ को बेंगलुरू के ब्रूकफील्ड से गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला बनकर पीड़ितों को आपत्तिजनक तस्वीरें भेजकर उन्हें ब्लैकमेल करके पैसे ऐंठते थे।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान रिद्ध बेदी के रूप में हुई है, जिसने कैलिफोर्निया में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और छह साल अमेरिका में रहने के बाद भारत लौटा था। पुलिस के अनुसार नौकरी छूटने के बाद वह ऑनलाइन ठगी करने लगा। हैदराबाद में एक मामले के बाद यह गिरफ्तारी की गई, जहां कैलिफोर्निया में रहने वाले शिकायतकर्ता के बेटे से आरोपी द्वारा संचालित कई भारतीय खातों में 1,721 अमेरिकी डॉलर या 1,43,975 रुपये की जबरन वसूली की गई थी। आरोपी ने कथित तौर पर ऑनलाइन डेटिंग वेबसाइट पर एक फर्जी अकाउंट बनाकर खुद को एक महिला के रूप में पेश किया था और पीड़ित को आपत्तिजनक तस्वीरें और संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी साझा करने का लालच दिया था।

आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित की तस्वीरों का इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने के लिए किया, इन तस्वीरों को उसके परिवार के सदस्यों और सहकर्मियों सहित उसके सामाजिक दायरे में साझा करने की धमकी दी।

अपमान के डर से पीड़ित ने आरोपी द्वारा मांगी गई फिरौती का भुगतान अमेरिका में इस्तेमाल होने वाले मनी ट्रांसफर एप्लीकेशन जैसे कि ज़ेले के माध्यम से किया। बार-बार जबरन वसूली के प्रयासों के बाद, पीड़ित ने आरोपी के कॉल को अनदेखा करना शुरू कर दिया। जवाब में, आरोपी ने पीड़ित के परिवार और दोस्तों के साथ संवेदनशील तस्वीरें और जानकारी साझा करके स्थिति को और बिगाड़ दिया, जिससे पीड़ित पर दबाव बढ़ गया।

148 एटीएसएस और 112 एटीएम और एएल (बी) पाठ्यक्रम का स्नातक समारोह आयोजित

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 148 एयर ट्रैफिक सर्विलांस सर्विसेज (एटीएसएस) पाठ्यक्रम और 112 एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट एंड एयर लॉज (एटीएम एंड एल (बी)) पाठ्यक्रम के संबंध में प्रशिक्षण के सफल समापन को चिह्नित करने के लिए, 19 सितंबर 24 को एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑफिसर्स ट्रेनिंग एस्टेब्लिशमेंट (एटीसीओटीई) में स्नातक समारोह आयोजित किया गया। एयर मार्शल एस श्रीनिवास, कमांडेंट, वायु सेना अकादमी, ने समीक्षा अधिकारी के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। भारतीय वायु सेना, भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारी छह महीने लंबे एटीएम और एएल (बी) पाठ्यक्रम का हिस्सा थे और भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अधिकारी एटीएसएस का हिस्सा थे, जो तीन महीने का मध्य-स्तरीय पाठ्यक्रम था।

बाद में, एयर मार्शल एस श्रीनिवास ने सभा को संबोधित किया और स्नातक अधिकारियों को बधाई दी। सैन्य विमानन में एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, जब अधिकांश सैन्य ठिकानों को अब संयुक्त उपयोगकर्ता एयरोड्रोम में परिवर्तित कर दिया गया है, एयर मार्शल ने हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग के सुचारू कार्यान्वयन में उनकी अत्यधिक भागीदारी को स्वीकार किया।

उन्होंने सैन्य हवाई क्षेत्र में सशर्त मार्गों की शुरूआत के बाद यातायात में तेजी लाने के लिए प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र के उपयोग को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद में नौकरी मेला आयोजित

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय के रोजगार ब्यूरो में निजी क्षेत्र के लिए नौकरी मेला आयोजित किया जा रहा है।

आईटीआई डीजल मैकेनिक, डिप्लोमा मैकेनिकल, डिग्री, पीजी, बीटेक उत्तीर्ण अभ्यर्थी जॉब फेयर में भाग ले सकते हैं। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में यह नौकरी मेला हैदराबाद मित्र एजेंसियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवारों को 23 सितंबर को सुबह 11 बजे तक रोजगार ब्यूरो में रिपोर्ट करना होगा।

नौकरी मेले के बारे में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मार्गदर्शन ब्यूरो के उप मुख्य अधिकारी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, टी रामू से 7799884909 पर संपर्क कर सकते हैं।

सुपरमार्केट, मिठाई की दुकानों पर छापा-खाद्य सुरक्षा टीम ने की छापेमारी

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा विभाग की एक टास्क फोर्स ने हैदराबाद में एक सुपरमार्केट और मिठाई की दुकान पर छापेमारी की। यह छापे रत्नदीप रिटेल प्राइवेट लिमिटेड और ऑलिव मिठाई शॉप पर मारे गए। वेस्ट मरेडपल्ली में स्थित रत्नदीप रिटेल प्राइवेट लिमिटेड में टीम ने पाया कि मैककेन पोटेटो बाइट्स और हेरिटेज मोजरेला चीज जैसे फ्रोजन पैक्ड खाद्य पदार्थों को एफआईएफओ पद्धति के अनुसार संग्रहीत नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त, ब्लूबेरी के पैकेट बिना उचित लेबल के पाए गए, जिसमें एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर, लोगो और आयातक पते का विवरण शामिल था। पैकेजिंग और उपयोग की तिथियों का भी उल्लेख नहीं किया गया था। पश्चिम मरेडपल्ली में स्थित ऑलिव मिठाई शॉप के निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि बिक्री के लिए रखे गए नमकीन, मिक्सचर और चकोड़ी जैसे पैक किए गए खाद्य पदार्थों पर उचित लेबल नहीं लगा था। एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर, लोगो और निर्माता का विवरण गायब था। इसके अतिरिक्त, परिसर में पैक की गई और बेची गई कुछ मिठाइयां उचित लेबलिंग नियमों का उल्लंघन करते हुए पाई गईं। जी.बी. पैन पैलेस में टीम ने पाया कि खाद्य पदार्थ हैंडलर का मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट गायब था। खाद्य पदार्थ हैंडलर के पास हेयर कैप, एप्रन या दस्ताने नहीं थे। बिना ढक्कन वाला एक खुला कूड़ादान भी मिला।

टीम ने एफबीओ से कुछ तम्बाकू उत्पाद जब्त किए, क्योंकि संदेह था कि उन्हें पान मसाला में मिलाकर ग्राहकों को बेचा जा रहा था। हाल के महीनों में, हैदराबाद में विभिन्न लोकप्रिय रेस्तरां, सुपरमार्केट, छात्रावासों, मिठाई की दुकानों और पीजी आवासों पर छापे मारे गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खाद्य गुणवत्ता मानकों को बरकरार रखा जाए।

केटीआर को पिछड़े वर्गों के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है : कांग्रेस

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा तेलंगाना में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए जाति जनगणना कराने के लिए प्रतिबद्ध होने की बात दोहराते हुए, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने आलोचना की है कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव को पिछड़े वर्गों के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। गुरुवार को यहां कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए आदि श्रीनिवास ने कहा, केटीआर को पिछड़े वर्गों की जनगणना पर हमें व्याख्यान देने की आवश्यकता नहीं है, और इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बार-बार कहा है कि प्रतिनिधित्व जनसंख्या के अनुपात में होना चाहिए। आदि श्रीनिवास ने कहा, बीसी जनगणना विधेयक विधानसभा में पहले ही पारित हो चुका है और इस संबंध में एक सरकारी आदेश (जीओ) जारी किया जा चुका है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में बीसी जनगणना कराने की घोषणा की है। कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाने का किसी को अधिकार नहीं है। एक बार पार्टी वादा कर देती है, तो वह निश्चित रूप से वादा पूरा करती है। कांग्रेस विधायक ने सवाल किया, बीआरएस सरकार ने पिछले दस वर्षों में जाति जनगणना कराने के बारे में क्यों नहीं सोचा? न तो बीआरएस अध्यक्ष, न ही कार्यकारी अध्यक्ष और न ही तेलंगाना विधानसभा में विपक्ष के नेता बीसी समुदाय से हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पीसीसी प्रमुख का पद बीसी समुदाय से किसी को दिया है और भविष्य में पार्टी और सरकार द्वारा बीसी को और अधिक अवसर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बीसी जनगणना पर राज्य सरकार के लिए समय सीमा निर्धारित करने के लिए केटी रामा राव की भी आलोचना की और कहा कि केटीआर को खोखले बयान देना बंद कर देना चाहिए। आदि श्रीनिवास ने खुलासा किया, हम निश्चित रूप से पिछड़ी जातियों की जनगणना पूरी करेंगे। उच्च न्यायालय ने भी निर्देश दिया है कि तीन महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। हम निश्चित रूप से इसका पालन करेंगे।

भाकृअनुप - केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture (CRIDA)
संतोषनगर/Santoshnagar, हैदराबाद/Hyderabad - 500 059, फोन/Phone : 040-24530177 (Office), 040-24530157, 61, 63 (PABX) फैक्स/Fax : 040-24531802
ई-मेल/E-mail : director.crida@icar.gov.in वेबसाइट/Website : http://www.icar-crida.res.in

हिन्दी पखवाड़ा की शुभकामनाएं

भाकृअनुप-केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (क्रीडा) की स्थापना, राष्ट्रीय आवश्यकता को देखते हुए 1985 में की गई। इस संस्थान का प्राथमिक अधिदेश वर्षा सिंचित क्षेत्रों में टिकाऊ और जलवायु लचीला कृषि के लिए बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान करना, वर्षा सिंचित क्षेत्रों में स्थान-विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को उत्पन्न करने के लिए नेटवर्क अनुसंधान का समन्वय करना और शुष्क भूमि में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में क्षमता वृद्धि के लिए एक केंद्र के रूप में काम करना है।

संस्थान के वर्तमान निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने हिंदी पखवाड़े के सुअवसर पर अपना संदेश प्रेषित करते हुए जानकारी दी कि भारत में वर्षा आधारित कृषि लगभग 50% कृषि भूभाग मे प्रचलन मे है जो 40% आबादी को बनाए रखते हुए खाद्य उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह क्षेत्र जलवायु परिवर्तनशीलता और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों का सामना करती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, भाकृअनुप-क्रीडा ने बारानी फसल प्रणाली अनुसंधान में महत्वपूर्ण प्रगति की है जिससे किसानों को सशक्त बनाने मे सफलता मिली है। हमारे संस्थान ने आधुनिक पोषण तत्व प्रबंधन, सूखा सहिष्णुता हेतु चयन, सामाजिक आर्थिक और नीति अनुसंधान द्वारा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों मे भी इष्टतम पैदावार प्राप्त करने मे सफलता प्राप्त की है।

भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, गैर सरकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के साथ हमारे सहयोगात्मक प्रयास देश भर में बारानी भूमि के लिए तकनीकि समाधानों को आगे बढाने में सहायक रहे हैं। हमारे मानव संसाधन विकास के प्रयास उल्लेखनीय रहे हैं जिसमें हमारे वैज्ञानिकों ने अनेक कृषकों एवं कृषि सलाहकारों का कौशल बढ़ाया है। अद्यतन सांख्यिकी के अनुसार भारतवर्ष के कुल आबादी के 43.6% लोग हिन्दी भाषा का प्रयोग करते हैं । अतः अधिक-से-अधिक लोगों से जुड़ने के लिए हिन्दी भाषा का अत्यधिक महत्व है। भारत एक कृषि प्रधान देश है जहां की अधिकांश आबादी गावों मे निवास करती है तथा अन्नत तकनीकियों को उन तक पहुँचने में हिन्दी की बहुत बड़ी भूमिका है। भारत विविधता मे एकता का प्रतीक है जहां हिन्दी के साथ कई क्षेत्रीय भाषाएँ भी बोली जाती है। हिन्दी भाषा न केवल जनता और सरकार के बीच संवाद-सेतु का काम करता है बल्कि यह हमारे कार्यक्रमों में जन भागीदारी बढ़ाने में पूर्ण भूमिका निभाती है। हिन्दी भारत अधिकांश लोगों द्वारा बोली और समझो जाती है।

स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख भाषा होने के कारण भारत के हर हिस्से में हिन्दी को जानने समझने वाले मिल जायेंगे। हिन्दी के माध्यम से हमें दोहरा लाभ मिलेगा, एक तो हमारे लक्ष्यों की प्राप्ति में शीघ्रता आएगी, दूसरी राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता भी पूरी हो सकेगी।

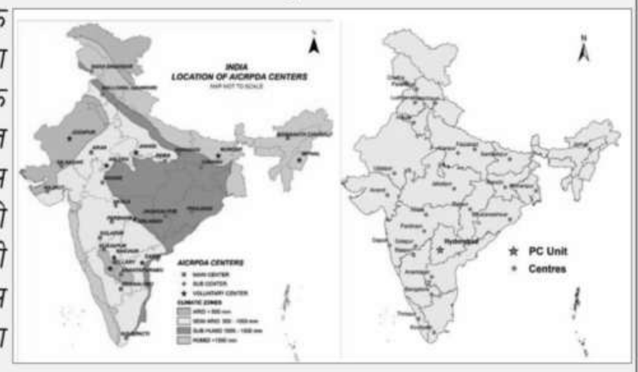

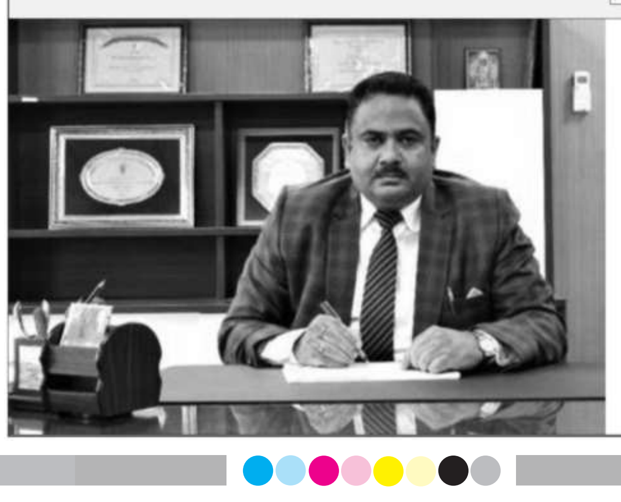

मथुरा में मालगाड़ी पटरी से उतरी, पायलट रोने लगा

26 डिब्बे डिरेल हुए, एक-दूसरे पर चढ़े, 18 ट्रेनें डायवर्ट; जीएम बोले-जांच होगी

मथुरा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मथुरा के वृंदावन में मालगाड़ी डिरेल हो गई। 26 डिब्बे पटरी से उतर गए। कपलिंग टूटने से वैगन एक-दूसरे पर चढ़ गए। फिर पलट गए। मालगाड़ी में कोयला लदा था। डाउन और अप लाइनों पर कोयले का ढेर लग गया। दिल्ली-मथुरा का ट्रैक बाधित हो गया। 18 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया। हादसे के वक्त मालगाड़ी की स्पीड 55 किलोमीटर प्रति घंटा थी।

डीआरएम और रेलवे के अन्य अधिकारी बचाव दल के साथ मौके पर आए। लोको पायलट शेर सिंह और सहायक लोको पायलट शिव शंकर सहमे नजर आए। पायलट शेर सिंह रो रहे थे। उत्तर मध्य रेलवे के जीएम उपेंद्र चंद्र जोशी ने कहा- ट्रैक को क्लियर करने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इसमें समय लगेगा। इसके लिए 4 क्रेन मंगवाई गई हैं। हादसे की जांच की जाएगी।

पीआरओ बोलीं- कई ओएचई खंभे टूटे, दोनों ट्रैक पर ट्रैफिक थमा

आगरा रेल मंडल की पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया- मालगाड़ी मथुरा की तरफ से कोयला लेकर दिल्ली जा रही थी। ट्रेन जैसे ही वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन से 800 मीटर आगे पहुंची, तभी कपलिंग टूट गई और हादसा हो गया। इंजन समेत 59 डिब्बे लगे थे। पीआरओ ने बताया- आगरा से दिल्ली और दिल्ली से आगरा की ओर आने वाली ट्रेनों को आस-पास के स्टेशनों पर रोका गया है। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। मालगाड़ी में भरा कोयला ट्रैक पर फैल गया। कई ओएचई (ओवर हेड इक्विपमेंट) खंभे टूट गए हैं। हमने ट्रैक को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है। 200 से ज्यादा कर्मचारी लगे हुए हैं। डिब्बे हटाने के लिए आगरा, झांसी और दिल्ली से क्रेन मंगाई गई हैं।

ट्रैक पर पलटने से मालगाड़ी के डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए।

साजिश या हादसा, चल रही जांच

रेलवे के लोको पायलट ने कहा- मालगाढ़ी सूरतगढ़ जा रही थी। हमारी ड्यूटी आगरा से तुगलकाबाद तक थी। उसके बाद दूसरे पायलट और लोको पायलट मालगाड़ी लेकर जाते, लेकिन उससे पहले हादसा हो गया। आगरा डिवीजन के डीआरएम तेज अग्रवाल ने बताया- मालगाड़ी राजस्थान में सूरत गढ़ पॉवर प्लांट (एसटीपीपी) जा रही थी। इसमें कोयला लदा हुआ था। कोई साजिश है या नहीं? ये सब हम जांच के बाद ही कह सकते हैं।

यात्रियों ने मंत्री अश्विनी वैष्णव से की शिकायत

हादसे के बाद मथुरा और दिल्ली की रूट की ट्रेनों को स्टेशनों पर रोक दिया गया। सुधीर नरुला नाम के यात्री ने एक्स पोस्ट में लिखा- रेल नंबर 12404 प्रयागराज सुपरफास्ट ट्रेन को बिना वजह के मथुरा जंक्शन से पहले 1 घंटे से भी अधिक समय से रोका गया है। उन्होंने रेलवे मंत्रालय और मंत्री अश्विनी वैष्णव को टैग करते हुए कहा- लोग परेशान हो रहे हैं।

'बिहार में जंगलराज दलित सुरक्षित नहीं' नवादा की घटना पर सपा की प्रतिक्रिया

लखनऊ, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में जमीन विवाद को लेकर दबंगों ने दलित बस्ती में आग लगा दी। जिसके बाद पूरे इलाके में तनाव है। वहीं विपक्षी दलों ने भी नीतीश सरकार पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। समाजवादी पार्टी ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सपा नेता आईपी सिंह ने कहा कि बिहार में जंगलराज होने का आरोप लगाया और कहा कि यहां दलित पिछड़े वर्ग के लोग सुरक्षित नहीं है। समाजवादी पार्टी के नेता आईपी सिंह ने घटना पर नाराजगी जताते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स पर प्रतिक्रिया दी और नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। सपा नेता ने कहा कि 'बिहार में जंगलराज है दलित पिछड़े वर्ग के लोग सुरक्षित नहीं। बिहार में दलितों के घरों में आग के हवाले कर दिया। खबरों के मुताबिक, 80 घर से ज्यादा जलकर राख हो गये। पहले जमकर गोलीबारी हुई फिर दबंगों ने उन घरों में आग लगा दी।'

2027 में यूपी विधानसभा चुनाव लड़ेगी लोजपा

रामलला के दर्शन करने पहुंचीं सांसद शांभवी चौधरी बोलीं- अभी से संगठन को करेंगे मजबूत

अयोध्या, 19 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में लोक जन शक्ति पार्टी भी अपने कैंडीडेट उतारने के लिए खुद को तैयार कर रही है। इसके लिए पार्टी न सिर्फ उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करेगी बल्कि नए सिरे से तैयार करेगी। यह बात अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के बाद बिहार समस्तीपुर से लोजपा सांसद शांभवी चौधरी ने कही। उन्हें यूपी का सह-प्रभारी बनाया गया है। सांसद शांभवी चौधरी ने कहा- 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए हम अभी से जुट गए हैं और चिराग पासवान की इच्छा है कि जिस तरह वह बिहार में भूमिका निभा रहे हैं इस तरह यूपी में भी राजनीतिक भूमिका निभाएं। हम अभी प्रदेश में पार्टी को नई पहचान देने के लिए काम करेंगे।

हम किसी भी पार्टी को तोड़ने नहीं बल्कि अपनी पहचान बनाने और लोगों को जोड़ने के लिए आए हैं। रामविलास पासवान 1985 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में लड़े थे और उनका जो सपना अधूरा रह गया है उन्हें पूरा करने के लिए हम लोग आए हैं। शांभवी चौधरी ने कहा- बिहार में जितना हमारा अच्छा प्रदर्शन रहा है वैसा ही यूपी में भी रहेगा। हम प्रदेश में संगठन को मजबूत करेंगे और आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की अहम भागीदारी हो इसके लिए संगठन को तैयार करेंगे। यह पार्टी दलित, वंचित और शोषित वर्ग की आवाज मानी जाती है। संगठन को मजबूत करने के साथ प्रदेश में सदस्यता अभियान चलाकर युवाओं को जोड़ने का काम करेगी।

धार्मिक जुलूस में अशोक चक्र की जगह चांद-तारा वाला तिरंगा बक्सर में लहराया

बक्सर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छपरा के बाद अब बक्सर से भी एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो मो। साहब के जन्मोत्सव के मौके पर सोमवार को जुलूस के दौरान का है। इस जुलूस में तिंरगा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है शहर के पुरानी कचहरी मस्जिद के पास से गुजर रहे जुलूस में तिरंगे पर चक्र की जगह चांद तारा दिखाई दिया। जिसमें तिरंगे के चक्र को हटाकर चांद तारा लगाया गया था।

तिरंगा में चांद-तारा बनाया गया है जो साफ तौर पर राष्ट्रीय ध्वज के प्रतीक का अपमान है। मिली जानकारी के अनुसार जब यह जुलूस मॉडल थाना के समीप पहुंचा तो वहां भी पाकिस्तान के स्वरूप वाला ध्वज लहराया गया। हालांकि कुछ ही समय में हटा लिया गया। इन झंडों को भ्रामक बनाने के लिए उस पर उर्दू भाषा में लिखा गया था। इस पूरे मामले को लेकर गुरुवार को जिला न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता शशिकांत उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान के साथ छेड़छाड़ करना यह देशद्रोह का मामला बनता है। ऐसे विकृत मानसिकता के लोगों पर कानून और व्यवस्थाओं के साथ उन पर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, इस पूरे मामले को लेकर सदर एसडीएम धीरेंद्र मिश्रा ने बताया कि मुझे मीडिया से जानकारी हुई है। इसका अवलोकन किया जा रहा है।

जहां तक मुझे जानकारी है नेशनल झंडा के साथ छेड़छाड़ करना कहीं से उचित नहीं है। इस मामले को लेकर आरक्षी अधीक्षक ने किसी पदाधिकारी को जांच का जिम्मा सौंपे हैं। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इस प्रकार का एक वीडियो बिहार के छपरा में भी सामने आया था, जिसमें दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा प्रयागराज का मदरसा नकली नोट कांड

बुलडोजर एक्शन से पहले 100 पेज का जवाब, कहा- ब्रिटिश हुकूमत ने दी थी मंजूरी

प्रयागराज, 19 सितंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के जिस मदरसे में नकली नोट छापने, बच्चों के ब्रेन वॉश किए जाने का खुलासा हुआ था। अब उसका मामला सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तक पहुंचा है। मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी थी। प्रयागराज प्राधिकरण अथॉरिटी (पीडीए) ने मदरसा कमेटी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

पीडीए ने दो नोटिस गेट पर चस्पा की थी। नोटिस में कहा गया कि मदरसा कमेटी 18 सितंबर तक जवाब दाखिल करे, वरना मदरसा गिरा दिया जाएगा। मदरसा कमेटी ने तय वक्त पर अपना जवाब और दस्तावेज पीडीए को सौंप दिए हैं। कमेटी ने 100 पन्नों में प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को सारे जवाब की कॉपी भेजी है।

मस्जिद 300 साल, मदरसा 1940 में बना

मदरसा कमेटी ने अपने जवाब की रिपोर्ट में पुराने नक्शे और अन्य दस्तावेज सबमिट किए हैं। कमेटी ने कहा- मदरसा कैंपस का सभी निर्माण पूरी तरह वैध है। सभी निर्माण विकास प्राधिकरण समेत दूसरे सरकारी विभागों की अनुमति के बाद हुए हैं। मदरसा परिसर में स्थित मस्जिद ए आजम 300 साल से ज्यादा पुरानी है।

मदरसे की स्थापना 84 साल पहले 1940 में की गई थी। कमेटी ने कहा- उस वक्त निर्माण के लिए ब्रिटिश हुकूमत से मंजूरी ली गई थी। देश की आजादी के बाद 1952 में नगर पालिका परिषद से नक्शा पास कराया गया था। उस वक्त प्रयागराज विकास प्राधिकरण अस्तित्व में नहीं था। विकास प्राधिकरण 1973 में अस्तित्व में आया है। इसके बाद 1981 में विकास प्राधिकरण से भी नगर पालिका के नक्शे को मंजूरी दिलाई गई थी।

मदरसा कमेटी ने कहा-पांच टाइम की नमाज और तालीम बाधित

मदरसा कमेटी ने कहा- इन सभी दस्तावेजों के परीक्षण के बाद भी अगर कोई आपत्ति या शंका है तो मदरसा अन्य डॉक्यूमेंट भी देने को तैयार है। अगर इसके बावजूद कोई सवाल या शंका है तो प्राधिकरण उस हिस्से का निरीक्षण और परीक्षण कर दस्तावेजों की जांच कर सकता है। मदरसा हर तरह से सहयोग करने को तैयार है। जवाब के जरिए कहा गया है कि मदरसे की सील को खोल दिया जाना चाहिए। यहां रोजाना पांच वक्त नमाज होती थी। सील होने की वजह से नमाज बंद है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले 100 से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई भी बंद है। अब पीडीए कमेटी से हासिल दस्तावेजों की जांच कर रहा है। जांच के बाद ही पीडीए इस पर आगे की कार्रवाई करेगा। मदरसा कमेटी के लोगों ने दस्तावेजों को सौंपने के साथ ही पीडीए के अधिकारियों ने अपनी दलीलें दी।

4 सितंबर को सील हुआ था मदरसा

प्रयागराज के इस मदरसे में 27 अगस्त को नकली नोट छापने का मामला खुला था। पुलिस ने प्रिंसिपल समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। अवैध निर्माण की शिकायत होने पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने इसे 4 सितंबर को सील कर दिया था। तब से यह मदरसा बंद चल रहा है।

गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से पटना में बंद किए गए 76 सरकारी स्कूल, पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी बाढ़ का खतरा

पटना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में कई जगहों पर गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर जाने के कारण जिला प्रशासन ने ग्रामीण इलाकों में 76 सरकारी विद्यालयों को 21 सितंबर तक बंद करने का आदेश दिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, "गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर पटना जिले के आठ प्रखंडो में कुल 76 सरकारी स्कूल 21 सितंबर तक बंद रहेंगे। गंगा नदी का जलस्तर कुछ जगहों पर खतरे के निशान को पार कर गया है।

जिले के ग्रामीण इलाकों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए यह फैसला लिया गया है।" बिहार सरकार ने हाल ही में जिलाधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर विद्यालयों को बंद करने के बारे में निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया है। जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, "गंगा नदी पटना के गांधी घाट पर खतरे के निशान 48.60 मीटर (बुधवार सुबह 6 बजे तक) से ऊपर बह रही थी। इसी तरह हाथीदह और दीघा घाट पर गंगा नदी क्रमशः 41.76 मीटर और 50.45 मीटर खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी।" बता दें कि बिहार में गंगा नदी उफान पर है

बहराइच में भाजपा नेता के फॉर्म हाउस पर दिखा भेड़ियों का नया झुंड

लंगड़ा भी था साथ, लोगों में मचा हड़कंप

बहराइच, 19 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में आदमखोर भेड़ियों का आतंक अब तक जारी है। प्रशासन अब तक कई भेड़ियों को पकड़ चुकी है लेकिन आखिरी लंगड़ा भेड़िया जो इनका प्रमुख है अब तक नहीं पकड़ा गया। इस बीच बहराइच में भाजपा के विधान परिषद सदस्य पदमसेन चौधरी के फार्म हाउस पर की बुधवार शाम चार भेड़ियों का झुंड देखा गया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस झुंड में एक लंगड़ा भेड़िया भी है। माना जा रहा है कि ये वही भेड़िया है जिसकी वन विभाग को तलाश है। हालांकि, भेड़ियों के नए झुंड ने लोगों का डर और ज्यादा बढ़ा दिया है।

भाजपा नेता ने बताया

भाजपा के विधान परिषद सदस्य पदमसेन चौधरी ने बताया है कि सिसैया चूरामनि गांव से मात्र पांच किलोमीटर दूरी पर उनके फार्म हाउस पर बुधवार शाम चार भेड़ियों का एक झुंड देखा गया। इनमें से एक भेड़िया लंगड़ा बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने भेड़ियों को घेरना शुरू किया तो वे हमारे मक्के के खेत से होते हुए पड़ोसी के खेत में चले गये। अब संभवतः किसी खेत में ही भेड़िए छिपे हैं। हालांकि, वन अधिकारी ने कहा कि ऐसा नहीं लगता कि इस नये झुंड में आदमखोर भेड़िया शामिल होगा। अधिकारी ने कहा कि भेड़ियों का ये झुंड अगर नरभक्षी नहीं है, फिर भी इसे पकड़ने की कवायद हुई तो इसके सदस्य भेड़िये भी बदले की भावना से इंसानों पर हमलावर हो सकते हैं।

5 भेड़िये पकड़े गए

बीते दिनों 6 भेड़ियों का एक झुंड आदमखोर हो गया था। इस झुंड के पांच सदस्य पकड़े जा चुके हैं और आखिरी बचे भेड़िये की तलाश हो रही है। वन अधिकारी ने बताया है कि आमतौर पर भेड़िए नरभक्षी नहीं होते और अब यह शोध का विषय है कि भेड़ियों का वह झुंड किस गलती की वजह से आदमखोर हुआ था। उन्होंने कहा कि फिलहाल हम बुधवार को दिखे भेड़ियों वाले इलाके पर भी पूरी नजर रखकर इसकी जांच करा रहे हैं।

बिहार में रुकेगा भूमि सर्वेक्षण? लैंड सर्वे का मामला पहुंचा पटना हाईकोर्ट

पटना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में चल रहे भूमि सर्वे के बीच पटना हाईकोर्ट में एक वकील ने इस पर रोक लगाने की मांग की है। वकील राजीव रंजन सिंह ने अपनी याचिका में कहा है कि सर्वे में कई खामियां हैं और इससे लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। राजीव रंजन सिंह का कहना है कि बिहार में जिस तरह से जमीन का सर्वे हो रहा है, उसमे कई गंभीर त्रुटियां हैं। उन्होंने अपनी याचिका में बताया है कि इस सर्वे के लिए कोई कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। इससे भविष्य में लोगों के बीच जमीन को लेकर विवाद बढ़ सकते हैं और अदालतों में मुकदमों का अंबार लग सकता है। याचिका में यह भी कहा गया है कि सर्वे की प्रक्रिया में आम लोगों की परेशानियों का कोई ध्यान नहीं रखा गया है। राजीव रंजन सिंह ने बताया कि उन्होंने इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव को 7 सितंबर को एक ज्ञापन भी दिया था, लेकिन उन्हें अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। याचिका में आगे कहा गया है कि जमीन के अधिकार को लेकर पहले से ही कई मामले अदालतों में लंबित हैं। ऐसे में बिना तैयारी के जल्दबाजी में किया गया यह सर्वे लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन सकता है। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक पटना हाईकोर्ट में दायर की गई इस याचिका में राजीव रंजन सिंह ने कहा है कि सर्वे कराने के लिए किसी प्रकार के कानूनी सिस्टम को नहीं अपनाया गया है। जिस तरह से सर्वे किया जा रहा है, उससे बिहार की स्थिति खराब होगी। लोगों के बीच झगड़े और परेशानी की आशंका भी है और इसके चलते भविष्य में मुकदमेबाजी बढ़ेगी। अदालतों में जमीन से जुड़े मामलों का बोझ बढ़ेगा। सर्वेक्षण में आम जनता को होने वाली परेशानियों की अनदेखी की गई है।

गया समेत बिहार के 5 लोकेशन पर एनआईए की रेड

पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर और प्लांट पर छापेमारी; नक्सली कनेक्शन से जुड़ा मामला

गया, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के 5 लोकेशन पर एनआईए ने रेड की है। इनमें से 3 गया में है। गया में पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर और प्लांट पर एनआईए की टीम ने दबिश की है। एपी कॉलोनी स्थित जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के आवास पर भी सुबह 4 बजे छापेमारी शुरू हुई। घर के अंदर किसी को जाने की इजाजत नहीं है। घर में मौजूद लोगों से पूछताछ जारी है। जिला पुलिस के सहयोग से एनआईए ने कार्रवाई की है। साथ ही उनके बोधगया में जानपुर गांव के पास स्थित प्लांट में भी छापेमारी हुई है। इसके अलावा बांके बाजार में भी एनआईए की टीम छापेमारी कर रही है। मनोरमा देवी के दिवंगत पति बिंदेश्वरी यादव जिला पार्षद अध्यक्ष थे। उनके खिलाफ नक्सल गतिविधि और साठगांठ का केस था। नक्सलियों को कारतूस सप्लाई करने के आरोप में बिंदेश्वरी यादव की गिरफ्तारी भी हुई थी। उनकी गाड़ी से ही सैकड़ों की संख्या में कारतूस बरामद हुए थे। तब इनके खिलाफ देशद्रोह का केस भी दर्ज किया गया था। आज की कार्रवाई भी नक्सल कनेक्शन तलाशने को लेकर होने की खबर है। पूछताछ पूर्व एमएलसी और घर के सदस्यों से की जा रही है। बता दें कि मनोरमा देवी का बड़ा बेटा रॉकी यादव देश के चर्चित रोडरेज गोली कांड का मुख्य आरोपी रहा है। हालांकि, हाईकोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में उसे बरी कर दिया था। गया में 3 जगह एनआईए की रेड पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर के अलावा उनके प्लांट पर रेड की कार्रवाई चल रही है। प्लांट बोधगया में जानपुर गांव के पास है। इसके अलावा बांके बाजार में भी एनआईए की टीम छापेमारी कर रही है। बांकेबाजार में द्वारिका यादव के प्लांट पर छापेमारी चल रही है। द्वारिका यादव का कनेक्शन मनोरमा देवी का है। बताया जा रहा है कि द्वारिका का प्लांट मूल रूप से मनोरमा देवी का ही है। द्वारिका उसकी देख रेख करते हैं। सूत्रों का कहना है कि बीते दिनों टेकारी पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में एनआईए की रेड पड़ी थी। इसमें दो लड़कों से पूछताछ हुई थी। उन लड़कों ने जदयू नेता मनोरमा देवी के नाम का खुलासा किया था।

नवादा की घटना पर मल्लिकार्जुन खरगे का एनडीए पर हमला

प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार से की ये मांग

नवादा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के नवादा में हुई घटना को लेकर सियासत गर्म हो गई है। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के महादलित टोले में करीब 80 घरों में आग लगाने की बात सामने आई है जिसके बाद तमाम विपक्षी दल ने एनडीए और नीतीश सरकार पर हमला करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, बीएसपी की मायावती समेत कई नेताओं ने एक सुर में आवाज उठाई है। प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार से मांग की है कि ऐसा अन्याय करने वाले दबंगों पर सख्त कार्रवाई हो और सभी पीड़ितों का समुचित पुनर्वास किया जाए।

एनडीए की सहयोगी पार्टियों के मुंह में दही जम गया: खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, बिहार के नवादा में महादलित टोला पर दबंगों का आतंक एनडीए की डबल इंजन सरकार के जंगलराज का एक और प्रमाण है। बेहद निंदनीय है कि करीब 100 दलित घरों में आग लगाई गई, गोलीबारी की गई और रात के अंधेरे में गरीब परिवारों का सब कुछ छीन लिया गया। भाजपा और उसके सहयोगी दलों की दलितों-वंचितों के प्रति घोर उदासीनता, आपराधिक उपेक्षा व असामाजिक तत्वों को बढ़ावा अब चरम पर है। प्रधानमंत्री मोदी जी हमेशा की तरह मौन हैं, नीतीश जी सत्ता के लोभ में बेफिक्र हैं और एनडीए की सहयोगी पार्टियों के मुंह में दही जम गया है।

प्रियंका गांधी ने कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

उधर प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर लिखा, नवादा, बिहार में महादलितों के 80 से ज्यादा घरों को जला देने की घटना बेहद खौफनाक और निंदनीय है। दर्जनों राउंड फायरिंग करते हुए इतने बड़े पैमाने पर आतंक मचाकर लोगों को बेघर कर देना यह दिखाता है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आम ग्रामीण-गरीब असुरक्षा और खौफ के साए में जीने को मजबूर हैं। मेरी राज्य सरकार से मांग है कि ऐसा अन्याय करने वाले दबंगों पर सख्त कार्रवाई हो और सभी पीड़ितों का समुचित पुनर्वास किया जाए।

बीएसपी चीफ मायावती ने भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, बिहार के नवादा में दबंगों द्वारा गरीब दलितों के काफी घरों को जलाकर राख करके उनका जीवन उजाड़ देने की घटना अति-दुखद व गंभीर। सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही पीड़ितों को पुनः बसाने की व्यवस्था के लिए पूरी आर्थिक मदद भी करे।

आरजेडी ने कहा सरकार चैन नींद सो रही है

इस पूरी घटना पर आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बिहार में दलितों का घर जलाया जा रहा है और सरकार चैन की नींद सो रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने ठीक कहा है कि बिहार में महाजंगलराज से बड़ा महाराक्षस राज आ गया है। दलित भाइयों पर अत्याचार किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। बिहार जिस तरह जल रहा है उस पर प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए को बोलना चाहिए।

वन नेशन वन इलेक्शन नया संविधान लिखने का प्रयास

संजय राउत का मोदी सरकार पर तंज

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। देश में वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव पर बहस शुरू हो गई है। एक दिन पहले ही केंद्रीय कैबिनेट में इसके प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। अब शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता संजय राउत ने इस प्रस्ताव को संविधान विरोधी बताया है। संजय राउत ने कहा कि हमारे पूर्वजों और संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच-समझकर संविधान के प्रावधान तैयार किये थे, मोदी सरकार को नया संविधान, नया कानून लिखने का प्रयास नहीं करना चाहिए। उद्धव ठाकरे गुट के सीनियर लीडर संजय राउत ने इसी के साथ बीजेपी पर भी बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये साफ है कि आने वाले चुनावों में बीजेपी की करारी हार होने जा रही है, इसलिए वो ऐसे फंडे ला रहे हैं, जिसकी बहस में जनता उलझ जाए।

'4 राज्यों में एक साथ चुनाव करा नहीं सके!'

संजय राउत ने वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि वे आखिर 2029 में एक साथ चुनाव कैसे कराएंगे? उन्होंने ये कहकर भी तंज कसा कि जो सरकार चार राज्यों में एक साथ चुनाव नहीं करा सकी, मुंबई नगर निगम समेत 14 नगर पालिकाओं के चुनाव नहीं करा सकी, जम्मू-कश्मीर में तीन साल तक चुनाव नहीं करा सकी, वह सरकार वन नेशन वन इलेक्शन कैसे करा लेगी।

देश की विविधता प्रभावित होगी- उद्धव गुट

संजय राउत ने निशाना साधा कि जो सरकार मणिपुर नहीं जा सकती या उसके बारे में कोई बात नहीं कर सकती, वह वन नेशन वन इलेक्शन आखिर क्यों चाहती है? उन्होंने इसी के साथ ये भी कहा कि हिन्दुस्तान बड़ी आबादी वाला मुल्क है, यहां के राज्यों की अपनी-अपनी विविधताएं हैं। यहां भाषा-क्षेत्र संस्कृति और त्योहार अलग-अलग हैं। प्रादेशिक विभिन्नताओं की वजह से वहां चुनावों की तारीखें तय होती रही हैं।

एक राष्ट्र एक चुनाव लोकतंत्र विरोधी – राउत

उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रस्ताव विभिन्नताओं को खत्म करने वाला है। इसके जरिये सरकार संविधान को बदलने का प्रयास कर रही है। संविधान के सिद्धांतों को बदला जा रहा है। संजय राउत ने कहा कि सरकार सबसे पहले नगर निगम और राज्यों के चुनाव एक साथ कराके दिखाएं। एक राष्ट्र एक चुनाव लोकतंत्र विरोधी है। भविष्य में नो इलेक्शन नो नेशन का नारा होगा, यही उनकी तैयारी है। संजय राउत ने सवाल उठाया कि एक साथ चुनाव होने से आखिर खर्च कैसे बचेगा? इसका अर्थशास्त्र देशवासियों को समझाया जाना चाहिए। यह देश की एकता के खिलाफ है।

विदेश जाने की चाह पड़ी भारी: कनाडा जाने के लिए की थी शादी, मिला तलाक का नोटिस 13 लाख रुपये भी गंवा दिए

लुधियाना, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा जाने के सपने देख रहे बस्सियां वासी जसवीर सिंह को वीजा तो नहीं मिला लेकिन पत्नी लवलीन द्वारा भेजा गया तलाक का नोटिस जरूर मिल गया है। जसवीर सिंह ने लाखों रुपये तो गंवाए ही, साथ ही गांव और समाज में किरकिरी भी हो गई। परिवार गहरे सदमे में है। तलाक का नोटिस मिलने के बाद जसवीर सिंह ने जिला लुधियाना ग्रामीण पुलिस प्रमुख एसएसपी नवनीत सिंह बैंस को शिकायत दी। शिकायत की जांच डीएसपी (डी) संदीप सिंह वढ़ेरा द्वारा की गई जिसमें जसवीर सिंह के आरोप सही पाए गए। थाना सिटी रायकोट में एसएसपी बैंस के आदेश पर जसवीर सिंह की पत्नी लवलीन कौर, सास गुरमीत कौर और ससुर रविंदर सिंह वासी मोहल्ला कौडियां रायकोट के खिलाफ धारा 318(4),37,61 के अधीन केस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दविंदर सिंह ने बताया कि लवलीन कौर को उसके कनाडा के पते पर कानूनी नोटिस भेजे जा रहे हैं जबकि रायकोट में रह रहे जसवीर सिंह के सास-ससुर को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मालाड पश्चिम विधानसभा में फर्जी पेन कार्ड होल्डर्स! डिप्टी सीएम ने दिए जांच के आदेश

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने फर्जी पैन कार्ड्स की जांच के आदेश दिए हैं। मुंबई बीजेपी चीफ आचार्य पवन त्रिपाठी की शिकायत पर डिप्टी सीएम ने मुंबई पुलिस आयुक्त को इससे संबंधित जांच शुरू करने का आदेश दिया है। मुंबई के उपनगर मालाड पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के मालवणी कैंपस में फर्जी पैन कार्ड का सबूत बीजेपी नेता आचार्य पवन त्रिपाठी ने उपमुख्यमंत्री को सौंपा है। उनका कहना है कि कई मुस्लिम बहुल इलाकों में जनसंख्या से ज्यादा पैन कार्ड होने की खबर मिली है। मुंबई बीजेपी के उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस को सबूत के साथ इसकी शिकायत की है। उन्होंने दावा किया है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में सुनियोजित ढंग से हजारों लोगों ने अपने फर्जी पैन कार्ड बनवा रखे हैं। यह डेटा आयकर विभाग के विवरण में देखने को मिला है। आचार्य त्रिपाठी का कहना है कि यह तभी मुमकिन है, जब एक व्यक्ति एक से ज्यादा पैन कार्ड रखता है। फर्जी पैन कार्ड का दुरुपयोग करते हुए अवैध लेन-देन और काला धन को वैध करने के लिए होने की आशंका है। उन्होंने डिप्टी सीएम को एक ही व्यक्ति के कई पैन कार्ड होने के सबूत भी दिए। यह व्यक्ति मालाड विधानसभा क्षेत्र के मालवणी परिसर का रहने वाला है। त्रिपाठी ने इस फर्जीवाड़े की गहन जांच करने की गुजारिश करते हुए इस गिरोह का भंडाफोड़ करने की मांग की है।

आचार्य पवन त्रिपाठी ने बड़े पैमाने पर फर्जी पैन कार्ड की तरह ही फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने जाने की आशंका जताई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस संबंध में मुंबई के पुलिस आयुक्त को जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं और इसके साथ ही केंद्रीय जांच एजेंसियों को भी तुरंत इसकी जानकारी देने को कहा है। आचार्य पवन त्रिपाठी ने मालाड पश्चिम के मालवणी इलाके में हो रहे इस फर्जीवाड़े के पीछे गहरी साजिश की आशंका जताई है।

चमत्कार या बीमारी? मंगलुरु में गाय ने दो सिर और चार आखों वाले बछडे को दिया जन्म देखने वालों की उमड़ी भीड़

मंगलूरू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलूरू से एक बेहद ही दुर्लभ घटना सामने आई है। मंगलूरू के किन्निगोली इलाके में दो सिर वाला बछड़ा पैदा हुआ है। स्थानीय लोगों से लेकर पशु चिकित्सक तक इस दुर्लभ घटना से हैरान हैं। बताया जा रहा है यह बछड़ा फिलहाल स्वस्थ है, हालांकि इसके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस विचित्र बछड़े को जन्म देने वाली गाय के मालिक जयराम जोगी ने कहा कि बछड़ा मंगलवार को पैदा हुआ था और गाय ने अपने इस विचित्र बछड़े को स्वीकार नहीं कर रही है। जिसके चलते बछड़े ने अभी तक गाय से दूध पीना शुरू नहीं किया है और उसे बोतल से दूध पिलाया जा रहा है। बछड़े के दो सिर होने के पीछे की वजह 'पॉलीसेफली' नामक एक दुर्लभ बीमारी है। इस विशेष बछड़े के दोनों सिर आपस में जुड़े हुए हैं, जो एक ही गर्दन से जुड़े हुए हैं। उसकी चार आँखें हैं, लेकिन केवल बाहर वाली आखें से देख पा रहा है, जबकि बीच की दो आँखें काम नहीं करती हैं। बछड़े को कई और भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सिर के वजन के कारण बछड़ा खड़ा नहीं हो पाता है। जिसके कारण उसे बोतल से दूध पिलाना पड़ता है।

महिला ने रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी पर बनाया धर्म बदलने का दबाव, भगवान को लेकर कही अभद्र बातें

छिंदवाड़ा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव में रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी ने पड़ोसी महिला पर ईसाई बनने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। उसकी शिकायत पर पुलिस ने जांच के आधार पर धर्मांतरण की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, किशोर सिंह पिता हुलकर सिंह उम्र 80 वर्ष पंचशील कॉलोनी जुन्नारदेव में रहते हैं। उन्होंने पिछले दिनों जुन्नारदेव पुलिस से शिकायत की थी कि वे पहले रेलवे विभाग में शासकीय नौकरी करते थे। उनके घर में उनकी पत्नी मंगला और बेटा रविंद्र बहू अनिता रहते हैं। पिछले दिनों उनके बेटे और बहू परासिया इलाज कराने निकले थे, तब उनकी पत्नी मंगला रिश्तेदारी में एक पार्टी में अंबाड़ा चली गई थी। घर में वह अकेले थे। इस दौरान नीतू बुनकर पंचशील कॉलोनी, उनके घर के पहले वाले कमरे में सोफे पर आकर बैठ गई। उस समय उनके घर के आसपास रहने वाले जीत सिंह राजपूत, उनकी माता शशि राजपूत, बबी शर्मा और संध्या सोनी भी वहां मौजूद थे। नीतू बुनकर ने उन्हें बोलना शुरू किया कि 'प्रार्थना करो', तब उन्होंने कहा कि हम लोग हिंदू धर्म को मानते हैं, हम अपने भगवान की पूजा करते हैं और उनकी ही प्रार्थना करते हैं। इसके जवाब में नीतू बुनकर ने भगवान को लेकर अशोभनीय टिप्पणी की जिसे सुनकर सभी को बुरा लगा, क्योंकि वह उनके हिंदू धर्म का अपमान कर रही थी, जिससे उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची। उन्होंने उसे हिंदू धर्म का अपमान करने से मना किया तो उसने कहा कि तुम ईसाई धर्म को अपना लो, जिससे तुम्हारी सभी प्रार्थनाएं पूरी होने लगेंगी। जब वह जबरदस्ती अपने ईसाई धर्म का लाभ बताकर हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में परिवर्तन करने का दबाव डालने लगी, तब सभी ने उसे यह सब बोलने से मना किया और वह वहां से उठकर चली गई। सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी की शिकायत पर पुलिस ने आरोप के खिलाफ धाराएं 299 बीएनएस और 3, 5 मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर लिया।

गुरुग्राम के पूर्व पुलिस कमिश्नर ने जज के खिलाफ क्यों दायर किया मानहानि का मुकदमा? 1 करोड़ का हर्जाना भी मांगा

गुरुग्राम, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व गुरुग्राम पुलिस कमिश्नर कृष्ण कुमार राव ने एक जज के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है, जिसमें 1 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा गया है। यह कानूनी कार्रवाई एक न्यायिक आदेश में उनके खिलाफ की गई प्रतिकूल टिप्पणियों के बाद आई है। सोमवार को अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीजन) विक्रमजीत सिंह की अदालत में मुकदमा दायर किया गया और उसी दिन सुनवाई हुई। अदालत ने 21 नवंबर को मामले पर फिर से सुनवाई करने का फैसला किया। इस मुकदमे का उद्देश्य मुआवजा हासिल करना और प्रतिवादी द्वारा आगे मानहानि को रोकना है। अदालत के आदेश में कहा गया है कि मामले की स्थिरता का आंकलन करने के लिए 21 नवंबर, 2024 को इस मामले की समीक्षा की जाएगी। कृष्ण कुमार राव की कानूनी कार्रवाई अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत द्वारा फरवरी 2022 में की गई टिप्पणियों के बाद की आई है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के अनुसार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत ने फरवरी 2022 में पारित एक आदेश में करोड़ों रुपये की डकैती के सिलसिले में गुरुग्राम पुलिस के पूर्व डिप्टी कमिश्नर धीरज सेतिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

राव का तर्क है कि न्यायाधीश की टिप्पणियां अटकलें थीं और उनमें न्यायिक आधार का अभाव था। उनका तर्क है कि उनकी कथित अनभिज्ञता के बारे में टिप्पणियां व्यक्तिगत थीं और जमानत के निर्णय से संबंधित नहीं थीं। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि ये टिप्पणियां न्यायाधीश संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित नहीं हैं क्योंकि वे आधिकारिक कर्तव्यों से संबंधित नहीं हैं।

चोरी की घटना

यह घटना 4 अगस्त, 2021 को हुई थी, जब गैंगस्टर लगरपुरिया के सहयोगियों ने एक निजी कंपनी के कार्यालय स्थान में घुसकर नकदी की करोड़ों रुपये की चोरी की थी। एक विशेष कार्य बल ने चोरी की गई राशि का अनुमान 30-40 करोड़ रुपये लगाया था। प्रमुख संदिग्ध, डॉ। सचिंदर जैन नवल ने आरोप लगाया कि उन्होंने सेतिया को मामले को दबाने के लिए 2.5 करोड़ रुपये सोना, नकदी और अमेरिकी डॉलर में रिश्वत दी थी। नवल ने दावा किया कि सेतिया ने अधिकांश रिश्वत वापस कर दी लेकिन कुछ डॉलर रखे, यह दावा करते हुए कि मामला उनके नियंत्रण से बाहर था। इन आरोपों ने एक पहले से ही जटिल जांच को और अधिक जटिल बना दिया है जिसमें उच्च प्रोफ़ाइल के लोग और बड़ी मात्रा में धन शामिल है।

लॉरेंस बिश्नोई की ऑनलाइन गेमिंग ऐप में एंट्री साबरमती जेल में रहकर दुबई से चलाता है धंधा

साबरमती, 19 सितंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप में एंट्री की है। उसका ऐप दुबई से ऑपरेट होता है। लॉरेंस एक कंपनी की तर्ज पर गेंमिंग ऐप का धंधा चलाता है। ऐप के संचालन के लिए बिश्नोई के करीबियों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई हैं। लॉरेंस ऐप के प्रमोशन से लेकर संचालन तक साबरमती जेल से ही नजर रखता है। दुबई में सेटल दिल्ली का एक कारोबारी बिश्नोई के इशारे पर ये ऐप चलाता है। इस कारोबारी की पंजाब के कई सिंगर्स में अच्छी पेंठ है।

महादेव बेटिंग ऐप से लॉरेंस बिश्नोई को गेमिंग ऐप चलाने का आइडिया आया। महादेव ऐप के संचालकों से भी लॉरेंस बिश्नोई ने उगाही की कोशिश की थी। अपराध से कमाई गई करोड़ों की रकम लॉरेंस बिश्नोई ने गेमिंग ऐप में इन्वेस्ट की है। लॉरेंस बिश्नोई के ऐप को ईडी द्वारा गिरफ्तार आरोपी दिनेश ने किया है। दिनेश लॉरेंस बिश्नोई के साथ साबरमती जेल में बंद है। ऐप को प्रमोट करने की जिम्मेदारी गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा को दी गई थी।

ये ऐप तीन महीने से दुबई से ऑपरेट हो रही है। भारत की जांच एजेंसियों ने बिश्नोई की गेमिंग ऐप की जांच भी शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक पंजाब के कुछ सिंगर भी दुबई में सेटल हैं और वे लॉरेंस बिश्नोई के बेहद नजदीक है। ऐसे में शक जताया जा रहा है कि कहीं ये सिंगर अपने कंसर्ट से कमाए करोड़ो रुपये भी इस ऐप में तो निवेश नहीं कर रहे हैं। देश की तमाम एजेंसियों को यह अच्छी तरह पता है कि लॉरेंस की क्राइम कंपनी के पास फंड्स की कमी नहीं है। हर महीने ड्रग्स की खरीद फरोख्त, जबरन वसूली, टोल प्लाजा मालिकों से वसूली, शराब कारोबारी, बड़े बिल्डर्स, बिजनेसमैन यहा तक विदेश में सेटल भारतीय मूल के बड़े जैवलर-कारोबारियों से भी हर महीने करोड़ो की वसूली लॉरेंस-गोल्डी का सिंडिकेट मिलकर कर रहा है। ऐसे में लॉरेंस ने दाऊद इब्राहिम की तर्ज पर अपना बिजनेस एम्पायर खड़ा करने के लिए यह पहला अटेंप्ट किया है।

आदित्य ठाकरे को हराने के लिए राज ठाकरे की पार्टी ने कसी कमर, वर्ली सीट पर रणनीति

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनए) ने वर्ली विधानसभा के लिए रणनीति बनाना शुरू कर दी है। अगले शनिवार को एमएनएस ने 'वर्ली विजन' नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया है। वर्ली की जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर इसे पेश किया जाएगा। माना जा रहा है कि वर्ली विधानसभा के लिए मनसे हाईटेक घोषणा पत्र पेश करने वाली है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन राज ठाकरे करेंगे। दरअसल, वर्ली में शिवसेवा-यूबीटी बनाम एमएनएस की सीधी लड़ाई होने वाली है। यह उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे की सीट है। 2006 में राज ठाकरे ने खुद की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना पार्टी बनाई उस वक्त से लेकर आज तक यानी 18 साल से यह राज्य दोनों भाइयों की लड़ाई देख रहा है। मराठी मानुष का मुद्दा हो या फिर हिंदुत्व का राज और उद्धव की पार्टी का एक ही अजेंडा रहा है। इसका मतलब साफ है कि दोनों पार्टियों के वोटरों की भी विचारधारा एक ही है। आने वाली विधानसभा चुनाव में वोटरों का बंटना तय है। लेकिन दोनों भाइयों की लड़ाई में फायदा किसे होगा? महाविकास अघाड़ी या महायुति?

दोनों ठाकरे में कौन ताकतवर?

उद्धव ठाकरे के पार्टी का जन्म 1966 में हुआ और राज ठाकरे की एमएनएस की शुरुआत 2006 में हुई। 2009 में राज ठाकरे पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़े उस समय ठाकरे के 13 विधायक जीत कर आए थे। इसी चुनाव में उद्धव ठाकरे के 44 विधायक जीते थे। 2014 और 2019 राज ठाकरे की पार्टी के एक-एक विधायक चुनकर आए थे। उसकी तुलना मे उद्धव ठाकरे के 2014 में 63 और 2019 में 56 विधायक जीतकर आए थे।

2009 से 2019 तक उद्धव ठाकरे बीजेपी के साथ गठबंधन में थे और राज ठाकरे शुरुआत से अकेले के दम पर लड़ते आए हैं। 2014 के बाद राज ठाकरे सिर्फ वोट कांटने का काम करते आए हैं और इसका फायदा बाकी पार्टियों को होता रहा है। एमएनएस ने लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी को समर्थन का ऐलान किया था लेकिन विधानसभा राज ठाकरे बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले हैं। हालांकि बीजेपी और सीएम शिंदे से दोस्ती का हाथ मिलाने की भी संभावना है क्योंकि अगर राज ठाकरे खुद क बल पर लड़ते हैं तो मराठी वोटों में बंटवारा हो सकता है। यह टालने के लिए शिंदे और फडणवीस राज ठाकरे को मना सकते हैं।

कंगना रनौत की 'इमरजेंसी' के रिलीज पर जल्द हो फैसला

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीएफसी को लगाई फटकार

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट में आज फिल्म अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत की नवीनतम फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को लेकर कोई फैसला नहीं हो सका लेकिन हाई कोर्ट ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने सीबीएफसी को 25 सितंबर तक इमरजेंसी के सर्टिफिकेट को लेकर फैसला करने को कहा है। कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अव्यवस्था की आशंका की वजह से किसी की रचनात्मक स्वतंत्रता को रोक कर नहीं रखा जा सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में किसी प्रकार का अंकुश नहीं लगाया जाना चाहिए। बोर्ड सिर्फ इसलिए किसी फिल्म को सर्टिफिकेट देने से इनकार नहीं कर सकता कि उससे कानून व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। कोर्ट ने ये भी कहा बिना पूरी फिल्म देखे ये कैसे कहा जा सकता है कि उससे अव्यवस्था फैल सकती है।

सीबीएफसी के रुख पर कोर्ट की नाराजगी

जस्टिस बी पी कोलाबावाला और जस्टिस फिरदोश पूनीवाला की खंडपीठ ने सीबीएफसी से यह भी पूछा कि क्या उसे यह लगता है कि इस देश के लोग इतने भोले हैं कि फिल्म में दिखाई गई हर बात पर विश्वास कर लेते हैं। कोर्ट ने सख्त लहजे में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के इस रवैये को लेकर नाराजगी जाहिर की और कहा कि 25 सितंबर तक फिल्म को सर्टिफिकेट जारी करने के संबंध में फैसला ले लिया जाए।

सत्तारूढ़ दल अपने सांसद के खिलाफ है?- कोर्ट

हालांकि बोर्ड की तरफ से ये कहा कि फिल्म के प्रभाव को लेकर अभी मूल्यांकन बाकी है। इसी दौरान कोर्ट में जब याचिकाकर्ता की ओर से यह कहा गया कि सीबीएफसी राजनीतिक कारणों से फिल्म को प्रमाणपत्र जारी करने में देरी कर रहा है। इस पर कोर्ट ने कहा- यह ताज्जुब है कि फिल्म की प्रोड्यूसर खुद बीजेपी सांसद हैं, तो क्या सत्तारूढ़ पार्टी खुद अपने ही सांसद के खिलाफ है?

सिख समुदाय ने फिल्म पर जताई आपत्ति

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज की ओर से इमरजेंसी फिल्म को जल्द सर्टिफिकेट जारी करने को लेकर एक याचिका लगाई गई थी। ज़ी एंटरटेनमेंट ने अपनी याचिका में दावा किया है कि सीबीएफसी ने फिल्म का प्रमाणपत्र पहले ही बना लिया था लेकिन जारी नहीं किया। इमरजेंसी में कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन किया और सह-निर्मात्री भी हैं। कंगना ने ओर से भी आरोप लगाया गया था कि उनकी महत्वाकांक्षी फिल्म को जानबूझ कर रोका गया है। यह फिल्म पहले 6 सितंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन शिरोमणि अकाली दल सहित सिख संगठनों की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद विवादों में फंस गई।

रिटायर्ड आईएएस अफसर के लॉकर से मिला 20 करोड़ का डायमंड, गोल्ड और कैश, दर्जन भर ठिकानों पर ईडी की रेड

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली, मेरठ, नोएडा और चंडीगढ़ सहित देश की दर्जन भर ठिकानों पर गुरुवार सुबह से ईडी की रेड जारी है। छापेमारी के दौरान ईडी की अधिकारियों ने एक रिटायर्ड आईएएस अफसर और नोएडा अथॉरिटी के पूर्व सीईओ के घर से करोड़ों रुपये की डायमंड, गोल्ड, कैश और दस्तावेज बरामद किए हैं। इसमें एक पांच करोड़ का डायमंड भी शामिल है। सूत्रों के मुताबिक लोटस 300 हाउसिंग प्रोजेक्ट के खिलाफ ईडी ने ये कार्रवाई की है। ईडी ने रिटायर्ड आईएएस एवं नोएडा अथॉरिटी के पूर्व सीएओ रहे मोहिंदर सिंह के चंडीगढ़ स्थित आवास पर छापेमारी की है। रेड में करीब एक करोड़ रुपये कैश, 12 करोड़ रुपये की डायमंड ज्वेलरी, सात करोड़ रुपये कीमत के सोने के जेवरात और केस से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। बता दें कि ईडी ने जिस मामले में कार्रवाई की है वह 300 करोड़ रुपये के घोटाले से संबंधित है। इस मामले में ईडी ने मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया था। इसके तार पूर्व सीएम मायावती सरकार के दौरान हुए नौ हजार करोड़ रुपये के भूमि घोटाले से भी जुड़े हैं। उस समय भूमि आवंटन का इस्तेमाल अफसरों और राजनेताओं ने निजी लाभ के लिए किया था। यह नोएडा प्राधिकरण की भूमि आवंटन के लिए कुख्यात 10 प्रतिशत नीति पर आधारित है। रिटायर्ड आईएएस मोहिंदर सिंह पर आम्रपाली और सुपरटेक सहित कई बड़ी रियल एस्टेट कंपनियों की मदद करने का आरोप है। आरोप है कि डेवलपर्स ने जमीन को औने-पौने दामों पर खरीद लिया, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएओ) ने बताया है कि नोएडा प्राधिकरण ने 2005 से 2018 के बीच बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की, जिससे सरकार को हजारों करोड़ का नुकसान हुआ।

पाकिस्तान से आई 10 किलो हेरोइन पकड़ी: अमृतसर पुलिस ने सरहदी गांवों से बरामद की नशे की खेप, ड्रोन भी मिले

चंडीगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में सीमा पार (पाकिस्तान) से बड़ी मात्रा में ड्रग्स की सप्लाई का सिलसिला रुक नहीं रहा है। हालांकि पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पाक की नापाक हरकत को एक के बाद एक करके नाकाम कर रही हैं। पाकिस्तान से नशा तस्कर हवाई रास्ते (ड्रोन) नशे की बड़ी खेप बॉर्डर पर पहुंचा रहे हैं। पंजाब पुलिस ने शाम को भारत-पाक बॉर्डर पर सीमा पार से भेजी गई नशे की खेप बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने सरहदी गांव कामस्के और गांव मंज में चलाए गए दो अलग-अलग ऑपरेशनों के दौरान 10 किलो हेरोइन जब्त की है। वहीं पुलिस को ड्रोन भी मिले हैं। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की है।

बिहार के सिंघम आईपीएस शिवदीप लांडे ने अपने पद से दिया इस्तीफा, अब क्या होगी नई पारी?

पूर्णिया, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया रेंज के आईजी शिवदीप बामन राव लांडे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से अपने इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि 18 वर्ष में सरकारी पद पर अपनी सेवा करने के बाद आज मैं इस पद से इस्तीफा दे रहा हूं। इन वर्षों में मैं बिहार को खुद से और अपने परिवार से भी ऊपर माना। अगर मेरे बतौर सरकारी सेवक के कार्यकाल में कोई त्रुटि हुई हो तो इसके लिए क्षमा प्रार्थी हूं। उन्होंने आगे लिखा कि आज मैं भारतीय पुलिस सर्विस से त्यागपत्र दिया हूं, लेकिन मैं बिहार में ही रहूंगा और बिहार मेरी कर्मभूमि रहेगी। कुछ दिन पूर्व ही शिवदीप लांडे को पूर्णिया प्रक्षेत्र का आईजी नियुक्त किया गया था। बताया जाता है कि बतौर एसपी के रूप में वे पूर्णियां, अररिया और मुंगेर में अपनी सेवा दे चुके हैं। किशनगंज और कटिहार के भी प्रभारी एसपी रह चुके हैं। बताया जाता है कि जब शिवदीप लांडे इन जिलों में एसपी थे तो अपराधी जिला छोड़कर भाग खड़े हुए थे। इन जगहों से अपराधियों के नमो निशान मिट गए थे। वहीं सूत्र बताते हैं कि शिवदीप लांडे बिहार में खुलकर काम नहीं कर पा रहे थे। यही वजह है कि वे कुछ सालों तक केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे। महाराष्ट्र पुलिस में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस एंटी नारकोटिक्स सेल एवं क्राइम ब्रांच में तैनात थे। मुंबई में भी उन्होंने अपराधियों के छक्के छुड़ा दिए थे। वहीं समय अवधि खत्म होने के बाद पुनः वे बिहार आ गए थे और सहरसा रेंज के डीआईजी बनाए गए थे। वहीं 10 दिन पूर्व ही उन्हें पूर्णियां प्रक्षेत्र का आईजी बनाया गया था। अचानक उनके इस्तीफे से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। शिवदीप लांडे 2006 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वे मूल रूप से महाराष्ट्र के अकोला जिले के परसा गांव के निवासी हैं। वे एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। कभी-कभी छुट्टी में उन्हें अपने गांव में खेती करते भी देखा जाता था।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 20 सितंबर- 2024

कश्मीर में नई सुबह

अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। बुधवार को सात जिलों की 24 विधानसभा सीटों पर हुए पहले चरण की वोटिंग के आधार पर कहा जा सकता है कि यह चुनाव कई मायनों में ऐतिहासिक रहा है। शांतितपूर्ण मतदान और लोगों की जबर्दस्त भागीदारी की दृष्टि से ये चुनाव कई तरह की धारणाओं को बदलने में कामयाब कहा जा सकता है। शांति पूर्ण और अधिक मतदान की वजह से उन बाहरी शक्तियों की बोलती बंद हो गई है जो कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जहर उगलते रहते हैं। बता दें कि पिछले एक दशक में यह पहला विधानसभा चुनाव है। ये दस साल जम्मू-कश्मीर के लिए इस मायने में भी खास रहे कि इस दौरान न केवल संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत उसे हासिल विशेष दर्जा समाप्त कर दिया गया बल्कि वह राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में तब्दील हो गया। स्वाभाविक रूप से इन बड़े कदमों से वहां के लोगों की राय बंटी हुई है और कुछ हलकों में इसे लेकर गहरा असंतोष भी है तो कुछ लोग इस कदम का मुक्तकंठ से प्रशंसा भी कर रहे हैं। मजेदार बात यह है कि इस असंतोष ने भी लोगों को चुनाव प्रक्रिया से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। इन चुनावों में अनुच्छेद 370 की वापसी और राज्य का दर्जा वापस करने जैसे प्रमुख मुद्दे भी उछाले गए हैं। रोजगार एक और बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। लेकिन लोगों की इन भावनाओं को देश के अन्य हिस्सों में मतदाताओं की आकांक्षाओं और उनके असंतोष से अलग नहीं कहा जा सकता। पिछले तीन-चार दशकों के अनुभव रखने वाले बताते हैं कि इस बार मतदाताओं की लंबी लाइनों को देख कर दशक का सबसे बड़ा फर्क माना जा रहा है। चुनावों के बहिष्कार की अपीलों, धमकियों और चेतावनियों के बीच लोगों के ऐसे ही असंतोष अलगाववाद और उग्रवाद के समर्थन में इस्तेमाल कर लिए जाते थे। इस बार मतदाताओं की लंबी कतारों ने ऐसी गुंजाइश को खत्म कर दिया कि बहुत हो चुका, अब हम किसी के बहकावे में आने वाले नहीं है। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव के वोटिंग आंकड़ों का पीछे छूटना बेहद अहम है। लोकसभा चुनावों में 58.46 फीसदी वोटिंग हुई थी जो पिछले 35 साल का रेकॉर्ड था। सबसे बड़ी बात यह कि चुनाव का पहला चरण पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। इसका श्रेय पूरी तरह से सुरक्षा बलों और प्रशासनिक तंत्र को दिया जाना चाहिए,जो पलक झपकाए बगैर अपनी ड्यूटी पर तैनात रहे। जहां तक बात आतंकवाद के आकाओं की है तो उनकी तरफ से तो इन चुनावों को बाधित करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी गई थी। चुनाव की घोषणा होने के बाद न केवल सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ीं बल्कि आतंकी हमलों के भी काफी प्रयास किए गए। मगर लोगों ने ठान लिया था कि अब आतंकी तत्वों की एक नहीं सुनी जाएगीष नतीजतन आम लोगों की सोच बदलने में आतंकी कामयाब नहीं हो सके। यह चुनाव जम्मू-कश्मीर की आतंकवाद से मुक्ति का निर्णायक बिंदु साबित हो जाए तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, जो बहुत ही शुभ संयोग माना जाएगा।

क्या इससे बदल जाएंगे युद्ध के तरीके

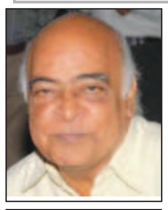

अशोक भाटिया

लेबनान में सीरियल पेजर व वॉकी - टॉकी अटैक दुनिया में हमले का नया तरीका बताया जा रहा है । फ़िलहाल इस तरीके के हमलों के लिए कई देश तैयार नहीं है , भारत तो बिलकुल नहीं । लिहाजा , भारत की सुरक्षा एजेंसियां भी चौकन्ना हो गई है । एक्सपर्ट का कहना है कि पेजर व वॉकी - टॉकी अटैक से युद्ध के तरीके बदल सकते है । एक्सपर्ट का कहना है कि पेजर व वॉकी – टॉकी इस्तेमाल करने वाले टारगेट पहचान करने के लिए इनकी इलेक्ट्रोनिक सर्विलांस की गई हो गई सकती है ।

एक्सपर्ट के अनुसार अब ऐतिहासिक रूप से इस बात को मान लिया गया है कि जब भी युद्ध होता है, तो उसकी प्रकृति एक तरह की रहती है, उसमें कोई परिवर्तन नहीं होता है, यानी युद्ध में विरोधी को अपने मन मुताबिक़ झुकाने के लिए हिंसा का सहारा लिया जाता है। इसके साथ ही यह भी कहा जाता रहा है कि टेक्नोलॉजी, संगठन, राजनीति और संस्कृति के साथ-साथ युद्ध का स्वरूप बदल जाता है। लेकिन अब यह धारणा बदल चुकी है। देखा जाए तो पिछले एक दशक में युद्ध का तरीक़ा पूरी तरह से बदल गया है। युद्ध में अब ऐसी युक्तियों का उपयोग होता है, जिनमें न तो संपर्क की ज़रूरत होती है और न ही बहुत भाग-दौड़ की। इसके साथ ही युद्ध क्षेत्र का स्थान के लिहाज़ से अस्थाई रूप से विस्तार हुआ है। आज युद्ध और शांति की परिभाषित अवधियों को एक ऐसी निरंतर होने वाली प्रतिस्पर्धा से बदल दिया गया है, जिसमें सशस्त्र संघर्ष के स्थान पर दुश्मन को अन्य तरीक़ों से घेरने और मात देने की रणनीतियों का इस्तेमाल किया जाता है। कहा जा सकता है कि इस तरह के युद्ध का लक्ष्य विरोधी का विनाश करने का कम और उसके रास्ते में तरह-तरह के अवरोध पैदा करने का ज़्यादा होता है। युद्ध के स्वरूप में इस बदलाव के लिए दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियां, जो सस्ती और दूर तक फैली हुई हैं, काफ़ी अहम रही हैं। इस बदले हुए परिवेश में भारतीय सशस्त्र बलों के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग में सक्षम कमांडरों को तैयार करना अनिवार्य हो गया है। यानी ऐसे सैन्य कमांडरों को तैयार करना, जो न सिर्फ़ नई-नई टेक्नोलॉजी के बारे में गहरी समझ रखते हों, बल्कि जिनके पास विरोधियों के विरुद्ध नए-नए तीरक़ों से इन तक़नीकों का उपयोग करने के लिए रचनात्मक सोच और काबीलियत भी हो। समय के साथ-साथ युद्ध में आने वाले परिवर्तन को वर्गीकृत करने की कोशिश करने वाले सिद्धांतकार, युद्ध की 'जेनरेशन्स या पीढ़ी' का उल्लेख करते हैं। पहली पीढ़ी के युद्धों में यानी शुरूआती काल के युद्धों में बड़े पैमाने पर जनशक्ति और लाइन-ऑफ़-कॉलम, अर्थात एक ही दिशा में हमला करने की रणनीति पर ज़ोर दिया गया। दूसरी जेनरेशन के युद्ध में मशीन गन और परोक्ष गोलीबारी की रणनीति थी, तीसरे जेनरेशन के युद्धों में छल-कपट, पैंतरेबाज़ी और साझा हथियारों की जंग का बोलबाला था, जबकि चौथी पीढ़ी में नॉन-स्टेट दुश्मन शामिल थे। वर्तमान पांचवीं जेनरेशन के युद्ध की विशेषता नॉन-काइनेटिक कार्रवाई यानी कि जानलेवा सैन्य कार्रवाइयों की जगह पर गलत सूचनाओं का प्रसार, साइबर-हमले और सोशल इंजीनियरिंग के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और ऑटोनॉमस प्रणालियों का उपयोग है। पिछले कई वर्षों में हुई कई घटनाओं ने यह भी दिखाया है कि युद्ध लड़ने और राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति के बीच संबंध बेहद कमज़ोर हो गया है। जब तक राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने की इच्छाशक्ति मज़बूत नहीं हो, तब तक विरोधी की युद्ध लड़ने की ताक़त को कमज़ोर करना या दुश्मन के इलाक़े में कब्जा करने जैसे सैन्य उद्देश्यों को हासिल करना संभव नहीं हो सकता है।'जेनरेशन या पीढ़ी' शब्द की उत्पत्ति के पीछे एक अंतर्निहित धारणा है, जिसके अनुसार प्रत्येक नई पीढ़ी का युद्ध, हमले के पिछले तरीक़ों और तक़नीकों को छोड़कर आगे बढ़ जाता है। हालांकि, पिछले दशक की घटनाओं ने दिखाया है कि ये पीढ़ियां एक-दूसरे का ख़ून बहाती हैं। आर्मेनिया-अज़रबैजान युद्ध, ऑपरेशन इराक़ी फ्रीडम , ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम और वर्तमान में जारी रूस-यूक्रेन संघर्ष ने इस नज़रिए को मज़बूती प्रदान की है। दुश्मन को कमज़ोर करने वाले युद्ध ने आतंकवादी रोधी अभियानों, मानव रहित प्रणालियों और कॉम्बैट बायोमेट्रिक्स जैसी प्रौद्योगिकियों के उपयोग एवं साइबर हमलों व दुष्प्रचार के साथ मिलकर एक अराजकतापूर्ण 'युद्धक्षेत्र' बनाने का काम किया है। पिछले कई वर्षों में हुई कई घटनाओं ने यह भी दिखाया है कि युद्ध लड़ने और राजनीतिक उद्देश्यों की प्राप्ति के बीच संबंध बेहद कमज़ोर हो गया है। जब तक राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने की इच्छाशक्ति मज़बूत नहीं हो, तब तक विरोधी की युद्ध लड़ने की ताक़त को कमज़ोर करना या दुश्मन के इलाक़े में कब्जा करने जैसे सैन्य उद्देश्यों को हासिल करना संभव नहीं हो सकता है। कहने का तात्पर्य यह है कि सहयोग और संघर्ष का चोली-दामन का साथ है, यानी इन्हें अलग नहीं किया जा सकता है। अमेरिका एवं चीन, भारत एवं चीन और दूसरे अन्य जोड़ीदारों का मामला इस विचार को पुख्ता करने का काम करता है।

इसके फलस्वरूप युद्ध संचालति करने के दो समानांतर तरीक़ों की परिकल्पना की जा रही है, पहला नॉन-कॉन्टैक्ट और दूसरा नॉन-काइनेटिक युद्ध। गैर-संपर्क यानी नॉन-कॉन्टैक्ट वाले युद्ध में लंबी दूरी तक निशाना साधने वाले हथियार, जैसे कि रॉकेट और मिसाइल, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम, मानव रहित एरियल सिस्टम और साइबर अटैक आदि शामिल हैं, जबकि नॉन-काइनेटिक युद्ध संचालन में सोशल मीडिया के ज़रिए दुष्प्रचार करना, एक्सपोर्ट पर नियंत्रण, प्रोपेगंडा फैलाना और साइबर अटैक जैसी युक्तियां शामिल हैं। युद्ध के ये सभी तरीक़े ऐसे हैं, जिनमें प्रौद्योगिकी का उपयोग आवश्यक है। ये सभी विशेष रूप से डेटा के संग्रह, उसके मिलान एवं विश्लेषण, विकसित सेमीकंडक्टर्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन पर आधारित हैं। दरअसल, लड़ाई अब फिजिकल डोमेन के कहीं आगे बढ़कर संरचनात्मक क्षेत्र तक पहुंच गई है। अब युद्ध में देशों की प्रक्रिया संबंधी कमज़ोरियों को निशाना बनाते हुए, उनके राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में दख़ल समेत देश के भीतर पड़ी दरारों का फायदा उठाते हुए सरकार एवं नागरिकों के बीच अविश्वास को बढ़ावा दिया जाता है। ज़ाहिर है कि इस तरह की नए दौर की लड़ाई का सामना करने के लिए ऐसे सैन्य कमांडरों की आवश्यकता होती है, जो प्रौद्योगिकी की जानकारी से लैस हों और जो यह पहचान सकें कि भविष्य की चुनौतियों का मुक़ाबला हमेशा पुराने हथकंडों का इस्तेमाल करके नहीं किया जा सकता है। इन कमांडरों के पास सक्षम जूनियर अफ़सरों को तैयार करने और नवीनतम तक़नीकों की गहरी समझ-बूझ के आधार पर नए-नए युद्ध समाधान विकसित करने के लिए मानसिक योग्यता और क्षमता होनी चाहिए। ज़ाहिर है कि इसके लिए सैन्य नेतृत्व के भीतर सैद्धांतिक, संगठनात्मक और सबसे महत्त्वपूर्ण, संज्ञानात्मक बदलाव शामिल करने होंगे।

युद्ध अब ग्रे-ज़ोन ऑपरेशन्स, , मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स , और न्यू जेनरेशन वारफेयर को कवर करने के लिए विस्तारित हो गया है। , तक़नीकी नवाचारों के प्रभावी उपयोग के ज़रिए फोकस गैर-संपर्क और नॉन-काइनेटिक साधनों को तैनात करने पर है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अपने विरोधी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाए दुश्मन पक्ष अपनी सामाजिक और संगठनात्मक कमज़ोरियों में ही उलझा रहे है।संदर्भ यह है कि भारत संभावित रूप से दो ऐसे कपटी, धूर्त और चालाक किस्म के पड़ोसी देशों से घिरा हुआ है, जो संशोधनवादी प्रवृत्ति के हैं। आज ज़्यादातर सैन्य ख़तरे प्रौद्योगिकियों की वजह से ही हैं, जैसे कि AI और साइबर अटैक जैसे आंकड़ों की प्रमुखता वाली तक़नीक के ख़तरे, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम का हेरफेर, लंबी और छोटी दूरी वाली मिसाइलें एवं मानव रहित प्रणालियां, अंतरिक्ष आधारित इंटेलिजेंस, निगरानी और जासूसी प्रणालियां । सेना में ऐसे प्रशिक्षित और योग्य सैन्य कर्मियों को विभिन्न रैंकों पर नियुक्त करना कभी भी अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं रहा है, जिनके पास न केवल उभरती हुई और ख़ास तरह की प्रौद्योगिकियों की समझ हो, बल्कि विरोधियों का सामना करने के लिए नए-नए समाधानों के लिए उन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की रचनात्मक काबीलियत भी हो। इसके अलावा, भारतीय सशस्त्र बलों के भीतर संरचनात्मक बदलावों की भी सख़्त ज़रूरत है, ताकि अफ़सरों को वर्तमान में चल रहे विवादों और भविष्य के युद्धों के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया जा सके। यह विशेष रूप से अहम है कि उभरती हुई प्रौद्योगिकियों की प्रकृति इन तक़नीकी नवाचारों का लाभ उठाने के लिए फ्लैट, विकेंद्रीकृत और मॉड्यूलर संगठनों को सबसे अच्छी स्थिति में रखती है। ज़ाहिर है कि भविष्य के युद्धों का सफल संचालन तीव्र संचार, तत्काल निर्णय लेने, सैन्य बलों को भौतिक रूप से एकत्र किए बगैर मारक क्षमता का बेहतर इस्तेमाल, नॉन-काइनेटिक सैन्य उपकरणों के उपयोग और लक्ष्य पर सटीक निशाना साधने की क्षमता पर निर्भर करेगा। इन सभी विशेषताओं के लिए एक अपेक्षाकृत फ्लैट ऑर्गेनाइजेशन की ज़रूरत होती है, जहां हर जेनरेशन के लोग मौज़ूद होते हैं और किसी भी तरह का निर्णय लेने में एवं समय सीमा के भीतर संदेश के त्वरित संचार में कोई अड़चन नहीं होती है। यानी एक ऐसा संगठन जो मॉड्युलर और स्वायत्त भी होता है।

क्रिएटर ने बहुत हसीन चीज बनाई है औरत : एम एफ़ हुसैन

श्रवण गर्ग

भगवान विट्ठल(कृष्ण)और रुक्मिणी के पवित्र तीर्थस्थल पंढरपुर(जिसे दक्षिण काशी भी कहते हैं) में 1915 में जन्म लेकर ईसाइयों के मुल्क इंग्लैंड के शहर लंदन में अंतिम सांस लेने वाले हुसैन साहब 95 साल की उम्र तक हमारे बीच उपस्थित रहे। उनकी इतनी लंबी और शानदार ज़िंदगी में कई पड़ाव आए। जिस एक पड़ाव को हम सबसे ज़्यादा खूबसूरत मान सकते हैं वह उस वक्त आया जब वे अस्सी साल के होने जा रहे थे। यह पड़ाव अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का उनकी पेंटिंग्स के रंगों में प्रवेश करने का था। 'हम आपके हैं कौन' फ़िल्म 1994 में रिलीज़ हुई थी। उसके पहले माधुरी की कई बड़ी और सफल फ़िल्में आ चुकीं थीं पर इस एक फ़िल्म ने जैसे हुसैन साहब पर कोई जादू-टोना कर दिया था। उन्होंने न जाने कितनी बार यह फ़िल्म देखी होगी ! बातचीत में कहा भी : ''हम आपके हैं कौन' कोई क्लासिक फ़िल्म नहीं थी मगर पॉपुलर फ़िल्म की सुपर स्टार वाली बात माधुरी में थी।'' मुंबई यात्रा के दौरान जब हुसैन साहब से मुलाक़ात हुई वे एक स्टूडियो में 'गजगामिनी' की एडिटिंग के काम में लगे हुए थे। बातचीत के दौरान हुसैन साहब ने फ़िल्म की एक-एक फ्रेम का बखान ऐसे किया जैसे वे 'गजगामिनी' में माधुरी के ह्यूमन फॉर्म की रंगों और रेखाओं में व्यक्त की गई बारीकियों को समझा रहे हों। वे माधुरी में स्त्री के कई रूपों का दर्शन करने लगे थे।

बातचीत की दूसरी किश्त में मैंने लिखा था कि माधुरी से मिलने के बाद जो आत्मकथा वे लिख रहे थे वह पाँच-छह साल पीछे चली गई।अस्सी साल की उम्र में भी ज़िंदगी को जुनून के साथ जीने की कितनी उत्कंठा उनमें थी समझा जा सकता है।

पढ़िए हुसैन साहब के साथ कोई पच्चीस साल पहले हुई लंबी बातचीत की तीसरी और आख़िरी किश्त :

''मैंने माधुरी को लेकर जब 'गजगामिनी' बनाने का फ़ैसला किया तो लोगों ने मुझसे कहा 'टिंसेल टाउन' क्यों जा रहे हैं ? मगर यह मेरा एक मिशन था। मैंने माधुरी को फ़िल्म में काम करने के लिये तैयार किया। किसी अच्छी चीज से अट्रैक्ट होना बुरी बात नहीं है। माधुरी कमाल की हसीन हैं। अगर आप यह बात मुँह से नहीं कहते तो आप अपने आपको और दूसरों को धोखा देते हैं। माधुरी और मैंने मिलकर 'माधुरी मैकब्यूल'(मक़बूल ?) नाम की कंपनी बनाई। मेरे जिस वर्क में माधुरी होगी, उससे पैसा आएगा।वह पैसा क्रिएटिव वर्क में लगाया जाएगा। हमने सात-आठ महीने में ही एक करोड़ से ज़्यादा जमा कर लिया।

'गजगामिनी' माधुरी की वजह से ही पूरी हो

चित्र : 'गजगामिनी' और हुसैन साहब की आत्मा में बसी 'मां' का रूप

सकी। माधुरी पर बेहद दबाव था कि वह फ़िल्म छोड़ दे। मैंने कहा भी कि मैं फ़िल्म छोड़ देता हूँ या रिमोट तरीक़े से डायरेक्ट करता हूँ। आप कहीं भी मेरा नाम मत दीजिए। मगर माधुरी ने हिम्मत दिखाई। फ़िल्म पूरी हुई। अब मैं 'गजगामिनी' को देश-विदेश की यूनिवर्सिटीज़ में दिखाने का कार्यक्रम बना रहा हूँ। साल 1956 में प्रसिद्ध इतालवी फ़िल्म डायरेक्टर Roberto Rossellini भारत आए थे। उनसे मेरी दोस्ती हो गई थी।मैं उनके साथ रोम गया और वहाँ प्रसिद्ध फ्रांसीसी फ़िल्म मेकर Francois Truffaut से मुलाक़ात हुई। फ़िल्म बनाने के मेरे आइडिए पर Rossellini ने भी मेरा पूरा-पूरा साथ दिया। पेंटिंग इनकम्प्लीट थी। फ़िल्म उसका एक्सटेंशन था। मैं 1936 में बंबई गया था। वालिद का काम छूट गया था, बड़ी मुश्किल थी। मैं फ़िल्म बनाना चाहता था। हाशिये पर पेंटिंग चलती रही। फ़िल्मों के पोस्टर बनाने से लेकर 'गजगामिनी' बनाने तक फ़िल्मों का ऑब्सेशन मुझ पर लगातार हावी रहा। तीन शहर मुझे हमेशा से अट्रैक्ट करते रहे हैं : प्राग (चेकोस्लोवाकिया), जैसलमेर और हैदराबाद। 'दो कदम और सही' इन्हीं तीन शहरों और तीन अलग-अलग औरतों के बारे में फ़िल्म है। फ़िल्म के टाइटिल सांग के मुखड़े से आप फ़िल्म के बारे में अंदाज़ा लगा सकते हैं : **ज़िंदगी हाथ मिला साथ तो चल उम्र भर साथ रही, दो कदम और सही !**

क्रिएटर ने एक बहुत हसीन चीज बनाई है औरत ! स्कल्पचर और पेंटिंग में हज़ारों साल से औरत का ज़िक्र आता रहा है। दरअसल,जब मैं डेढ़ साल का था मेरी मां चल बसी थी।

मां की कमी के कई रूप हैं। मेरे लिए यह एक गहरा इमोशनल ज़ख़्म रहा। साठ-सत्तर साल बाद जब मैं पंढरपुर गया तो मुझे लगा कि मैं जन्मभूमि में नहीं बल्कि मातृभूमि में आया हूँ। मंदिर के अंदर ही मेरा स्वागत किया गया था। मुझे महसूस हुआ मानों मेरे दादाजी ने मेरे वेलकम के लिए बल्ब लगा रखे हैं। दीवारों में मेरी मां छुपी हुई है ! माँ अभी भी 28 साल की ही है मगर बेटा 80 का हो चुका है ! 28 साल की मां 80 साल के बेटे के सामने अधूरी है। मां-अधूरी !

माधुरी के लिए मैंने एक कविता लिखी थी। उसे मैंने 'मां-अधूरी' कहा था !

मुझे पता नहीं मैंने कोई एचीवमेंट किया है ! गीता में जैसा कहा गया है,कर्म पर मेरा विश्वास है ! चाइनीज़ मास्टर्स 70-80 साल के बाद भी सीखते रहते हैं ! दस साल तक तो एक लाइन खींचने की प्रैक्टिस ही वे करते रहते हैं ! क्रिएशन की मिस्ट्री आज तक कोई भी नहीं समझ पाया हैं ! मुझे मीर तक़ी मीर का एक शेर याद आता है :

यही जाना कि कुछ न जाना हाए सो भी
इक उम्र में हुआ मालूम !

http://shravangarg1717.blogspot.com

आवारा पशु की बढ़ती समस्या

रजनीश कपूर

बीते सप्ताह एक दुर्घटना का पता चला जो कि दिल्ली से सटे गुरुग्राम की थी। गुरुग्राम में जिस तरह प्रॉपर्टी के दाम आसमान छू रहे हैं उससे यह बात तो तय है कि अधिक से अधिक लोग इस उपनगर का रुख़ कर रहे हैं। परंतु यदि वहाँ का प्रशासन नागरिकों को अहम सुविधाएँ प्रदान करने में नाकाम है तो फिर इतनी महँगी प्रॉपर्टी को ख़रीदना कितना जायज़ है। बरसात में गुरुग्राम के दिल दहलाने वाले दृश्य हर किसी ने देखे होंगे। इसी तरह एक और समस्या है जो पूरे देश में फैली हुई है। फिर वो चाहे दिल्ली एनसीआर हो, मुंबई हो या केरल का छोटा शहर, आवारा पशु की समस्या एक ऐसी समस्या है जिससे निदान पाना सरकार की एक बड़ी ज़िम्मेदारी व प्राथमिकता होनी चाहिए। कुछ दिन पहले हमारे एक परिचित, गुरुग्राम में अपने मित्रों के घर से दावत के बाद देर रात नियंत्रित गति से अपनी गाड़ी से दक्षिण दिल्ली के अपने घर आ रहे थे। तभी अचानक एक काले रंग की गाय से उनकी गाड़ी टकरा गई। टक्कर गाड़ी के कई काँच टूटे और गाड़ी को काफ़ी नुक़सान हुआ। उस सुनसान सड़क पर स्ट्रीट लाइट के न होने से यह टक्कर हुई। जैसे-तैसे करके यह श्रीमान अपने घर पहुँचे। अगले दिन जब यह क़िस्सा साझा हुआ तो हर किसी के मन में यही सवाल उठा कि सरकारें आवारा पशुओं के लिए कुछ करती क्यों नहीं? अंदाज़ा लगाइए कि यदि इनकी जगह कोई दुपहिया वाहन वाला होता तो उसकी क्या स्थिति होती। आए दिन हम यह सुनते हैं कि आवारा पशु, फिर वो चाहे गाय - बैल हों या आवारा कुत्ते, आम नागरिकों को कितना नुक़सान पहुँचाते हैं। परंतु सरकार चाहे राज्य की हो या केंद्र की, इस समस्या पर आँखें मूँद कर बैठी है। ऐसा नहीं है कि सरकार को इस समस्या के बारे में पता नहीं है या इसका उपाय नहीं कर सकती। आपको याद होगा कि पिछले वर्ष जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारी में देश की राजधानी दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया गया। केंद्र और दिल्ली की सरकार ने इस सम्मेलन को कामयाब करने की दृष्टि से हर वो कदम उठाए जिससे कि इसमें शिरकत करने वाले विदेशी मेहमानों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। इसके साथ ही दिल्ली के कुछ इलाक़ों से आवारा पशुओं को हटाने के आदेश भी जारी हुए थे, जिसे पशु प्रेमियों के विरोध के चलते रद्द किया गया। आदेश का विरोध कर, पशु प्रेमियों ने इसे आवारा पशुओं के हित में बताया है। परंतु यहाँ सवाल उठता है कि इस समस्या से छुटकारा कैसे मिले? शहरों में आवारा कुत्तों व गौवंश की समस्या हर दिन बढ़ती जा रही है। आम जनता को हर गली मोहल्ले में आवारा कुत्तों व गौवंश से खुद को बचा कर निकलना पड़ता है। यदि इन पशुओं से बचने के लिए हम इन्हें लाठी, डंडा या पत्थर का डर दिखाते हैं तो पशु प्रेमी इसका विरोध करते हैं। कुछ जगहों पर तो ये लोग नागरिकों को पुलिस की कार्यवाही की धमकी तक दे देते हैं।

परंतु क्या कभी किसी पशु प्रेमी ने इस समस्या का हल खोजने की कोशिश की है? क्या कारण है कि आवारा पशुओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है? जी20 शिखर सम्मेलन से पहले जब दिल्ली नगर निगम ने यह आदेश दिया कि आवारा पशुओं को कुछ इलाक़ों से हटा कर किसी सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा, तो लगा कि यह एक अच्छी पहल है। जिस तरह देश भर में कई सामाजिक संस्थाएँ गौवंश की सुरक्षा कि दृष्टि से गौशाला चलाती हैं। उसी तरह क्यों न आवारा कुत्तों के लिए भी 'डॉग शेल्टर' जैसी कोई योजना बनाई जाए जहां आवारा कुत्तों को एक सुरक्षित माहौल में रखा जाए। यहाँ पर इन बेज़ुबानों के इलाज की भी उचित व्यवस्था हो। जिन भी पशु प्रेमियों को इन बेज़ुबानों के प्रति अपना वात्सल्य दिखाने की कामना हो वे समय निकाल कर वहाँ नियमित रूप से जाएँ और न सिर्फ़ उनको ख़ाना खिलाए बल्कि उनके साथ समय भी बिताएँ। ऐसा करने से न तो किसी पशु पर अत्याचार होगा और न ही ऐसे आवारा पशुओं से किसी आम नागरिक को कोई ख़तरा होगा। दुनिया भर में केवल नीदरलैंड ही एक ऐसा देश है जहां पर आपको आवारा कुत्ते नहीं मिलेंगे। यहाँ की सरकार द्वारा चलाए गये एक विशेष कार्यक्रम के तहत वहाँ के हर कुत्ते को सरकार द्वारा इकट्ठा कर उसकी जनसंख्या नियंत्रण करने वाले टीके लगाए जाते हैं।

केजरीवाल का आखिरी दांव क्या रंग दिखायेगा

राजेश कुमार पासी

केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा करके राजनीति में बड़ी हलचल पैदा कर दी है। उनसे इस कदम की अपेक्षा कोई नहीं कर रहा था क्योंकि वो 6 महीने से जेल में थे लेकिन जिद्द पर अड़े हुए थे कि वो जेल से सरकार चलाएंगे, इसलिये इस्तीफा नहीं देंगे । सच ये है कि जब से केजरीवाल जेल गए हैं तब से दिल्ली सरकार के सारे काम रुके हुए थे । सब कुछ जानने के बाद भी केजरीवाल इस्तीफा नहीं दे रहे थे लेकिन जैसे ही उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत दी, उन्होंने इस्तीफा देने की घोषणा कर दी।

बड़ा सवाल पैदा होता है कि जो आदमी जेल से सरकार चलाने की जिद्द पर अड़ा हुआ था, उसने जेल से बाहर निकलते ही सरकार क्यों छोड़ दी। आम आदमी पार्टी केजरीवाल को इस्तीफा देने पर सत्ता का मोह छोड़ने वाला नेता साबित करने की कोशिश कर रही है लेकिन देश तो सच जानता है। अब केजरीवाल के इस्तीफे के बाद उनके द्वारा 15 दिन में मुख्यमंत्री निवास को भी खाली कर देने की सूचना आ गई है। इसे भी आम आदमी पार्टी उनकी महानता साबित करने पर तुली हुई है जबकि सबको पता है कि चाहे कोई भी मुख्यमंत्री हो पद छोड़ने के बाद उसको मुख्यमंत्री निवास छोड़ना ही पड़ता है। वास्तव में केजरीवाल बेहद चालाक नेता हैं और वो जनता की नब्ज भी पहचानते हैं । उन्हें जनता की नाराजगी दिखाई दे रही है और वो जानते हैं कि जनता की नाराजगी आने वाले विधानसभा चुनावों में बड़ा असर डाल सकती है इसलिये उन्होंने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे कर अपना आखिरी दांव चल दिया है। देखा जाए तो उन्होंने अपने इस दांव से पूरे विपक्ष को परेशानी में डाल दिया है। विपक्ष को केजरीवाल से ऐसी उम्मीद बिल्कुल नहीं थी इसलिए वो नए सिरे से अपनी रणनीति तैयार करने के लिए मजबूर हो गया है।

अब सवाल यह पैदा होता है कि केजरीवाल ने पहले क्यों नहीं इस्तीफा दिया और अब क्यों इस्तीफा दे रहे हैं। वास्तव में केजरीवाल की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल सरकार और पार्टी को चला रही थी। वो अपनी पार्टी में किसी और पर भरोसा नहीं करते हैं लेकिन वो अपनी पत्नी को भी मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहते थे क्योंकि इससे पार्टी में बगावत होने का डर था । सुनीता केजरीवाल बिना मुख्यमंत्री का पद लिए पार्टी और सरकार को चला रही थीं इसलिए केजरीवाल को कोई समस्या नहीं थी । अगर किसी और को मुख्यमंत्री बना दिया गया होता तो केजरीवाल की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर वो पार्टी और सरकार दोनों पर कब्जा कर सकता था। इसके अलावा केजरीवाल के परिवार को आलीशान शीशमहल भी खाली करना पड़ता । केजरीवाल और उनके परिवार को मुख्यमंत्री के पद को मिलने वाली सुविधाओं से भी वंचित होना पड़ता । केजरीवाल को मुकदमो का खर्च भी खुद वहन करना पड़ता और अदालत में उनका केस भी कमजोर हो सकता था। अब केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार वो मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं जा सकते और न ही कोई फैसला ले सकते हैं । उनके पास कैबिनेट बैठक बुलाने का भी अधिकार नहीं है। पांच महीने बाद दिल्ली के चुनाव होने वाले हैं लेकिन केजरीवाल जनता के काम नहीं कर सकते। चुनाव से पहले केजरीवाल कुछ लुभावने काम करना चाहते हैं ताकि जनता को खुश कर सके । संभावना है कि हर वयस्क महिला को हज़ार रुपये प्रतिमाह देने का वादा पूरा किया जा सके और चुनाव से पहले एक-दो महीने का पैसा उनके खाते में डाला जा सके । नए मुख्यमंत्री के बनने के बाद केजरीवाल चुनावी तैयारी करना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव परिणामों ने केजरीवाल को दिल्ली की जमीनी हकीकत का अहसास करवा दिया है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान जनता की सहानुभूति पाने की भरसक कोशिश की थी।

भ्रांति फैलाना देशहित में नहीं

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी का वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लट्ठा जैसा है। ऐसा लगता है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को वन नेशन वन इलेक्शन में खामियां निकालने के लिये कोई गंभीर मुद्दा नहीं मिल रहा है। वन नेशन,वन इलेक्शन के खिलाफ अखिलेश की बयानबाजी हवा हवाई से अधिक कुछ नहीं हैं। वह किसी भी तरह से जनता में भ्रम पैदा करना चाहते हैं। इसलिए वह बेतुके संदेह व्यक्त कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि अखिलेश इस बिल का इस लिये विरोध कर रहे हैं क्योंकि वन नेशन वन इलेक्शन मोदी सरकार की मंशा है। अखिलेश की मंशा सियासी है इसलिये उनकी पार्टी में भी इसको लेकर फूट नजर आ रही है। अखिलेश से इत्तर समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने वन नेशन वन इलेक्शन का खुलकर समर्थन किया है। यह और बात है कि पार्टी ने रविदास मेहरोत्रा के बयान को उनकी निजी राय बता कर पल्ला झाड़ लिया है। बात वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर अखिलेश के बिगड़े बोलों की कि जाये तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछ रहे हैं, 'अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे। यदि अखिलेश रिपोर्ट पढ़ लेते तो उन्हें मालूम रहता कि पहले चरण में लोकसभा व देश के सभी विधान सभाओं और दूसरे चरण में 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की सिफारिश की गई है। अखिलेश पूछ रहे हैं कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर क्या जनता की चुनी सरकार को वापस आने के लिए अगले आम चुनावों तक का इंतज़ार करना पड़ेगा या फिर पूरे देश में फिर से चुनाव होगा?इसको लेकर भी रिपोर्ट में साफ-साफ कहा गया है कि अगर किसी विधान सभा का चुनाव अपरिहार्य कारणों से एक साथ नहीं हो पाता है तो बाद की तिथि में होगा,लेकिन कार्यकाल उसी दिन समाप्त होगा जिस दिन लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होगा। यदि किसी राज्य की विधान सभा बीच में भंग हो हाती है,तो नया चुनाव विधानसभा के बाकी के कार्यकाल के लिये ही कराया जायेगा। अखिलेश पूछ रहे हैं वन नेशन वन इलेक्शन योजना चुनावों का निजीकरण करके परिणाम बदलने की तो नहीं है? ऐसी आशंका इसलिए जन्म ले रही है क्योंकि कल को सरकार ये कहेगी कि इतने बड़े स्तर पर चुनाव कराने के लिए उसके पास मानवीय व अन्य जरूरी संसाधन ही नहीं हैं, इसीलिए हम चुनाव कराने का काम भी (अपने लोगों को) ठेके पर दे रहे हैं।

गया में पिंडदान क्यों किया जाता है?

पिंडदान क्या होता है?

पिंडदान हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसे पूर्वजों की आत्मा की शांति और मुक्ति के लिए किया जाता है। इसमें श्रद्धालु अपने पितरों को तिल, चावल, और जल से बने पिंड अर्पित करते हैं, जिससे उनकी आत्मा को स्वर्ग में स्थान मिले और वे तृप्त हों। यह कर्म श्राद्ध पक्ष, विशेष रूप से अमावस्या, और गयाजी में पितृपक्ष मेले के दौरान किया जाता है। पिंडदान का उद्देश्य पितरों की कृपा प्राप्त करना और परिवार में सुख-समृद्धि की प्राप्ति सुनिश्चित करना होता है। इस अनुष्ठान को विधि-विधान से करने से पितृ दोष समाप्त होते हैं और वंश में शांति बनी रहती है।
बिहार के गया में पिंडदान का प्राचीन और धार्मिक महत्व है। यह स्थान पितरों की आत्मा की मुक्ति और शांति के लिए प्रसिद्ध है। हिंदू मान्यता के अनुसार, गया में पिंडदान करने से पितरों की आत्माएं तृप्त होती हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने यहां अपने चरण कमल से पितरों को आशीर्वाद दिया था, जिससे गया धाम को विशेष महत्व प्राप्त हुआ। गया में पिंडदान करने से व्यक्ति को पितृ दोषों से मुक्ति मिलती है, जिससे परिवार में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

गया में पिंडदान करने का महत्व

गया बिहार का एक प्राचीन धार्मिक स्थल है, जहां पिंडदान का विशेष महत्व है। पिंडदान, हिन्दू धर्म की एक महत्वपूर्ण परंपरा है, जो पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। गया की खासियत यह है कि यहां फल्गु नदी के तट पर किया गया पिंडदान अत्यंत फलदायक माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति गया में पिंडदान करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त हो जाता है और उसे भविष्य में श्राद्ध करने की आवश्यकता नहीं होती।
गया का उल्लेख रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों में भी मिलता है। कहा जाता है कि भगवान राम ने यहीं पर अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान किया था, जिससे उनकी आत्मा को मोक्ष प्राप्त हुआ। इसी तरह, महाभारत काल में पांडवों ने भी गया में अपने पितरों के लिए पिंडदान किया था। ये धार्मिक कर्मकांड केवल पितरों की आत्मा की शांति के लिए ही नहीं, बल्कि परिवार में सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति के लिए भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसलिए गया में पिंडदान को एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण धार्मिक कर्म माना गया है, जिसे देशभर से लोग यहां आकर सम्पन्न करते हैं।

गया में पिंडदान करने की लागत

गया में पिंडदान करने की लागत इस बात पर निर्भर करती है कि आप इसे एक दिन, तीन दिन, या 17 दिनों में कर रहे हैं। अगर आप एक ही दिन में पिंडदान करने की योजना बना रहे हैं, तो इसमें आपको लगभग 5,000 से 10,000 रुपये तक का खर्च आ सकता है, जिसमें दान की वस्तुएं भी शामिल हैं। विष्णुपद मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शंभूलाल बिठ्ठल के अनुसार, यहां 500 रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक दान देने वाले श्रद्धालु आते हैं। गया में पिंडदान करने के लिए आप अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार 500 रुपये या इससे भी कम में यह पवित्र कार्य कर सकते हैं। यहां का पिंडदान न केवल पितरों की शांति के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह विधि आपको अपनी श्रद्धा और क्षमता के अनुसार करने की सुविधा भी प्रदान करती है।

गया में पिंडदान कहां किया जाता है?

गया, भारतीय राज्य बिहार में स्थित, पिंडदान के लिए एक धार्मिक केंद्र है। यहां पिंडदान करने की तीन प्रमुख स्थल हैं।
विष्णुपद मंदिरः यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है और गया के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से स्वर्गीय आत्माओं को मोक्ष मिलता है।

अक्षयवटः यह वृक्ष फाल्गु नदी के किनारे स्थित है और इसे पवित्र माना जाता है। कहा जाता है कि इस वृक्ष के नीचे पिंडदान करने से स्वर्गीय आत्माओं को मोक्ष मिलता है।
प्रेतशीला पहाड़ीः यह पहाड़ी गया के आउटस्कर्ट्स में स्थित है और इसे पुरखों का निवास स्थान माना जाता है। कहा जाता है कि यहां पिंडदान करने से स्वर्गीय आत्माओं को मोक्ष मिलता है।

गया पिंड दान के लिए क्या सामग्री आवश्यक है?
कुशा (पवित्र घास)
पिंड (चावल या गेहूं के आटे का गोला)
काला तिल, जौ, चावल
पंचपात्र और ताम्र पात्र
गंगाजल और शुद्ध जल
फूल, तुलसी के पत्ते, और पवित्र धागा
धूप, दीप, घी, और पंचमेवा
दक्षिणा (दान के लिए राशि)
गया में पिंड दान कैसे किया जाता है?
गया पिंड दान की विधि कुछ इस प्रकार है:
स्नान और शुद्धिकरणः पवित्र नदी फाल्गु में स्नान करें और शुद्ध कपड़े पहनें।

गया में पिंडदान कब करना चाहिए?

गया में पिंडदान का विशेष महत्व है, और इसे करने के लिए पितृपक्ष (श्राद्ध पक्ष) का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है, जो भाद्रपद माह की पूर्णिमा से प्रारंभ होकर आश्विन माह की अमावस्या तक चलता है। पितृपक्ष के दौरान गया में पिंडदान करने से पितरों की आत्मा की शांति मिलती है और उनके आशीर्वाद से परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। हालांकि, पितृपक्ष के अलावा भी गया में साल भर पिंडदान किया जा सकता है, लेकिन पितृपक्ष का समय सबसे शुभ और प्रभावी माना जाता है। इस दौरान गया में पिंडदान करने से व्यक्ति को अपने पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनके दोषों से मुक्ति मिलती है, जिससे परिवार में सुख, शांति, और समृद्धि आती है।

गया पिंड दान क्या है?

गया पिंड दान एक वैदिक अनुष्ठान है जिसे हिंदू धर्म में पितृ तर्पण के लिए किया जाता है। यह कर्मकांड गया में किया जाता है, जहां पिंड (चावल का लड्डू या आटा का गोला) और जल अर्पण किया जाता है, ताकि पूर्वजों की आत्माओं को संतुष्ट किया जा सके और उन्हें मोक्ष प्राप्त हो सके।

गया में पिंड दान का क्या महत्व है?

गया पिंड दान का महत्व पितरों की आत्मा की शांति और मुक्ति के संदर्भ में अत्यधिक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने स्वयं गया में पिंड दान किया था, और यह स्थान विशेष रूप से पवित्र माना जाता है। यहां पिंड दान करने से पूर्वजों की आत्माओं को तृप्ति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गया पिंड दान के लाभ क्या हैं?
गया पिंड दान के कई लाभ माने जाते हैं:
पितरों की आत्मा की शांति और मोक्ष की प्राप्ति।
कुल की उन्नति और पितृ दोष से मुक्ति।
परिवार में शांति, समृद्धि और खुशहाली।
मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति।

गया पिंड दान कब किया जाता है?

गया पिंड दान का आयोजन वर्ष के किसी भी समय किया जा सकता है, लेकिन विशेष रूप से पितृ पक्ष (श्राद्ध पक्ष) के दौरान, जो भाद्रपद माह की पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 दिनों की अवधि होती है, इसे करना अत्यधिक शुभ माना जाता है। इसके अलावा, अमावस्या, एकादशी, संक्रांति, और ग्रहण के दिन भी पिंड दान के लिए उपयुक्त होते हैं।

स्थान पर पहुँचें: गया के प्रमुख पिंड दान स्थलों, जैसे कि विष्णुपद मंदिर, अक्षयवट, और फाल्गु नदी के किनारे जाएं।
पंडित की सहायता लें: एक विद्वान पंडित की सहायता लें, जो आपको पिंड दान की प्रक्रिया में मार्गदर्शन करेगा।
पिंड अर्पण: पंडित द्वारा निर्धारित मंत्रों का जाप करते हुए पिंड (चावल या आटे के गोले) को जल में अर्पण करें।
तर्पण और दानः पिंड अर्पण के बाद तर्पण करें और ब्राह्मणों को भोजन, वस्त्र, और दक्षिणा दान करें।

क्या गया पिंड दान केवल पुरुष ही कर सकते हैं?

नहीं, गया पिंड दान पुरुष और महिला दोनों द्वारा किया जा सकता है। परंपरागत रूप से, परिवार का बड़ा बेटा या पुरुष सदस्य यह अनुष्ठान करता है, लेकिन यदि परिवार में कोई पुरुष सदस्य उपलब्ध नहीं है, तो महिलाएं भी पिंड दान कर सकती हैं।

घर का ये कोना पीले रंग की वस्तुओं के लिए शुभ, बनता है धन लाभ का योग!

वास्तु शास्त्र में लगभग हर तरह की चीजों के बारे में उल्लेख मिलता है। रंगों का हमारे जीवन में बड़ा महत्व होता है। ऐसे में इनका सही चयन करना भी जरूरी है।
वास्तु शास्त्र के अनुसार, रंग का चुनाव आपके जीवन को प्रभावित करता है। ऐसे में आपको बहुत सोच समझकर इनका चुनाव करना चाहिए। वास्तु शास्त्र में पीले रंग को लेकर एक खास दिशा का जिक्र मिलता है। ऐसा कहा जाता है कि जब आप सही दिशा में पीले रंग की वस्तुओं को रखते हैं तो यह आपको धन लाभ कराती है।

पूर्व दिशा

आपको बता दें कि पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा है, जहां से प्रकाश मिलता है और पीला रंग सूर्य देव का प्रतीक भी माना गया है। ऐसे में जब आप पूर्व दिशा में पीले रंग की वस्तुएं रखते हैं तो आपको भगवान सूर्य का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही ऐसा करने से घर में सकारात्मकता आती है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिशा में पीले रंग की वस्तुएं रखने से धनलाभ होता है।

पश्चिम दिशा

यह दिशा मानसिक शांति के साथ ही धन लाभ के लिए खास मानी गई है। ऐसे में जब आप इस दिशा में पीले रंग की वस्तुएं रखते हैं तो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है। साथ ही इससे आपके स्वास्थ्य में सुधार भी होता है।

दक्षिण दिशा

हिन्दू धर्म में इस दिशा को मृत्यु के देवता यमराज की दिशा माना गया है। ऐसे में इस दिशा में रखे जाने वाले रंगों का हमारे जीवन पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस दिशा में पीले रंग की वस्तुएं रखने से नकारात्मकता दूर होती है और आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। ऐसा करने से आपके घर में धन और समृद्धि आती है।

पितृ पक्ष में काले तिल से करें ये चार काम

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह समय पूर्वजों के मान-सम्मान को समर्पित होता है। इस दौरान लोग पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से लेकर अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष चलते हैं। इस बार 18 सितंबर 2024 से पितृ पक्ष शुरू हो चुके हैं, जो 2 अक्तूबर 2024 को समाप्त होंगे। इन सोलह दिनों में लोग अपने पितरों के लिए तर्पण, दान और श्राद्ध कर्म करते हैं, जिससे वह प्रसन्न होते हैं, और अपने वंशों को आशीर्वाद देते हैं। इस दौरान अपने पितरों को संतुष्ट करना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि अगर वह नाराज हो जाते हैं, तो परिवार को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। यदि आप अपने पितरों का आशीर्वाद पाना चाहते हैं तो आप कुछ

काले तिल के उपाय

श्राद्ध कर्म में काले तिल के उपयोग से आपको विशेष फल मिलते हैं। इसके लिए पूर्वजों के तर्पण के दौरान जल में काला तिल और कुशा को जरुर मिलाएं, इसके बिना पितरों को मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती और वह जल ग्रहण नहीं कर पाते। माना जाता है कि तर्पण में तिल का प्रयोग करने से सात पीढ़ियों में खुशहाली रहती है।
पितृ पक्ष के दौरान शाम को पीपल के पेड़ की पूजा करते समय सरसों के तेल का दीपक लगाएं और उसमें काले तिल डालें और पितृ सूक्त का पाठ करें। ऐसा करने से परिवार को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।
यदि आप घर में हो रहे कलेश से परेशान हैं पितृ पक्ष की इंदिरा एकादशी पर दूध में काले तिल मिलाकर पीपल के पेड़ पर अर्पित करने से आपकी परेशानी कम हो सकती है। ध्यान रखें कि जल को चढ़ाते समय ॐ भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जाप जरूर करें।

पितृपक्ष में दिखाई दें ये 5 सपने तो समझ लीजिए बदलने वाली है किस्मत

सपने में पूर्वजों का आना एक आमन सपना हो सकता हैं लेकिन, पितृपक्ष में यदि आपको अपने मरे हुए पूर्वज दिखाई देते हैं तो यह भविष्य में आने वाली घटनाओं के बारे में आपको अवगत कराते हैं। साथ ही पितृपक्ष में पूर्वजों का सपने में आने आपको धन लाभ का संकेत भी देता है। यदि आपको सपने में कोई पूर्वज आदि दिखाई देता है तो इसका अर्थ सबके लिए अलग-अलग हो सकता है। हम आपको ऐसे 5 सपनों के बारे में बताने जा रहे हैं जो यदि आपको पितृपक्ष में आए तो समझ लीजिए की आपकी किस्मत पितृपक्ष के बाद चमकने वाली है। आपको बड़ी मात्रा में धन लाभ मिलेगा। आइए जानते हैं पितृपक्ष में कैसे सपने देखना होता है शुभ।

सपने में फूल देखना

सपने में यदि आपके कोई पूर्वज आपको हाथ में फूल लेकर दिखाई देते हैं तो यह बहुत ही शुभ सपना हैं। हालांकि, उनके हाथ में आपको कोई भी रंग का फूल दिखाई दे तो यह शुभ सपना ही है लेकिन, विशेष रूप से यदि आपको सफेद रंग के फूल दिखाई दें तो समझ लीजिए की आपको बड़ी मात्रा में धन लाभ होगा। फूल सिर्फ पूर्वजो के हाथ में ही नहीं यदि आपको फूल की क्यारी या फूल का गुलदस्ता भी दिखाई दे को यह एक शुभ सपना है।

सपने में पूर्वजों को हंसते हुए देखने का मतलब

अगर पितृपक्ष के दौरान आपको अपने पूर्वज हंसते हुए दिखाई देते हैं तो यह आपके लिए शुभ सपना साबित हो सकता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस तरह के सपने का आना इस तरफ इशारा करता है कि आपके पूर्वज आपसे काफी संतुष्ट हैं। इस तरह के सपनों का अर्थ है कि आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में धन लाभ मिल सकता है। साथ ही करियर में भी आप नई ऊंचाइयां छुएंगे। हालांकि, इस तरह के सपनों का दूसरा अर्थ यह भी है कि आने वाले दिनों में आपको कोई खुशखबरी भी मिल सकती है। हो सकता है कि आपके पूर्वज फिर से आपके घर में जन्म लेने वाले हैं।

सपने में पूर्वजों का आपके दरवाजे पर आना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि आपको सपनों में दिखाई देता है कि आपके घर के दरवाजे पर पूर्वज पहुंच गए हैं को इस तरह के सपनों का मतलब है कि जल्द ही आपके दरवाजे पर खुशियां दस्तक देने वाली हैं। आपको कोई ऐसी चीज इस दौरान मिल सकती है जिसका इंतजार आप काफी समय से कर रहे थें। साथ ही इस तरह के सपने इशारा करते हैं कि यदि आपका धन कहीं फंस गया है तो आपको अपने अटका हुआ धन वापस मिल सकता है।

पूर्वज सपने में आपको मिठाई खिला रहे हो तो

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि आपको सपने में दिखाई दे रहा है कि आपके पूर्वज आपके मिठाई खिलाएं रहे हैं या फिर आपके लिए मिठाई हाथ में लेकर खड़े हैं तो इस तरह के सपनों का अर्थ है कि आपको अपने पुराने सभी कर्जों से मुक्ति मिलेगी। साथ ही आप किसी नए व्यापार की शुरुआत कर सकते हैं। यदि आप व्यापार शुरू करने की योजना बना रहे हैं और उससे पहले ये सपना आ जाए तो इसका मतलब है कि आपको यह व्यापार भविष्य में बहुत लाभ दिलाएगा। साथ ही इस तरह के सपने इशारा करते हैं कि आपकी कोई बहुत ही बड़ी इच्छा इस अवधि में पूरी होने वाली है।

सपने में में मृत पिता और दादा को देखना

पितृ पक्ष में यदि आपको सपने में अपने मृत पिता या मृत दादा दिखाई देते हैं तो स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस तरह के सपनों का अर्थ अलग-अलग हो सकता है। यदि आपको सपने में अपने मृत पिता और मृत दादा जी हंसते हुए दिखाई देते हैं तो आपको अपनी सभी तरह की समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। साथ ही इस तरह के सपने यह भी इशारा करते हैं कि आप अपनी आर्थिक स्थिति के कारण यदि परेशान हैं तो आने वाला समय आपके हक में रहने वाला है। उनका आशीर्वाद आपके साथ है और उनके आशीर्वाद से ही आप अच्छी मात्रा में धन लाभ पाएंगे।

पितृ पक्ष की नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या तिथि को माना जाता है सबसे महत्वपूर्ण

पितृ पक्ष का हर दिन ही यूं तो बेहद महत्वपूर्ण होता है, और हर दिन ही हमें अपने पितरों को पितृ पक्ष के दौरान याद करना चाहिए। लेकिन सभी तिथियों में पितृ पक्ष की तीन तिथियों को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। ये तिथियां हैं पितृ पक्ष की नवमी, चतुर्दशी और अमावस्या। इन तीन दिनों का पितृ पक्ष में इतना अधिक महत्व क्यों है और किन लोगों का श्राद्ध इन दिनों में किया जाता है, इसके बारे में आज हम आपको विस्तार से जानकारी देने वाले हैं।

नवमी तिथि का श्राद्ध

नवमी श्राद्ध को हिंदू मान्यताओं के अनुसार विशेष श्राद्ध माना जाता है, यह दिन उन दिवंगत महिलाओं के लिए समर्पित होता है जिनका निधन अकाल मृत्यु या असामयिक परिस्थितियों में हुआ होता है, इसके साथ ही उन माताओं और बहनों का श्राद्ध भी इसी दिन किया जाता है सुहागिन रूप में देह त्याग करती हैं। वहीं अगर आपको किसी महिला की मृत्यु तिथि पता नहीं है, तब भी आप इस दिन श्राद्ध कर्म कर सकते हैं। यह दिन उन माताओं, बहनों या अन्य महिलाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए विशेष माना जाता है, इसीलिए मातृ नवमी भी इस दिन को कहते हैं।
नवमी श्राद्ध से महिला पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और मोक्ष प्राप्ति होती है।
इस दिन दिवंगत महिलाओं का श्राद्ध करने से कुल वंश में शांति और समृद्धि बनी रहती है।
इस दिन किए गए कर्मकांडों से माता, बहनों का हमें आशीर्वाद मिलता है और परिवार में सुख-शांति हमेशा बनी रहती है।

चतुर्दशी तिथि का श्राद्ध

चतुर्दशी तिथि के श्राद्ध को इसलिए महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इस दिन उन लोगों का श्राद्ध किया जाता है, जिनकी मृत्यु हिंसक या अकाल परिस्थितियों में हुई हो, जैसे युद्ध, दुर्घटना, हत्या या किसी अप्राकृतिक स्थिति में।
चतुर्दशी के श्राद्ध को लेकर मान्यता है कि, इस दिन श्राद्ध करने से घर के अन्य सदस्यों की सुरक्षा होती है और उन्हें अकाल मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता।
यह श्राद्ध करने से परिवार के लोगों को मानसिक शांति प्राप्त होती है और घर में शांति एवं समृद्धि आती है। इसलिए जिन लोगों के घरों में किसी की अकाल मृत्यु हुई हो उनको चतुर्दशी का श्राद्ध अवश्य करना चाहिए।
चतुर्दशी श्राद्ध करने से असमय मृत्यु को प्राप्त हुए सभी पितृ शांत हो जाते हैं।

अमावस्या का श्राद्ध

अमावस्या श्राद्ध को श्राद्ध की सभी तिथियों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन श्राद्ध करने से भूले बिसरे सभी पितरों की आत्मा को शांति मिलती है। अमावस्या पितृ पक्ष की अंतिम तिथि है और इसे सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। खासकर उन लोगों का श्राद्ध इस दिन करना चाहिए, जिनकी मृत्यु तिथि का आपको पता न हो। इस दिन सभी पितरों, चाहे उनकी मृत्यु किसी भी दिन या तिथि पर हुई हो, का श्राद्ध करने से आपके जीवन में समृद्धि आती है।
अमावस्या तिथि का श्राद्ध करने से आपके सभी पितृ शांत हो जाते हैं, और उनको मुक्ति का द्वार मिल जाता है। ऐसा करने से आपके जीवन में खुशहाली लौट आती है।
जिन लोगों के परिवारों में पितृ दोष होता है, उनको इस दिन अवश्य श्राद्ध कर्म करना चाहिए और अपने सभी पितरों को याद करते हुए तर्पण देने चाहिए।

पितृ पक्ष में दान का महत्व

जिस तरह हम किसी भी शुभ कार्य या पुण्य तिथियों में दान-दक्षिणा का कार्य करते हैं उसी प्रकार पितृपक्ष के दौरान पितरों के मन की शांति के लिए कुछ चीजों का दान महत्वपूर्ण माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान निम्न 10 वस्तुओं का दान महत्वपूर्ण हैः
गाय, भूमि, वस्त्र, काला तिल, सोना, घी, गुड़, धान, चाँदी, नमक, इन वस्तुओं का दान पितरों को तृप्ति प्रदान करता है। पितरों के तर्पण करने से पूर्व सर्वप्रथम दिव्य पितृ तर्पण करना होता है, उसके बाद देव तर्पण करें फिर उसके बाद ऋषि तर्पण किया जाता है फिर दिव्य मनुष्य तर्पण करने के बाद ही स्वयं पितृ तर्पण किये जाने की परंपरा है।
इन विधियों के बाद पितृ चाहे किसी भी प्रकार की योनि में क्यों न हो वह आपके द्वारा किये गए श्राद्ध का अंश स्वीकार कर लेंगे। इससे पितृ को संतुष्टि मिलती है तथा उन्हें विभिन्न प्रकार की निकृष्ट योनियों से मुक्ति मिलती है, तथा उनकी आत्मा मुक्त होकर उच्च योनि में चली जाती है। पितरों का श्राद्ध न करना उनको दुःख पहुँचाने जैसा ही है, इससे आपको पितरों का श्राप भी मिल सकता है। यही कारण है कि ब्रह्म पुराण, विष्णु पुराण, मत्स्य पुराण, वायु पुराण, गरुड़ पुराण, मनु स्मृति तथा महाभारत जैसे महान ग्रंथों में भी श्राद्ध एवं तर्पण से प्राप्त फलों का वर्णन किया गया है।

अजय देवगन से बॉक्स ऑफिस पर टकराने को तैयार कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3'

खबर थी कि प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने डायरेक्टर रोहित शेट्टी और अजय देवगन से मुलाकात की थी. तीनों के बीच 'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम 3' की रिलीज पर बातचीत हुई. इस बीच डायरेक्टर अनीस बज्मी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें बॉक्स ऑफिस नंबर्स के पचड़े में फंसने की कोई जरूरत नहीं है. कार्तिक आर्यन की फिल्म 'भूल भुलैया 3' और अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' का इंतजार फैंस को बेसब्री से है. दोनों ही सितारों की सुपरहिट फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने वाली इन दोनों फिल्मों को लेकर दर्शकों जबरदस्त उत्साह है. इस बीच इनके बीच रिलीज डेट को लेकर तनातनी भी देखने को मिली. हालांकि अब 'भूल भुलैया 3' के डायरेक्टर अनीस बज्मी ने साफ कर दिया है कि पर्दे पर ये दोनों फिल्में साथ में ही रिलीज होंगी. कुछ दिन पहले खबर आई थी कि कार्तिक आर्यन ने 'सिंघम अगेन' के डायरेक्टर रोहित शेट्टी को कॉल लगाया था. बातचीत में कार्तिक ने रोहित से दरखवास्त की थी कि वो अपनी फिल्म को उनकी फिल्म के साथ एक ही दिन रिलीज न करें. फिर बताया गया कि रोहित शेट्टी और उनकी टीम कार्तिक की इस रिक्वेस्ट पर विचार कर रही है. इस बीच डायरेक्टर अनीस बज्मी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें बॉक्स ऑफिस नंबर्स के पचड़े में फंसने की कोई जरूरत नहीं है. अब अपनी बात पर सफाई देते हुए उन्होंने बयान जारी किया है.

उन्होंने लिखा, 'कई मीडिया के लोग मेरे बयान को गलत समझ रहे हैं. 3 दशकों तक इंडस्ट्री में बतौर फिल्मकार काम करने के लिहाज से मैं बढ़िया कहानियों को बनाने में फोकस करता हूं, न कि फिल्म की रिलीज और बिजनेस के मामले पर. मैंने कई फिल्मों को एक ही दिन रिलीज होने के बावजूद सफल होते देखा है. मुझे लगता है कि मेरे शब्दों को गलत समझा गया है. मैं अपनी बात को दूसरे अंदाज में कहता हूं- मैं सिंघम 3 और भूल भुलैया 3 दोनों को लेकर उत्साहित हूं. ये दो बेहतरीन फिल्में हैं, दो टैलेंटेड टीमों ने इनपर काम किया है. चलिए इन्हें साथ में देखें.'

असल में कुछ दिन पहले ये खबर भी आई थी कि प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने अजय देवगन और डायरेक्टर रोहित शेट्टी से मुलाकात की है. तीनों के बीच इसे लेकर बात हुई कि क्या दोनों फिल्मों के क्लैश को रोका जा सकता है. इसे लेकर मिड डे से अनीस बज्मी ने बातचीत की थी. उन्होंने बताया था कि उनकी बॉक्स ऑफिस क्लैश को लेकर किसी से बातचीत नहीं हुई है.अनीस ने कहा था, 'मैं क्यों उनसे बात करूंगा? ये प्रोड्यूसर के बीच बिजनेस को लेकर निर्णय की बात है, और मैं बस एक डायरेक्टर हूं. सिंघम अगेन की टीम दिवाली पर अपनी फीस रिलीज करने की जिद्द कर रही है. क्लैश कभी भी अच्छा आइडिया नहीं होते. मुझे पता है कि हमने भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट का ऐलान एक साल पहले कर दिया था. लेकिन अब हम क्या ही कर सकते हैं? बात करें दोनों फिल्मों की तो 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक आर्यन के साथ तृप्ति डिमरी और विद्या बालन काम कर रहे हैं. वहीं 'सिंघम 3' में अजय देवगन के साथ दीपिका पादुकोण नजर आएंगी. रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स के बाकी एक्टर्स अक्षय कुमार, रणवीर सिंह संग अन्य भी इसका हिस्सा होंगे.

बच्चों के लिए खुद का स्क्रीन टाइम भी कम करती हैं करीना, कहा- बच्चे उदाहरण से सीखते हैं

करीना कपूर खान हिंदी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने कई सफल और यादगार फिल्मों में काम किया है। 'जब वी मेट' और 'कभी खुशी कभी गम' में उनकी भूमिका के लिए उन्हें आज भी काफी सराहनाएं मिलती हैं। अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में 25 साल पूरे कर लिए हैं। उनकी इस सफलता का जश्न मनाने के लिए उनकी फिल्मों के फेस्टिवल की तैयारी भी की जा सरही है। इस बीच अभिनेत्री ने अपने बेटों तैमूर और जहांगीर के स्क्रीन टाइम को मैनेज करने को लेकर बात की है। न्यूज 18 इंडिया के साथ एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि वह जब भी उनकी स्क्रीन टाइम को कम करने की कोशिश करती हैं, तो वो दोनों उनसे उनके स्क्रीन टाइम को लेकर सवाल पूछने लगते हैं।

बच्चे उदाहरण से सीखते हैं- करीना कपूर खान

अभिनेत्री के लिए दोनों बच्चों के स्क्रीन टाइमिंग को नियंत्रित करना काफी मुश्किल रहता है। उन्होंने कहा, ₹सोमवार से शुक्रवार तक उनकी स्क्रीन टाइम कम रहती है, लेकिन वह हमेशा पूछते हैं कि फिर आप टीवी क्यों देख रहे हो? आप अपने फोंन पर क्यों हो? इन दिनों माता-पिता को भी वो सारी चीजें करनी पड़ती हैं, जो वह अपने बच्चों से कराना चाहते हैं। ऐसे में जब हम उन्हें सुलाना चाहते हैं, तो हम भी पढ़ते हैं और जब तक वो सो नहीं जाते, तब तक टीवी नहीं देखते। मुझे लगता है कि बच्चे उदाहरण से सीखते हैं, अगर वो हमें फोन पर देखेंगे, तो वो भी ऐसा करना चाहेंगे।

20 से 27 सितंबर तक चलेगा फिल्म फेस्टिवल

करीना कपूर खान अपनी आगामी फिल्म फेस्टिवल को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद थीं। पीवीआर आईनॉक्स फिल्म इंडस्ट्री में उनके 25 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है। ऐसे में उनकी कुछ चुनिंदा फिल्में 20 सितंबर से 27 सितंबर तक 15 शहरों और 30 से अधिक सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएंगी। इस फेस्टिवल में उनकी 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम', 'चमेली', 'ओमकारा', 'जब वी मेट' और 'द बकिंघम मर्डर्स' जैसी फिल्मों को दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने इससे संबंधित पीवीआर की पोस्ट को दोबारा से अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए लिखा, मेरी रगों का जो खून, स्क्रीन पर जो जादू है, वो मेरा काम, जो मुझे पसंद है। मेरे अंदर की आग। अब अगले 25 साल के लिए तैयार हूं। इस खूबसूरत त्यौहार को आयोजित करने के लिए पीवाआर और आईनॉक्स को धन्यवाद, बहुत आभारी हूं।

'सिंघम अगेन' में आने वाली हैं नजर

बात करें करीना कपूर खान के वर्क फ्रंट की, तो हाल ही में वह हंसल मेहता की 'द बकीघम मर्डर्स' में नजर आई हैं। इस फिल्म का निर्माण करीना और एकता कपूर ने मिलकर किया है। इसके बाद वह रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' में नजर आने वाली हैं, जिसमें अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ, रणवीर सिंह आद कलाकार भी नजर आने वाले हैं। फिल्म इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली है।

'सिंघम 3' में चुलबुल पांडे की 'दबंगई' भी मचाएगी धमाल, सलमान ने बिना फीस लिए किया कैमियो!

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की अगली फिल्म 'सिंघम अगेन' (सिंघम 3) का इंतजार जनता बेसब्री से कर रही है. अजय का आइकॉनिक कॉप किरदार बाजीराव सिंघम 10 साल बाद अपनी खुद की फिल्म लेकर लौट रहा है. 'सिंघम 3' से पहले सिंघम अवतार में अजय, रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की फिल्मों 'सिम्बा' और 'सूर्यवंशी' में कैमियो कर चुके हैं. 'सिंघम 3' की स्टारकास्ट में अजय के साथ बॉलीवुड के कई और बड़े नाम शामिल हैं. जहां दीपिका पादुकोण 'लेडी सिंघम' के रोल में फ्रैंचाइजी में एंट्री लेने जा रही हैं, वहीं करीना कपूर, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ भी इस फिल्म में नजर आने वाले हैं. अब फिल्म की कास्ट में एक और धमाकेदार एक्टर के आने की खबर है.

एक रिपोर्ट के अनुसार, सुपरस्टार सलमान खान 'सिंघम 3' में कैमियो करने वाले हैं. रोहित शेट्टी की फिल्म में सलमान 'दबंग' फ्रैंचाइजी के अपने सुपरहिट कॉप अवतार, चुलबुल पांडे के रोल में नजर आएंगे.

'दबंग' फ्रैंचाइजी में सलमान इंस्पेक्टर चुलबुल पांडे के किरदार में बड़े पर्दे पर धमाका कर चुके हैं. उन्होंने तीन फिल्मों में ये किरदार निभाया है, जिसमें से लास्ट फिल्म 'दबंग 3' 2019 में रिलीज हुई थी. हालांकि, पहली दो फिल्मों के मुकाबले तीसरी फिल्म को ऑडियंस से पहले जैसा जबरदस्त रिस्पॉन्स नहीं मिला था. लेकिन अगर रोहित शेट्टी उनके किरदार को अपनी फिल्म में लेकर आ रहे हैं तो ऑडियंस उम्मीद कर सकती है कि बड़े पर्दे पर चुलबुल पांडे को एक खास ग्रैंड ट्रीटमेंट मिलने वाला है.

सलमान ने कैमियो के लिए नहीं ली फीस

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि रोहित शेट्टी ने सलमान को अपनी एक्शन फिल्म में एक खास कैमियो के लिए राजी कर लिया है. सलमान ने रोहित की रिक्वेस्ट के लिए बड़ा दिल दिखाया है और उन्होंने इस कैमियो के लिए कुछ फीस भी नहीं चार्ज की है. बता दें, 'सिंघम 3' दिवाली के मौके पर थिएटर्स में रिलीज हो रही है और इसके साथ कार्तिक आर्यन की कॉमेडी हॉरर फिल्म 'भूल भुलैया 3' भी रिलीज होगी. इस क्लैश को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा है और हाल ही में खबर आई थी कि कार्तिक ने रोहित शेट्टी से 'सिंघम 3' को टालने की रिक्वेस्ट की है, जिसपर रोहित और उनकी टीम विचार कर रही है. मगर एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया कि 'सिंघम 3' मेकर्स ने अपनी फिल्म नहीं टाली है. एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि रोहित शेट्टी की फिल्म अपनी ऑफिशियल रिलीज डेट के साथ ही आगे बढ़ रही है और ये 1 नवंबर को ही थिएटर्स में रिलीज होगी.

अमिताभ ने शशि कपूर से सीखी थी ये खास बात

बिग बी ने केबीसी में बताया अनजान लोगों से मिलने का खास तरीका

कौन बनेगा करोड़पति 16वें सीजन पर शो के प्रशंसकों की निगाह बनी रहती है। इस शो में बातचीत के दौरान अमिताभ बच्चन अपनी निजी और कामकाजी जिंदगी से जुड़े किस्से साझा करते रहते हैं। केबीसी के हालिया एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने अपने जीवन से जुड़े किस्से साझा किए हैं। केबीसी शो में प्रतिभागियों से बातचीत के दौरान बिग बी ने बताया कि कैसे हम किसी अजीबोगरीब स्थिति से बच सकते हैं।

अजीबोगरीब स्थिति से कैसे निपटना है इसको लेकर केबीसी 16 में शो के दौरान अमिताभ बच्चन ने कहा, 'कई बार ऐसा होता है, हम कहीं जाते हैं, कोई आ जाता है मिलने के लिए और ऐसे मुस्कुराते हुए मिलेंगे कि लगेगा हम उसकी जान पहचान के हैं और हमको याद भी नहीं होता और हम भूल गए होंगे'। इस पर हमें क्या प्रतिक्रिया देनी चाहिए इस बारे में बिग बी ने आगे बताया है , जिससे बिग बी फैंस को अच्छी सीख मिली है।

शशि कपूर जी से सीखी ये बात

शशि कपूर जी के ये आदत बहुत बढ़िया थी, हमने उनसे सीखा। कोई भी आ जाए और आपको लगे हम इसका नाम नहीं जानते हैं, तो वो अपना नाम पहले बता देंगे, 'हैलो, मैं शशि कपूर हूं।' तो जैसा ये बोलेगा, तो उधर से वो अपना नाम बोल देगा। (शशि कपूर जानते थे कि ऐसी स्थिति को कैसे संभालना है। वह पहले अपना परिचय देते हुए कहते थे, 'हैलो, मैं शशि कपूर हूं। इससे दूसरा व्यक्ति अपना नाम साझा करने के लिए बाध्य महसूस करेगा)'।

कल्कि ए डी फिल्म में नजर आए थे अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन अपनी आगामी फिल्म वैट्टैयन में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म कल्कि एडी 2898 में नजर आए थे। अमिताभ बच्चन साल 2000 से कौन बनेगा करोड़पति शो से जुड़े हुए हैं।

अब रजनीकांत की 'वेट्टैयन' के साथ नहीं भिड़ेगी सूर्या की 'कंगुवा' फिल्म

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 'कंगुवा' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वे लगातार फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी पाने के लिए उत्सुक रहते हैं। अब इस फिल्म को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। यह फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह तय समय पर रिलीज नहीं होगी। निर्माताओं ने इसकी रिलीज की तारीख को आगे खिसका दिया है, जिससे सूर्या के प्रशंसक निराश हो गए हैं। निर्देशक सिरुथाई शिवा की सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पटानी अभिनीत फिल्म 'कंगुवा' की रिलीज डेट बदल दी गई है। यह फैंटेसी-एक्शन फिल्म पहले 10 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी। अब यह फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माताओं ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा करते हुए इसका एलान किया है।कंगुवा अब नवंबर में रिलीज होगी। इसकी घोषणा करते हुए फिल्म के निर्माता स्टूडियो ग्रीन ने एक्स पर लिखा, 'गर्व और गौरव की लड़ाई, जिसे दुनिया देखेगी। कंगुवा का शक्तिशाली शासन 14 नवंबर 2024 से स्क्रीन पर धूम मचाएगा।' दरअसल, इससे पहले 'कंगुवा' 10 अक्तूबर को टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी रजनीकांत अभिनीत 'वेट्टैयन' के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराने वाली थी, लेकिन इस टकराव से बचने के लिए फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया गया था।

जान्हवी कपूर ने खुशी की रील देखकर कसा तंज

जान्हवी कपूर की नई फिल्म देवरा रिलीज होने वाली है। इसमें उनकी और जूनियर एनटीआर की जोड़ी देखने को मिलेगी। जान्हवी अपनी फिल्म का जमकर प्रचार कर रही हैं। इसी बीच, उनकी दोस्त और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मुस्कान ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो साझा किया, जिसमें खुशी कपूर भी नजर आ रही हैं। इस वीडियो पर जान्हवी ने एक कमाल का कमेंट किया है।

इस वजह से मेरी फिल्म के सेट पर देरी से आईं

मुस्कान ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वो और खुशी तैयार होती दिख रही हैं। इस वीडियो पर मजाकिया अंदाज में तंज कसते हुए जान्हवी कपूर ने लिखा कि यही वजह है कि तुम मेरी फिल्म के सेट पर देर से आईं। इस पर जवाब देते हुए मुस्कान ने हंसी वाले इमोजी शेयर किए।

खुशी ने कमेंट किया - चुड़ैल

जान्हवी के अलावा उनकी बहन खुशी भी कमेंट करने से पीछे नहीं रही। उन्होंने दोस्त की टांग खिंचाई करते हुए कमेंट कर लिखा- चुड़ैल। इस पर मुस्कान ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा ज्यादा स्मार्ट मत बनो। तीनों के बीच हुई इस मजाक-मस्ती को देखकर इनके फैंस काफी खुश नजर आए। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने खुशी और मुस्कान की तारीफ भी की।

खुशी और जान्हवी की आगामी फिल्में

खुशी कपूर की बात करें तो वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ एक रोमांटिक फिल्म कर रही हैं। इसका निर्देशन अद्वैत चंदन कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले लाल सिंह चड्ढा भी बनाई थी। फिल्म 7 फरवरी, 2025 को रिलीज होगी। वहीं, देवरा के बाद जान्हवी कपूर शंशाक खेतान द्वारा निर्देशित सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में दिखाई देंगी। इसमें वरुण धवन और रोहित सराफ समेत कई कलाकारों ने काम किया है। इसे 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज किया जाएगा।

नेपोटिज्म के कारण रकुल प्रीत सिंह ने खोई कई फिल्में, खुलासा कर बोलीं- यह मेरे लिए नहीं था

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के पावर कपल में से एक हैं। फैंस को इनकी जोड़ी बेहद पसंद है। अभिनेत्री अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। अब रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में नेपोटिज्म की बहस के बारे में अपनी राय साझा की है और कहा है कि इसके चलते अभिनेत्री ने कुछ प्रोजेक्ट्स भी खो दिए हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने 2014 की फिल्म यारियां से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने दे दे प्यार दे, रनवे 34, डॉक्टर जी, थैंक गॉड और छतरीवाली जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया है। रकुल अब अजय देवगन और आर माधवन के साथ दे दे प्यार दे 2 की तैयारी कर रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में भाई-भतीजावाद के बारे में बात की और चर्चा की कि उन्हें अपने करियर में फिल्में खोने पर दुख क्यों नहीं होता।

रणवीर शो में रकुल प्रीत सिंह ने नेपोटिज्म पर अपनी राय व्यक्त की और स्वीकार किया कि उन्होंने फिल्में खो दी हैं। रकुल ने याद किया कि जब वह सेना में शामिल होना चाहती थी, तो उनके पिता अपना अनुभव साझा करते थे। अभिनेत्री को कड़वाहट पसंद नहीं है क्योंकि उनका मानना है कि वे प्रोजेक्ट उनके लिए नहीं थे। रकुल ने कहा, मुझे सेना में जाना था, मेरे पिताजी मुझसे अपने अनुभव साझा करते थे। इसलिए भाई-भतीजावाद, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचती। हां, ये होता है, फिल्में ली गई हैं, लेकिन मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो कड़वा होकर बैठ जाएगी। हो सकता है कि यह मेरे लिए नहीं था।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि अवसर खोना तय है और आप तभी आगे बढ़ सकते हैं, जब आप इसे समझेंगे। रकुल ने मेडिकल इंडस्ट्री का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई डॉक्टर बोर्ड में शामिल नहीं हो पाता है और किसी और को वहां भेजा जाता है, तो यह जीवन का एक हिस्सा है।

'लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या...' सलमान खान के पिता को मिली धमकी, बुर्के में स्कूटी से आई महिला बोली

सलमान के पिता सलीम खान को फिर से धमकी मिली है. सलीम खान रोज की तरह 18 सितंबर की सुबह मॉर्निंग वॉक कर रहे थे. तभी गैलेक्सी की तरफ से बैंडस्टैंड की तरफ स्कूटी पर एक आदमी जा रहा था और उसके पीछे एक बुर्का पहने महिला बैठी थी. उसने सलीम खान के पास आकर कहा कि लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या?

बॉलीवुड से एक चौंकाने वाली खबर आई है. सलमान खान के परिवार को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्ननोई ने एक बार फिर डराने की कोशिश की है. दबंग खान के पिता सलीम खान को मॉर्निंग वॉक के दौरान किसी अनजान महिला ने बुर्के में आकर धमकी दी है.

सलीम खान को मिली धमकी

सलीम खान रोजाना की तरह 18 सितंबर की सुबह मॉर्निंग वॉक कर रहे थे. जब वो बेंच पर बैठे हुए थे. उसी समय गैलेक्सी की तरफ से बैंडस्टैंड की तरफ स्कूटी पर एक आदमी जा रहा था और उसके पीछे एक बुर्का पहने महिला बैठी थी. उसने यू-टर्न लिया और सलीम खान के पास आकर कहा कि "लॉरेंस बिश्नोई को भेजूं क्या?" स्कूटी का नंबर 7444 था. पुलिस उस स्कूटी वाले व्यक्ति की तलाश कर रही है. सीसीटीवी कैमरे में कैद इस फोटो में बाइक सवार शख्स और महिला को बुर्के में देखा जा सकता है.

मुंबई से बाहर हैं सलमान खान

मालूम हो, सलमान अभी शहर में नहीं हैं. बीती रात उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर टाइट सिक्योरिटी के बीच देखा गया था. काफी संभावनाएं हैं सलमान अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग के सिलसिले में बाहर गए हों. जिस वक्त एक्टर शहर में नहीं हैं, उस दौरान लॉरेंस बिश्ननोई का उनके पिता सलीम खान यूं धमकी देना, भाईजान के फैंस को परेशान कर रहा है. ये पहली बार नहीं है जब गैंगस्टर की तरफ से सलमान खान के परिवार को धमकी दी गई है. सालों से ये सिलसिला चल रहा है.

सलमान के पीछे पड़ा बिश्नोई गैंग

कई सालों से बिश्नोई गैंग सलमान पर अटैक करने की फिराक में है. लॉरेंस बिश्नोई और भारत-कनाडा से वांटेड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कई दफा सलमान को मारने का ऐलान किया है. उनकी ये कोशिश अभी तक कामयाब नहीं हो पाई है. उन्होंने मुंबई में सलमान पर हमले के लिए अपने शूटर भेजे थे. लॉरेंस का खास गैंगस्टर संपत नेहरा 2018 में गैलेक्सी अपार्टमेंट की रेकी करने आया था. हमले को अंजाम देने के पहले हरियाणा पुलिस ने नेहरा को गिरफ्तार कर लिया था. उसने पूछताछ में सलमान खान पर हमले की पूरी प्लानिंग का खुलासा किया था.

पनवेल फार्म हाउस में घुसने की कोशिश-भेजे धमकी भरे मेल

जनवरी 2024 में सलमान के पनवेल स्थित फार्म हाउस में दो लोगों ने जबरन घुसने की कोशिश की थी. वे तार तोड़कर अंदर घुसने जा रहे थे, तभी सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया था. इससे पहले सलमान को 18 मार्च 2023 को धमकी भरा ईमेल आया था. जिसमें लिखा था गोल्डी बराड़ सलमान से फेस टू फेस बात करना चाहता है. 10 अप्रैल को फिर धमकी भरा कॉल आया. उसमें कहा कि 30 अप्रैल को सलमान को खत्म कर देंगे. गोल्डी बराड़ ने आज तक को दिए इंटरव्यू में कहा था कि सलमान उनके टारगेट पर है, अगर मौका मिलेगा तो वो एक्टर को जरूर मारेंगे.

फिल्म /टीवी

जूनियर एनटीआर ने किया खुलासा, बताया- जान्हवी और सैफ अली खान को क्यों किया गया देवरा पार्ट-1 में कास्ट

अभिनेता जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की फिल्म देवरा पार्ट 1 इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसके अतिरिक्त यह परियोजना दो बेहद सफल बॉलीवुड अभिनेताओं जान्हवी कपूर और सैफ अली खान की दक्षिण सिनेमा की शुरुआत भी है। देवरा के प्री-रिलीज इवेंट में जूनियर एनटीआर ने इस बात का खुलासा किया कि ऐसी कास्टिंग के पीछे क्या कारण था।

'आरआरआर' की तरह ही कुछ नया करने की थी सोच

जूनियर एनटीआर ने बताया कि देवरा की टीम वास्तव में उनकी पिछली फिल्म आरआरआर की तरह कुछ नया बनाना चाहती थी, जिसने वैश्विक स्तर पर बड़ी जीत हासिल की। वास्तव में, एसएस राजामौली निर्देशित फिल्म की तरह अभिनेता चाहते थे कि देवरा एक ऐसी फिल्म हो जो 'पूरे देश में गूंजेगी'। जूनियर एनटीआर ने फिल्म देवरा में जान्हवी के किरदार को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि निर्माता करण जौहर ने जाह्नवी का नाम सुझाया। हालांकि, काफी समय से इस भूमिका के लिए किसे कास्ट किया जाए इस बारे में सोचा जा रहा था। फिल्म की स्क्रिप्ट लिखते समय हमने किसी भी महिला किरदार के बारे में नहीं सोचा था लेकिन करण जौहर ने फोन कर कहा कि जान्हवी फिल्म में अच्छा कर सकती हैं, फिर हमने उन्हें चुना।

अपने किरदार को लेकर डर रही थीं जान्हवी

एनटीआर से जब जान्हवी के किरदार को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'हां, उसके अंदर बहुत डर और तनाव था। वह तेलुगु कैसे बोलेगी? वह तेलुगु में अपना प्रदर्शन कैसे करेगी? वह कैसे नृत्य करेगी, और सबसे महत्वपूर्ण बात, क्या वह श्रीदेवी की विरासत को जीने में सक्षम होगी? लेकिन उसने अपने प्रदर्शन से हमें चौंका दिया'।

सैफ अली खान को कास्ट करने के पीछे ये कारण

जूनियर एनटीआर ने सैफ अली खान को विलेन के रूप में फिल्म में कास्ट किए जाने को लेकर कहा कि सैफ अपनी पुरानी फिल्म ओमकारा के लंगड़ा त्यागी के किरदार जैसी ही दमदार भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा, 'हम लंगड़ा त्यागी जैसा कोई किरदार बनाना चाहते थे। कहानी में उनकी मजबूत उपस्थिति होगी'। बता दें फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नकली हंसी पर ट्रोल हुईं अर्चना पूरन सिंह

जवाब में कहा- मैं समझदार और पढ़ी-लिखी हूं, कॉमेडी की भी अच्छी समझ रखती हूं

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का दूसरा सीजन जल्द ही शुरू होने वाला है। पहले सीजन को ऑडियंस से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। शो की जज अर्चना पूरन सिंह, जो अपनी हंसी और मस्ती के लिए जानी जाती हैं, सोशल मीडिया पर फेक लाफ के आरोपों का सामना भी कर चुकी हैं। इन ट्रोल्स और शो के बारे में अर्चना ने दैनिक भास्कर से बातचीत की और अपनी बात रखी।

कॉमेडी की अच्छी समझ रखती हूं

अर्चना ने कहा, 'पहले शो 'कॉमेडी सर्कस' में मेरा लाफ्टर कुछ कमजोर पंच पर डाल दिया जाता था, जिससे लोगों को ऐसा लगने लगा कि मैं किसी भी जोक पर हंसने लगती हूं। मेरी हंसी नकली है। लेकिन ऐसा नहीं है। मैं एक समझदार और पढ़ी-लिखी औरत हूं। कॉमेडी की अच्छी समझ रखती हूं। अगर आप कपिल शर्मा शो देखेंगे, तो एक भी जगह ऐसा नहीं होगा कि कोई मजाक फनी नहीं हो और फिर भी मैं हंस रही हूं।'

शो वाकई में मजेदार है

अर्चना ने आगे कहा, 'लोग ट्रोल करते हैं, पर मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। शो वाकई में मजेदार है। मेरा काम ये है कि मैं हर किरदार को सराहूं क्योंकि इसमें बहुत मेहनत लगी होती है। मेरे लिए हंसना, मुस्कुराना और एक्ट को दिल से एन्जॉय करना इस काम का हिस्सा है।'

कपिल शर्मा शो का जो बेसिक ढांचा है, वो वही रहेगा

पहले सीजन को मिली-जुली प्रतिक्रियाओं पर अर्चना ने कहा, 'देखिए, कपिल शर्मा शो का जो बेसिक ढांचा है, वो वही रहेगा। ये शो का फॉर्मेट है। अब अगर ऑडियंस बोल रहे हैं कि ये पुराना लग रहा है, तो नया लाने के लिए हम कहां से कुछ बिल्कुल अलग लाएं? पिछले सीजन में हमने सबसे बड़ा सरप्राइज- सुनील ग्रोवर लाया। लोग सवाल करते हैं कि 'इस सीजन में नया क्या है?' और 'आप कुछ नया क्यों चाहते हैं?' इसका जवाब यहीं है कि ऑडियंस कपिल शर्मा शो देखना चाहते हैं, तो उसकी अपनी कुछ बुनियाद है, कुछ पिलर्स हैं, जो बहुत अच्छे से काम करते हैं।'

अर्चना ने आगे बताया कि शो में कुछ नया और पुराना बैलेंस करना कितना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'हम कई बार लोगों से मिलते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि 'वो करो जो पहले करते थे, हमें वही चाहिए।' वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग कहते हैं, 'नया करो।'

पत्नी कैटरीना कैफ की पोस्ट पर कमेंट कर बोले विक्की कौशल, 'मेरे साथ कब काम करोगी'

अभिनेता विक्की कौशल और कैटरीना कैफ बॉलीवुड के चहेते कपल स्टार्स में से एक हैं। प्रशंसक अपने फेवरेट स्टार्स को लेकर हमेशा उत्साहित रहते हैं। सोशल मीडिया पर दोनों एक बार फिर चर्चा में हैं। विक्की कौशल अपनी पत्नी कैटरीना के साथ कोलैबोरेट करने के लिए उत्साहित हैं। कैटरीना की हाल ही पोस्ट में विक्की कौशल ने कमेंट किया है।

कैटरीना कैफ ने ब्यूटी इंडस्ट्री में मशहूर नाम हुदा कट्टन के साथ मिलकर उनके ब्रांड के बारे में एक इंटरव्यू दिया। बॉलीवुड अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बातचीत पोस्ट करते हुए लिखा, #कायमेटहुडा। कैटरीना कैफ की इस पोस्ट पर विक्की कौशल ने कमेंट किया है। 'कायमेटकौशल... कब?' यानी कैटरीना विक्की कौशल के साथ कब काम करेंगी। इस पर फैंस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

प्रशंसकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

विक्की कौशल के इस कमेंट पर प्रशंसकों ने कई सारे कमेंट किए हैं। एक यूजर ने कहा, 'हमें यह सहयोग देखना अच्छा लगेगा' जबकि दूसरे ने उन्हें 'क्यूटीज' कहा। एक उपयोगकर्ता ने कहा, 'अरे, आपकी टिप्पणी पढ़ने के बाद मैं बहुत शरमा गया'। एक अन्य टिप्पणी में लिखा था, 'अगर ऐसा होता है तो इसका इंतजार कर रहा हूं'।

कैटरीना के साथ काम करने को लेकर बोले विक्की

विक्की कौशल से पत्नी कैटरीना के साथ फिल्म करने को लेकर प्रश्न पूछा गया था। इस दौरान विक्की ने कहा, 'हम भी ऐसी कहानी की तलाश में हैं, लेकिन हम ऐसी फिल्म नहीं करना चाहते जो सिर्फ हमें साथ लेकर बनाई जाए। हमारी जोड़ी कहानी की मांग के हिसाब से होनी चाहिए, तभी मजा आएगा। हम इंतजार कर रहे हैं और हमें इसके लिए कोई जल्दी नहीं है'।

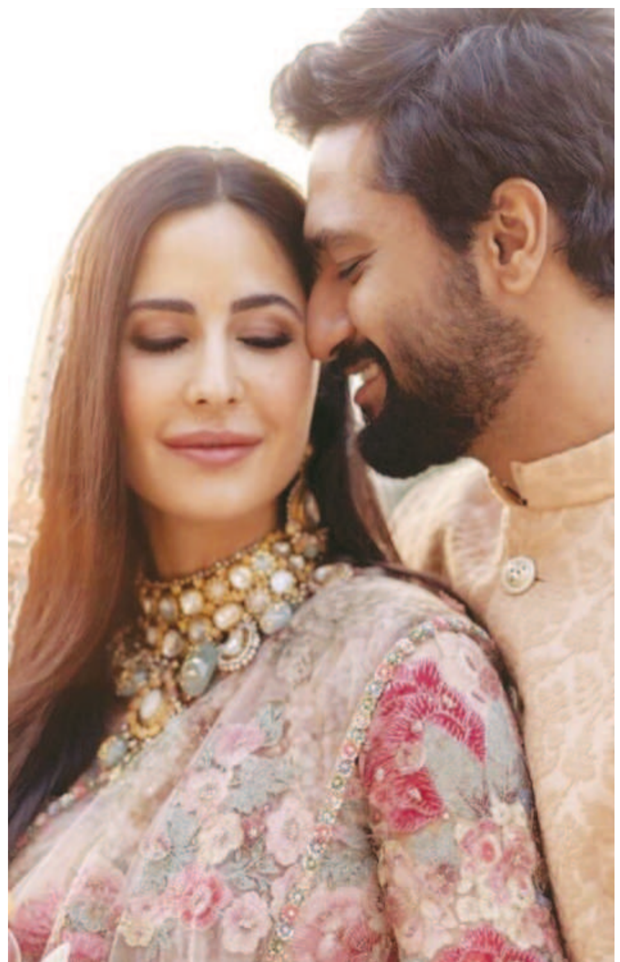

इन फिल्मों में नजर आएंगे विक्की कौशल

वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्की कौशल अपनी फिल्मों 'छावा' और 'लव एंड वॉर' की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच, कैटरीना कैफ, जिन्हें आखिरी बार मैरी क्रिसमस में देखा गया था, उनकी लाइनअप में रोड ट्रिप फिल्म जी ले जरा है।

'कोई भी शादी नहीं करना चाहेगा', जब बॉलीवुड में आई तृप्ति, तब माता-पिता ने सुने थे ये ताने

फिल्म 'एनिमल' से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याति मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म 'एनिमल' में 'भाभी 2' के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने सिल्वर स्क्रीन तक पहुंचने के अपने सफर में आने वाले उतार-चढ़ाव के बारे में बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

कैटरीना कैफ के ब्रांड के ब्यूटी ब्रांड कैटरीना के यूट्यूब चैनल पर एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने अपने खिलाफ किए गए कमेंट को याद किया और बताया कि कैसे कई लोगों ने उन्हें नीचे गिराने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा, मैं उत्तराखंड से हूं, लेकिन मेरा जन्म और पालन-पोषण दिल्ली में हुआ। इसलिए मेरे माता-पिता और परिवार दिल्ली में हैं... जब मैं बॉम्बे (मुंबई) आई, तो मेरे लिए यह मुश्किल था, आप जानते हैं, हर दिन एक कमरे में 50-60 से अधिक लोगों के सामने जाना। समाज में और मेरे परिवार में भी ऐसे लोग हैं जिन्होंने मेरे माता-पिता से बुरी बातें कहीं।

जैसे, 'आपने अपनी बेटी को इस प्रोफेशन में क्यों भेजा? वह बिगड़ जाएगी। वह गलत लोगों के साथ घूमेगी, वह अपने लिए गलत चुनाव करेगी, कोई भी उससे शादी नहीं करना चाहेगा, वह अभी शादी नहीं करेगी।

पिता को हुआ था गर्व

उन्होंने कहा, ₹एक समय ऐसा भी था, जब मैं उलझन में थी क्योंकि आप जानते हैं, जब आप उठते हैं और कोई काम नहीं होता तो आप उम्मीद खो देते हैं, लेकिन एक बात मुझे पता थी कि मैं अपने माता-पिता के पास वापस नहीं जा सकती थी और उन्हें यह नहीं बता सकती थी कि नहीं, मैंने यह नहीं किया है।'

तृप्ति ने यह भी बताया कि कैसे उनकी पहली फिल्म लैला मजनू की रिलीज के बाद उनके माता-पिता को उन पर गर्व हुआ था, उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उन्हें फोन किया और वे बहुत खुश थे।

अदनान सामी का बॉलीवुड कमबैक रुका!

राजकुमार राव के कहने पर रिप्लेस किए गए सिंगर, 9 साल बाद करने वाले थे कमबैक

बीते कई दिनों से फिल्मी गलियारों में सुर्खियां थीं कि अदनान सामी जल्द ही बॉलीवुड में कमबैक करने वाले हैं। रिपोर्ट्स थीं कि अदनान अपकमिंग फिल्म विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो से म्यूजिकल कमबैक करेंगे, हालांकि राजकुमार राव के कहने पर उन्हें गाने से रिप्लेस कर दिया गया है।

इंडिया डॉट कॉम ने फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों के हवाले से बताया है, टी-सीरीज ने राजकुमार राव स्टारर अपकमिंग फिल्म के लिए अदनान सामी को अप्रोच किया था। वो गाना राजकुमार राव पर फिल्माया जा चुका था। इसके बाद म्यूजिक डायरेक्टर की जोड़ी

सचिन-जिगर ने अदनान सामी को गाने के लिए अप्रोच किया था। अदनान ने गाने की रिकॉर्डिंग भी कर ली थी, लेकिन जब गाने का फाइनल आउटपुट आया तो राजकुमार इससे खुश नहीं थे। राजकुमार का मानना था कि उनके लुक और लिपसिंक से अदनान सामी की हाईपिच और वोकल स्टाइल मैच नहीं कर रही है।

इसके बाद राजकुमार राव ने म्यूजिक डायरेक्टर्स पर सिंगर बदलने का दबाव बनाया। जबकि म्यूजिक डुओ सचिन-जिगर ने पहले ही अदनान सामी के साथ गाने की अनाउंसमेंट कर दी थी। राजकुमार राव के दबाव पर मेकर्स को सिंगर बदलना पड़ा।

बताते चलें कि राजकुमार राव स्टारर फिल्म विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इस फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी लीड रोल में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म को राज शांडिल्य ने डायरेक्ट किया है। फिल्म के म्यूजिक कंपोजर सचिन जिगर हैं।

आर्यन खान की सीरीज में हुई सलमान खान की कास्टिंग

शाहरुख के साथ कैमियो रोल में नजर आएंगे, एक्टर ने स्टारडम के लिए पूरी की शूटिंग

ब्लॉकबस्टर हिट पठान के बाद सलमान खान जल्द ही शाहरुख खान के साथ अपकमिंग सीरीज में कैमियो करते नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स हैं कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज में सलमान की कास्टिंग की है।

हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान, आर्यन खान के डायरेक्शन में बन रही सीरीज के एक एपिसोड में नजर आने वाले हैं। कास्टिंग होने के बाद सलमान खान ने सीरीज के एपिसोड की शूटिंग भी पूरी कर ली है। इस सीरीज में शाहरुख खान भी नजर आने वाले हैं। हालांकि अब तक ये साफ नहीं है कि शाहरुख और सलमान स्क्रीन शेयर करेंगे या नहीं।

रिपोर्ट में सीरीज से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि जब सलमान खान को सीरीज का ऑफर मिला, तो उन्होंने बिना समय गंवाए इसके लिए हामी भर दी थी। सलमान

खान, शाहरुख और उनके परिवार से बेहद क्लोज हैं। वो आर्यन खान के डायरेक्टोरियल डेब्यू को सपोर्ट कर काफी खुश हैं।

बताते चलें कि शाहरुख खान और गौरी खान के बेटे आर्यन जल्द ही बॉलीवुड में डायरेक्टोरियल डेब्यू करने वाले हैं। 26 साल के आर्यन सीरीज स्टारडम बना रहे हैं, जिसे हिंदी सिनेमा के बैकड्राप में बनाया जा रहा है। इस सीरीज में शाहरुख खान भी कैमियो करने वाले हैं। हालांकि कुछ दिनों पहले कोईमोई में छपी एक खबर में दावा किया जा रहा था कि आर्यन खान सीरीज से पिता का कैमियो हटाना चाहते हैं। आर्यन नहीं चाहते हैं कि सीरीज पर कोई ये कहे कि उन्हें स्टारकिड होने का फायदा मिला है।

सीरीज बनने से पहले ही ठुकराया 120 करोड़ का ऑफर

कुछ समय पहले ही आर्यन खान को एक ओटीटी प्लेटफॉर्म की तरफ से 120 करोड़ का ऑफर मिला था। एक ओटीटी प्लेटफॉर्म सीरीज के स्ट्रीमिंग राइट्स खरीदना चाहता था, हालांकि आर्यन ने ये ऑफर ठुकरा दिया था। आर्यन का कहना है कि जब तक वो सीरीज का फाइनल आउटपुट नहीं देख लेते, तब तक इसे नहीं बेचेंगे।

छुटपन से ही सिखाएं निवेश का ककहरा

एनपीएस वात्सल्य योजना का खाता खुलवाने की पात्रता क्या है

नई दिल्ली,19 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कल यानी बुधवार को नाबालिगों के लिए भी एनपीएस अकाउंट खोलने की सुविधा दे दी। इस योजना का नाम एनपीएस वात्सल्य रखा गया है। इस योजना को शुरू करने की घोषणा इसी साल के बजट में की गई थी। हम यहां बता रहे हैं इस योजना के बारे में सबकुछ।

क्या है एनपीएस वात्सल्य योजना?

एनपीएस वात्सल्य पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा रेगुलेटेड और एडमिनिस्टर्ड बचत सह पेंशन योजना है। आसान शब्दों में कहें तो जैसे 18 साल से बड़े व्यक्तियों का एनपीएस खाता खुलता है, उसी तरह अब 18 साल से कम उम्र के मतलब नाबालिगों का भी एनपीएस खाता खुल सकता है।

इस योजना में खाता खुलवाने की पात्रता क्या है?

इस योजना में अब 18 वर्ष से भी कम आयु के सभी व्यक्ति इस योजना में खाता खुलवा सकते हैं। हालांकि नाबालिगों के नाम पर खोले गए खातों के ऑपरेशन का अधिकार उनके अभिभावक को मिलेगा। लेकिन इस योजना का एकमात्र लाभार्थी वही नाबालिग होगा, जिनके नाम पर खाता खोला गया है।

कहां खुलेगा एनपीएस वात्सल्य खाता?

यह खाता पीएफआरडीए के साथ रजिस्टर्ड प्वाइंट ऑफ प्रजेंस के माध्यम से ऑनलाइन या ऑफलाइन मोड में खोला जा सकता है। इनमें देश के प्रमुख बैंक, इंडिया पोस्ट, पेंशन फंड आदि शामिल हैं। आप इन प्वाइंट ऑफ प्रजेंस की सूची पीएफआरडीए की वेबसाइट पर भी देख सकते हैं।

खाता खोलने के लिए जरूरी कागज क्या होंगे?

जिस बच्चे के नाम पर एनपीएस वात्सल्य अकाउंट खोलना है, सबसे पहले उसका जन्म प्रमाणपत्र देना होगा। यदि आपके पास नगरपालिका या नगर निगम का बर्थ सर्टिफिकेट नहीं है तो स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट, पैन कार्ड और पासपोर्ट आदि भी पेश कर सकते हैं।

कम से कितने पैसे जमा करने होंगे?

इस खाते को खोलने के लिए साल में कम से कम 1,000 रुपये कानिवेश करना होगा। इससे ज्यादा रकम जमा करने की कोई सीमा नहीं है। आप जितना पैसा चाहें, इस अकाउंट में जमा कर सकते हैं। आप इस बात को जान लीजिए कि निवेश में जिस तरह की चॉइस एनपीएस खाते में मिलती है, वही चॉइस एनपीएस वात्सल्य में भी होगी।

पैसे कैसे निकलेंगे?

इसमें जब आप किसी बच्चे का खाता खुलवाते हैं तो उसे कम से कम तीन साल तक चलाना होगा। मतलब कि इसमें 3 साल की लॉक-इन अवधि है। इस पीरियड के बीतने के बाद और बच्चे के 18 साल तक की उम्र तक पहुंचने से पहले 25 फीसदी की रकम निकाल सकते हैं। लेकिन पैसे की निकासी का उद्देश्य शिक्षा या किसी बीमारी का इलाज होना चाहिए। जैसे ही खातधारक की उम्र 18 साल की होगी, तो रकम निकालने में कुछ और छूट मिल जाती है। उस वक्त यदि कुल जमा राशि ढाई लाख रुपये से कम है तो उसे पूरा निकाला जा सकता है।

अमेरिका ने 4 साल बाद हिम्मत दिखाई, क्या आरबीआई कम करेगा लोन ईएमआई?

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। फेड ने ब्याज दरों को कम करना शुरू कर दिया है. फेड ने बुधवार को चार साल के बाद ब्याज दरों में कटौती की है. अमेरिकी सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है. अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या भारत का सेंट्रल बैंक अक्टूबर या दिसंबर में से किसी एक महीने में कटौती करेंगे. वहीं यूएस फेड की भी दो मीटिंग अभी बाकी है. जिसमें फेड चीफ ने इशारा कि साल के अंत तक 0.50 बेसिस प्वाइंट और साल 2025 में एक फीसदी की कटौती करने का भरोसा जताया है. वहीं दूसरी ओर आरबीआई मार्च 2025 ब्याज दरों कोई कटौती ना करने के बारे में विचार कर रहे हैं. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के सबसे बड़ें लेंडर एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने किस ओर इशारा किया है.

एसबीआई ने क्या की भविष्यवाणी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अध्यक्ष सीएस सेट्टी ने कहा है कि फूड इंफ्लेशन पर अनिश्चितता को देखते हुए रिजर्व बैंक 2024 के दौरान बेंचमार्क पॉलिसी रेट में ढील देने की संभावना नहीं है. एसबीआई चीफ ने कहा कि ब्याज दर के मोर्चे पर, बहुत सारे सेंट्रल बैंक स्वतंत्र निर्णय ले रहे हैं. जबकि फेड की ओर से की गई ब्याज दर में कटौती हर किसी को प्रभावित करेगी, आरबीआई ब्याज दर में कटौती पर निर्णय लेने से पहले खाद्य मुद्रास्फीति को ध्यान में रखेगा. उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि चालू कैलेंडर वर्ष के दौरान ब्याज दर में कटौती नहीं हो सकती है, शायद हमें वित्त वर्ष की चौथीतक इंतजार करना पड़ सकता है, जब तक कि फूड इंफ्लेशन को लेकर को सुधार ना देखने को मिले.

लगातार दो महीने महंगाई 4 फीसदी से नीचे

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) 7-9 अक्टूबर के दौरान बैठक करने वाली है और ब्याज दर पर फैसला लेगी. अगर बात मौजूदा समय में खुदरा महंगाई की करें तो 3.65 फीसदी देखने को मिली है. जबकि जुलाई में यही आंकड़ा 3.54 फीसदी देखने को मिला था. इसका मतलब है कि लगातार दो महीने तक महंगाई दर 4 फीसदी से नीचे देखने को मिली है. खास बात तो ये है कि आरबीआई के औसत लक्ष्य 4 प्रतिशत से नीचे है. हाई फूड इंफ्लेशन के रिस्क के बीच आरबीआई ने अगस्त की एमपीसी में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है.

फरवरी 2023 से कोई बदलाव नहीं

खास बात तो ये है कि आरबीआई एमपीसी ने फरवरी 2023 से ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है. रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर रखा है. यह लगातार नौवीं एमपीसी बैठक थी जिसमें ब्याज दरों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला. पिछली बैठक में, एमपीसी के छह सदस्यों में से चार ने यथास्थिति के पक्ष में मतदान किया, जबकि दो बाहरी सदस्यों ने दर में कटौती की वकालत की. इस सप्ताह की शुरुआत में, रिजर्व बैंक के गवर्नर दास ने भी कहा था कि ब्याज दर में कटौती का फैसला लॉन्गटर्म महंगाई पर बेस्ड होगा, न कि मासिक आंकड़ों के आधार पर.

यूरोप कर चुका है दो बार कटौती

वहीं दूसरी ओर यूरोपीयन सेंट्रल बैंक भी ब्याज दरों में दो बार कट कर चुका है. पहली बार जून के महीने में 0.25 फीसदी की कटौकी. अब हाल ही में यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने एक और 0.25 फीसदी कटौती की है. इसका मतलब है कि यूरोपियन सेंट्रल बैंक 0.50 फीसदी ब्याज दरों को कम कर दिया है. जोकि फेड ने एक ही बार में कर दिया. आने वाले कुछ दिनों में ब्रिटिश सेट्रल बैंक भी ब्याज दरों में कटौती कर सकता है. इसका असर दुनिया के बाकी देशो में भी देखने को मिल सकता है.

वंदे भारत के स्लीपर ट्रेन के दाम में हुई है 50% की बढ़ोतरी?

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य साकेत गोखले ने वंदे भारत के स्लीपर ट्रेन की कीमत के बारे में कुछ गंभीर आरोप लगाए हैं। सांसद का कहना है कि मोदी सरकार ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बनाने के लिए 58 हजार करोड़ रुपये के कांट्रेक्ट को संशोधित कर दिया है। इससे एक ट्रेन की कीमत 290 करोड़ रुपये से बढ़ कर 436 करोड़ रुपये हो गई है। यह विवाद बीते 16 सितंबर को तब शुरू हुआ जब सांसद ने 'एक्स' हैंडल पर वंदे भारत स्लीपर के बारे में एक पोस्ट किया। इसमें कहा गया था ₹मोदी सरकार ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बनाने के लिए 58,000 करोड़ के अनुबंध को संशोधित किया है। जिस ट्रेन की लागत पहले 290 करोड़ रुपये थी, अब उसकी लागत 436 करोड़ रुपये होगी। यह केवल एसी कोच वाली ट्रेन है जिसे गरीब लोग वहन नहीं कर सकते। वंदे भारत कांट्रेक्ट में इस 50% लागत वृद्धि से किसे लाभ हो रहा है? भारतीय रेलवे ने उनके दावों को गलत सूचना और फर्जी समाचार₹ के रूप में खारिज कर दिया। गोखले के दावों के जवाब में, रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि लागत में वृद्धि ट्रेन के कोच में बढ़ोतरी (16 से 24 कोच) के कारण हुई है, जबकि अनुबंध में कोचों की कुल संख्या को अपरिवर्तित रखा गया है। रेल मंत्रालय का कहना है कि यह समायोजन देश भर में ट्रेन यात्रा की बढ़ती मांग को समायोजित करने के लिए किया गया है। एक अन्य पोस्ट में, उन्होंने वित्तीय विसंगतियों पर विस्तार से बताया। इसमें कहा गया था कि 58,000 करोड़ रुपये के पहले आवंटित बजट को 200 ट्रेनों से संशोधित करके केवल 133 कर दिया गया था। गोखले के अनुसार, इस समायोजन के परिणामस्वरूप प्रति ट्रेन लागत में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। इस कथित घोटाले के संभावित लाभार्थियों के बारे में चिंताएं बढ़ गई है। सांसद ने आगे बताया कि रेलवे कांट्रेक्ट में रेल विकास निगम लिमिटेड और रूसी कंपनी मेट्रोवैगोनमैश सहित विभिन्न स्टेकहोल्डर्स शामिल हैं, जिन्हें 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के लिए कांट्रेक्ट दिया गया था। इसके अतिरिक्त, टीटागढ़ वैगन और बीएचईएल को 80 ट्रेनों के लिए अनुबंधित किया गया था। गोखले ने कहा कि ट्रेनों की डिलीवरी पर 26,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना था, रखरखाव के लिए अतिरिक्त 32,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिससे पता चलता है कि प्रति ट्रेन मैन्यूफैक्चरिंग कॉस्ट 130 करोड़ रुपये और मेंटनेंस कॉस्ट 160 करोड़ रुपये थी।

आज सोने में गिरावट, चांदी महंगी हुई : सोना 73,202 रुपए पर आया, चांदी 869 रुपए बढ़कर 88,275 रुपए प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 19 सितंबर को मामूली गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 55 रुपए गिरकर 73,202 रुपए पर आ गया। इससे पहले इसके दाम 73,257 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी में आज बढ़त है। ये 869 रुपए बढ़कर 88,275 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 87,406 रुपए पर थी। इस साल सोना मई में 74,222 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 29 मई को 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,600 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,450 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 68,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 74,450 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,450 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 68,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 74,450 रुपए है।

इस साल सोने में अब तक साढ़े 9 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार, इस साल अब तक सोने के दाम 9,850 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 73,202 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 88,275 रुपए पर पहुंच गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम कंपनियों के एजीआर से जुड़ी याचिका को किया खारिज, 20 फीसदी गिरा वोडाफोन आइडिया का शेयर

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। टेलीकॉम कंपनियों वोडाफोन आइडिया और इंडस टावर्स को सुप्रीम कोर्ट से जोर का झटका लगा है. सर्वोच्च न्यायालय ने इन कंपनियों के एजीआर बकाये पर कोर्ट के पुराने आदेश की समीक्षा करने की मांग वाली क्यूरेटिव याचिका को खारिज कर दिया है. वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल ने ये याचिका दायर की थी जिसमें दूरसंचार विभाग के एजीआर बकाये के कैलकुलेशन के तरीके पर सवाल खड़ा किया था.

वोडाफोन आइडिया 20 फीसदी फिसला

सुप्रीम कोर्ट के टेलीकॉम कंपनियों के क्यूरेटिव याचिका को खारिज करने के चलते वोडाफोन आइडिया और इंडस टावर के स्टॉक में बेहद तेज गिरावट देखने को मिली है. वोडाफोन आइडिया का स्टॉक 20 फीसदी तक नीचे जा लुढ़का. वोडाफोन आइडिया का शेयर करीब 20 फीसदी की गिरावट के साथ पिछले क्लोजिंग प्राइस 12.90 रुपये से गिरकर 10.36 रुपये पर जा गिरा. फिलहाल स्टॉक 15.58 फीसदी की गिरावट के साथ 10.89 रुपये पर ट्रेड कर रहा है. वोडाफोन आइडिया का शेयर 11 रुपये के अपने एफपीओ प्राइस से भी नीचे जा गिरा है.

इंडस टावर के शेयर में 15 फीसदी की गिरावट

इंडस टावर का शेयर पिछले क्लोजिंग से करीब 15 फीसदी की गिरावट के साथ 366.35 रुपये तक नीचे जा फिसला. फिलहाल इंडस टावर 9.67 फीसदी की गिरावट के साथ 386.85 रुपये पर कारोबार कर रहा है. हालांकि भारतीय एयरटेल का स्टॉक 2.50 फीसदी की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है.

जुलाई 2024 में कंपनियों ने दायर की थी याचिका

वित्तीय संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया पर वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर तक 70,320 करोड़ रुपये का एजीआर बकाया था. कंपनी ने जुलाई महीने में कोर्ट के 2019 के फैसले के खिलाफ क्यूरेटिव पेटीशन दाखिल करते हुए सुप्रीम कोर्ट से मामले की जल्द से जल्द सुनवाई की मांग की थी. वोडाफोन आइडिया ने अपनी याचिका में कोर्ट से कहा, कंपनी वित्तीय संकट से जूझ रही है और इसके अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है. कोर्ट के एक आदेश से एजीआर डिमांड में क्लीरकल एरर ठीक नहीं हो पा रही है. बकाये रकम पर पेनल्टी के साथ ब्याज पर भी पेनल्टी लगाया गया है जो कि उचित नहीं है।

बिना इंटरनेट फोन पर चलेगा वीडियो, टाटा से जुड़ी इस कंपनी ने अमेरिका में की बड़ी डील

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप से जुड़ी हुई एक कंपनी देश में जल्द ही ऐसे मोबाइल फोन लॉन्च करने जा रही है, जिन पर बिना इंटरनेट के सीधे ऑडियो-वीडियो चलाने की सुविधा मिलेगी. मोबाइल पर बिना इंटरनेट डायरेक्ट ऑडियो-वीडियो और अन्य सर्विस देने वाली इस टेक्नोलॉजी को डी2एम कहा जाता है. लॉन्च किए जाने वाले फोन 'वैल्यू फॉर मनी' होंगे और इनकी डिजाइनिंग और लॉन्चिंग के लिए अमेरिका की एक कंपनी के साथ पार्टनरशिप की गई है. भारत-अमेरिका साझेदारी के तहत हुई ये डील आत्मनिर्भर भारत और भारत के सेमीकंडक्टर की दुनिया का सरताज बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है. ये डील भारत की सांख्य लैब्स, आईआईटी कानपुर में बनी एक कंपनी फ्री स्ट्रीम टेक्नोलॉजीस और अमेरिका की सिनक्लेयर इंक के बीच हुई है. इस डील के तहत जिन फोन को बनाया जाएगा, उनमें सांख्य लैब्स का तैयार किया हुआ 'पृथ्वी-3 एटीएससी 3.0 चिपसेट लगेगा।

सांख्य लैब्स का टाटा कनेक्शन

सांख्य लैब्स, तेजस नेटवर्क की सब्सिडियरी है, जिसकी पेरेंट कंपनी टाटा संस है. इस तरह सांख्य लैब्स अप्रत्यक्ष तौर पर टाटा ग्रुप की ही एक कंपनी है. तेजस नेटवर्क देश में 4जी और 5जी टेलीकम्युनिकेशंस में इस्तेमाल होने वाले अलग-अलग डिवाइसेस बनाती है. जबकि सांख्य लैब्स देश में वायरलैस कम्युनिकेशंस से जुड़े डिवाइसेस पर काम करती है. टाटा ग्रुप ने हाल में सेमीकंडक्टर सेक्टर में एंट्री करके बड़ा दांव खेला है और वह देश में इसकी दो फैक्टरी लगाने जा रही है।

ऑलटाइम हाई छूने के बाद शेयर बाजार में लौटी मुनाफावसूली

मिड-स्मॉल कैप स्टॉक्स में गिरावट ने बिगाड़ा मूड

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार 19 सितंबर का कारोबारी सत्र शानदार रहा. बीएसई सेंसेक्स 83,773 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 25,611.95 अंकों के लाइफटाइम हाई पर जा पहुंचा. हालांकि ऊपरी लेवल से बाजार आईटी स्टॉक्स और मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते नीचे आ गया. कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 236.57 अंकों के उछाल के साथ 83,184.30 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 38.25 अंकों के उछाल के साथ 25,415.80 अंकों पर क्लोज हुआ है.

निवेशकों को भारी नुकसान

शेयर बाजार भले ही तेजी के साथ बंद हुआ हो लेकिन मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 465.69 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 467.72 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था. यानि आज के सत्र में निवेशकों को 2.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में आज के कारोबार में बीएसई पर 4075 शेयर्स ट्रेड हुए जिसमें 1249 शेयर तेजी के साथ जबकि 2732 शेयर गिरकर बंद हुए. यानि चढ़ने वाले शेयरों से दोगुने स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ और 11 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 27 शेयर तेजी के साथ और 23 गिरकर बंद हुए. चढ़ने वाले शेयरों में एनटीपीसी 2.45 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.82 फीसदी, टाइटन 1.56 फीसदी, नेस्ले 1.51 फीसदी, एचयूएल 1.21 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.99 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.81 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.81 फीसदी, भारती एयरटेल 0.75 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि अडानी पोर्ट्स 1.30 फीसदी, एल एंड टी 1.26 फीसदी, टीसीएस 1.14 फीसदी, जेएसडब्ल्यु स्टील 0.91 फीसदी, एचसीएल टेक 0.86 फीसदी, टाटा स्टील 0.66 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.64 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबार में बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे सेक्टर्स के शेयर तेजी के साथ बंद हुए. जबकि आईटी, फार्मा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, एनर्जी और मीडिया स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. निफ्टी का मिड-कैप इंडेक्स दिन के हाई से 1850 अंक नीचे जा लुढ़का था जबकि स्मॉल-कैप इंडेक्स 680 अंक तक नीचे जा फिसला था. हालांकि निचले लेवल से दोनों ही इंडेक्स में रिकवरी लौटी. और मिड-कैप इंडेक्स 400 और स्मॉल-कैप इंडेक्स 245 अंक गिरकर बंद हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-57 बजे
चंद्र-	मेष	मे	तुला...	08-03 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	10-13 बजे
बुध-	सिंह	मे	धनु-	12-26 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	14-29 बजे
शुक्र-	कन्या	मे	कुंभ--	16-24 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	18-01 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-37 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	21-22 बजे
			मिथुन	23-22 बजे
			कर्क--	01-36 बजे
			सिंह---	03-50 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-08
सूर्यास्त. - 18-12
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 21-15 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - आश्विन कृष्ण , शुक्रवार 20 September
नक्षत्र - अश्विनी 02 -42 तक उप भरणी
योग - धुव्र 15-18 तक उप व्याघात
करण- वणिज 10-55 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - तृतीया तीज का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:38 से 12:09 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:08 - 07:37	शुभ	रोग.	18:13 - 19:42	अशुभ
लाभ.	07:37 - 09:08	शुभ	काल	19:42 - 21:11	अशुभ
अमृत.	09:08 - 10:38	शुभ	लाभ	21:11 - 22:40	शुभ
काल.	10:38 - 12:09	अशुभ	उत्पात	22:40 - 00:09	अशुभ
शुभ.	12:09 - 13:40	शुभ	शुभ.	00:09 - 01:38	शुभ
रोग	13:40 - 15:11	अशुभ	अमृत.	01:38 - 03:08	शुभ
उत्पात	15:11 - 16:42	अशुभ	चंचल.	03:08 - 04:37	शुभ
चंचल	16:42 - 18:12	शुभ	रोग	04:37 - 06:08	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं | इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी | आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज का दिन सट्टा उद्यम के लिए उपयुक्त है पर बिना सोचे समझे कोई निर्णय न ले । अगर आप गणना करके जोखिम लेंगे तो लाभ में रहेंगे परन्तु याद रखे अज्ञानता में लिए गया फैसला नुकसान दिला सकता है इसलिए फिलहाल लाटरी के मकड़जाल में न फसे । बिना सोचे समझे सट्टा खेलना या निवेश करना हानिकारक है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है। यदि आप एक व्यवसाय में हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अगर 5 साल से पहले सरकार गिरी तब क्या होगा?

वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर कांग्रेस का सवाल

रायपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। वन नेशन, वन इलेक्शन को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। बीजेपी ने इस अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया था। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मोदी सरकार के इस फैसले को ऐतिहासिक बताया है। वहीं, विपक्ष ने सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाया है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सीनियर नेता और पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि यह प्रैक्टिल रूप से संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि एक देश एक चुनाव कराने से पहले संविधान में संशोधन करना होगा। बिना संविधान संशोधन के यह संभव ही नहीं है। वहीं, पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भी इस फैसले पर आपत्ति जताई है। वन नेशन, वन इलेक्शन पर कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने कहा, आज के समय में और संविधान के तहत ये संभव नहीं है। मान लीजिए- जनवरी 2025 से वन नेशन वन इलेक्शन

लागू हो गया, अब पूरे देश की विधानसभाओं और लोकसभा के लिए एक साथ चुनाव होंगे। अगर किसी राज्य या केंद्र की सरकार दो साल बाद गिर जाती है और ये सरकार पांच साल के लिए चुनी जाती है, यानी इसका अगला चुनाव 2032 में आएगा (जहां सरकार गिर चुकी है) और दूसरी जगहों पर 2030 में चुनाव होंगे, तो इस स्थिति में वन नेशन, वन इलेक्शन का क्या होगा? ये बिल्कुल भी संभव नहीं है। टीएस सिंहदेव ने कहा कि मान लीजिए किसी राज्य या फिर केंद्र की सरकार समय से पहले गिर जाती है तो क्या वहां राष्ट्रपति शासन लगा रहेगा। अगर राष्ट्रपति शासन लगा रहता है तो संविधान के उन प्रावधानों का क्या होगा जिसमें कहा गया है कि 6 महीने के अंदर उन सीटों पर चुनाव कराना अनिवार्य है जो खाली हो गई हैं। वन नेशन, वन इलेक्शन को लागू करने के लिए फिर इस प्रावधान में भी संशोधन करना पड़ेगा। वहीं, वन नेशन वन इलेक्शन पर कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, प्रधानमंत्री ने लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा था कि वन नेशन वन इलेक्शन होने चाहिए। 24 घंटे नहीं बीते और चुनाव आयोग ने दो राज्यों के चुनाव की घोषणा की। छत्तीसगढ़ में अरुण साव कहते हैं छत्तीसगढ़ में वन नेशन वन इलेक्शन की तर्ज पर चुनाव होंगे। अब सरकार के सूत्रों से खबर आ रही है कि नगर निकाय और पंचायती चुनाव एक साथ कराना संभव नहीं है। वे खुद बोलते हैं और कर नहीं पाते हैं। किसी राज्य में अगर सरकार गिर गई तो चुनाव ढाई साल के लिए होंगे या पांच साल के लिए होंगे? केंद्र सरकार के फैसले पर राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक देश-एक चुनाव प्रस्ताव को स्वीकृति दिये जाने का मैं स्वागत करता हूं।

जांजगीर चांपा में तस्करों से सनसनी

2.50 किलो गांजा जब्त, एनडीपीएस एक्ट के तहत हुई कार्रवाई, तीन तस्कर दबोचे

जांजगीर चांपा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। जांजगीर चांपा जिले में एक्सएल 6 कार में गांजा की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जोहारिक यादव 29 वर्ष, अमित कुमार 25 वर्ष, प्रशांत श्रीवास 24 वर्ष को गिरफ्तार किया, जिनके पास से 2.50 किलो गांजा जब्त किया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पूरा मामला नवागढ़ थाने का है। मिली जानकारी अनुसार, नवागढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कार नंबर सीजी 11बीडी 8761 की एक्सएल 6 कार में गांजे की तस्करी हो रही है। मिसदा और खेरतल गांव के बीच नाकाबंदी की गई। एक्सएल 6 कार को रुकवाकर तलाशी लेने पर दो पैकेट में खाखी टेप से लिपटा 2.50 किलो गांजा, नगदी रकम 20 हजार रुपये बरामद किए हैं।

विष्णुगढ़ के लक्ष्मी नर्सिंग होम संचालक की हत्या

हत्यारे को पुलिस ने किया गिरफ्तार छह अगस्त को हुई थी हत्या

हजारीबाग, 19 सितंबर (एजेंसियां)। हज़ारीबाग जिले के बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के विष्णुगढ़ स्थित लक्ष्मी नर्सिंग होम के संचालक परशुराम प्रसाद के हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के लाखे कब्रिस्तान रोड में 06 अगस्त को गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। वह मूल रूप से चतरा जिले के पथलगड्डा के नोनगांव के रहने वाले थे। वर्तमान में लाखे न्यू कॉलनी में रह रहे थे।

हत्या के बावत मुफ्फसिल थाना काण्ड सं0-159/24, दिनांक-07.08.24, धारा-103(1)/3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया था। इस इस चर्चित हत्याकाण्ड के खुलासे के लिए हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह ने सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। गठित टीम ने लगातार छापामारी और तकनीकी शाखा के सहयोग से इस काण्ड का उद्भेदन किया।

टीम ने 17 सितम्बर की शाम करीब 06.50 बजे आरोपी उमेश कुमार पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। वह अभियुक्त लातेहार जिले के बालूमाथ थानां क्षेत्र के ग्राम शेरगढ़ का रहने वाला है। उसे बडकागांव हजारीबाग रोड के ग्राम हुपाद के आगे जंगल के पास से गिरफ्तार किया। टीम ने उसके पास से काले रंग के अपाची बाईक, एक देशी पिस्टल, दो 7.65 एमएम का जिन्दा गोली लोड एवं विवो कम्पनी का मोबाईल फोन बरामद किया है। उमेश ने अपराध स्वीकार करते हुए घटना में शामिल हज़ारीबाग के कोर्रा थाना के दीपू गढ़ा निवासी धनु पासवान को भी गिरफ्तार कर टंडवा थाना के कांड में जेल भेजा गया है। उसे भी इस काण्ड में रिमाण्ड लेकर आवश्यक पूछताछ की जा रही है।

फिलिस्तीन झंडा विवाद, देर रात सिटी मजिस्ट्रेट ने की सुनवाई

5 आरोपियों को बेल, रिहाई के लिए चक्काजाम कर लोगों ने घेरा था कलेक्ट्रेट

बिलासपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में ईद मिलादुन्नबी पर फिलिस्तीन का झंडा विवाद मामले में गिरफ्तार पांचों आरोपियों को जमानत दे दी गई। इससे पहले देर शाम रिहाई के लिए प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर चक्काजाम कर दिया। तब सिटी मजिस्ट्रेट दफ्तर पहुंचे और रात साढ़े 10 बजे सुनवाई के बाद बेल ऑर्डर जारी किया ।

झंडा विवाद पर सर्व दलीय मंच ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस प्रकरण को शहर की शांति भंग करने की साजिश बताया। गुरु घासीदास सेवादार संघ के संयोजक लखन सुबोध ने प्रशासन से कानून सम्मत कार्रवाई करने की अपील की है।

लखन सुबोध ने कहा भाजपा-आरएसएस लोगों के बीच नफरत फैलाकर राजनीतिक रोटी सेंकना चाहती है। फिलिस्तीन भारत का मित्र राष्ट्र है। वहां युद्ध में हज़ारों

बच्चों की मौत हुई है। उस देश के झंडे को लेकर इस तरह से बर्ताव किया गया है, मानो वहां के लोग आतंकवादी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ऐसे नफरत भरे माहौल में हमारे बच्चे सुरक्षित रहेंगे। यह सब योजना के तहत किया जा रहा है।

संयुक्त नागरिक मंच कि ओर से एएपी की प्रदेश उपाध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता ने बतौर वकील आरोपियों को जमानत देने के लिए पैरवी की। उन्होंने बताया कि मंगलवार की शाम को 25 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दी गई थी, जिस पर उन्होंने 25 हजार रुपए का बांड भरा। लेकिन, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्येक आरोपी पर 25 हजार बांड भरने को कहा, जिसके लिए उन्होंने समय मांगा। इस बीच सिटी मजिस्ट्रेट उठ कर चले गए, जिसके बाद बुधवार को वो दिन भर नहीं आए।

जूक क्लब में रायपुर मेयर के भतीजे ने की मारपीट

रायपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर के जूक क्लब बार में शोएब ढेबर ने एक व्यापारी के साथ मारपीट की। बुधवार रात पार्किंग में गाड़ी रिवर्स करने के दौरान विवाद हुआ था। पीड़ित के एफआईआर दर्ज कराने के बाद तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी शोएब को गिरफ्तार कर लिया है। शोएब शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर का बेटा और मेयर एजाज ढेबर का भतीजा है।

पीड़ित अब्दुल मोबिन ने पुलिस को बताया कि वह ट्रांसपोर्टिंग और ट्रेडिंग का काम करता है। बुधवार को वह दोस्त शुभम डागा के साथ खाना खाने के लिए वीआईपी रोड गया हुआ था। इस दौरान होटल शीतल इंटरनेशनल स्थित जूक क्लब-बार के बाहर बीएमडब्ल्यू कार खड़ी थी। उसने गाड़ी को हटवाने के लिए हॉर्न दिया, जिससे कार रिवर्स करे। इस पर शोएब ढेबर ने कार से उतरकर बदसलूकी की। विवाद के दौरान शोएब के साथ उसके दोस्त अनस और अतीक मेमन भी थे। तीनों ने मिलकर अब्दुल मोबिन के गालों पर थप्पड़ जड़ दिए। साथ ही व्यापारी के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। इस मारपीट के बाद पीड़ित के गाल में चोट आई है। इस विवाद के बाद आसपास मौजूद लोगों ने झगड़े को शांत कराया। फिर पीड़ित अब्दुल ने तेलीबांधा थाने पहुंचकर मामले में शिकायत की। पुलिस ने जांच के बाद शोएब ढेबर और अन्य के खिलाफ मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज की। इसके बाद शोएब को गिरफ्तार भी कर लिया गया। इस मामले को लेकर शोएब ढेबर के वकील अमीन खान ने बताया कि पुलिस ने जो एफआईआर में धाराएं लगाई है वह जमानती है। शोएब को थाने से जमानत भी मिल गई। इसके बाद भी राजनीतिक बदला लेने के लिए उस पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर जेल भेजा गया है।

फायरिंग से एमपी के 2 जवानों की मौत

बलरामपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में बुधवार को छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) के एक जवान ने इंसास राइफल से साथी जवानों पर 7 गोलियां बरसाई। इसमें मध्यप्रदेश के रहने वाले 2 जवानों की मौत हो गई। जबकि एक जवान की हालत गंभीर है। शुरुआती जांच में पता चला कि, जवान उसे चिढ़ाते थे, इसे लेकर आपसी रंजिश थी।

बुधवार शाम करीब 7 बजे कुसमी थाना परिसर में एसपी राजेश अग्रवाल सहित अधिकारियों-कर्मचारियों ने मैहर निवासी जवान के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद गृहग्राम रवाना कर दिया गया। वहीं, दूसरे जवान के शव का गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर को गृहग्राम भेजा जाएगा। सामरी थाना क्षेत्र के भुताही में तैनात सीएएफ की 11वीं बी बटालियन में तैनात जवान अजय सिदार 18 सितंबर की सुबह 11.30 बजे खाना खाने बैठा था। उसने मिर्च मांगी। मिर्च नहीं देने को लेकर उसका साथी जवानों से विवाद हो गया।

उसने खाना छोड़ा, हाथ धोया और एक जवान की इंसास राइफल फायरिंग कर दी। गोली लगने से आरक्षक रूपेश पटेल (39) निवासी एमपी के मैहर के पौड़ी की मौके पर मौत हो गई। संदीप पांडेय (39) निवासी एमपी के रीवा के ग्राम घुरे हटा की इलाज के लिए कुसमी ले जाते समय मौत हो गई। अजय सिदार ने अंबुज शुक्ला के पैरों पर दो गोलियां मार दी। जवान राहुल बघेल को छूती हुई एक गोली निकल गई। जिसके बाद अजय जंगल की ओर भागने लगा। जिसे राहुल और बाकी जवानों ने पकड़ लिया। फॉरेंसिक और मेडिकल टीम की जांच से पुष्टि हुई है कि संदीप की मौत गोली लगने से हुई है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट कुलदीप कुजूर ने बताया कि, संदीप के रीड की हड्डी के बगल के गोली अंदर घुसकर आंतों को फाड़ते हुए कंधे के पास फंसी है। एक्सरे में इसकी पुष्टि हुई।

जांच में पता चला कि सीएएफ जवान अजय सिदार को उसके साथी चिढ़ाते थे। जिससे परेशान होकर महीने भर उसने अपने एक साथी जवान पर बंदूक तान दी थी। कैंप इंचार्ज से इसकी शिकायत की गई तो उन्होंने बंदूक जमा करा ली। अजय सिदार को उसकी बंदूक दुबारा इश्यू नहीं की गई थी। बुधवार को जवान ने विवाद होने के बाद जिस इंसास राइफल से गोली चलाई, वह दूसरे जवान की थी। अजय सिदार ने कई राउंड फायर किया है।

बलरामपुर एसपी राजेश अग्रवाल ने कहा कि, इसमें जवानों का आपसी विवाद था। जिस कारण घटना हुई है। जांच का विषय है कि विवाद क्या था? दो जवानों का निधन दुखद है। यह विभाग के लिए बड़ी क्षति है।

गोली लगने से घायल जवान अंबुज शुक्ला के दोनों पैरों में गोली लगी है। उसे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है।

विवाहिता का संदिग्ध परिस्थिति में मौत

शादी के बाद से नहीं गई थी मायका, मायकेवालों का आरोप गला घोंट कर मार डाला

कटकमसांडी, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कटकमसांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खरीका में 17 सितंबर की देर शाम एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने का एक मामला प्रकाश में आया है। मृतिका पुष्पा देवी खरीका गांव निवासी पवन पासवान पिता लखन पासवान की पत्नी है। मृतिका का मायका बिहार के औरंगाबाद जिले के बारुण थानां क्षेत्र के ग्राम महथा था। उसकी 14 जुलाई 2021 को खरीका के पवन पासवान के साथ हुई थी। शादी के बाद से ससुराल वालों ने उसे मायका नहीं जाने दिया था। मृतिका की डेढ़ वर्ष एक की बेटी आरोही है। इधर घटना की जानकारी कटकमसांडी पुलिस को मिलने पर थाना प्रभारी राजवल्भ कुमार तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे और घटना क्रम का जायजा लिया।

अमित शाह झारखंड में दो दिन भरेंगे हुंकार

हेमंत सोरेन को घेरने के लिए भाजपा ने झोंकी ताकत

रांची, 19 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड में चुनावी बिगुल बजा चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज (गुरुवार) रांची पहुंच रहे हैं। कल वे साहिबगंज जाएंगे। वहां से वे भाजपा की परिवर्तन यात्रा का आगाज करेंगे। भाजपा के चुनाव प्रभारी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी असम के सए हिमंता विश्व सरमा लगातार झारखंड आ रहे हैं। उनके लगातार आने और नई चुनावी रणनीति ने झारखंड भाजपा में नई जान फूंकी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की लोकलुभावन घोषणाओं और कार्यक्रमों से एक बार ऐसा लगने लगा था कि भाजपा को वे अकेले क्लीन बोल्ड कर देंगे। पर, भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा झारखंड की चुनावी कमान संभालने के बाद स्थितियां पहले से सुधरी हैं। अब तो लोग यह भी कहने लगे हैं कि मुकाबला एकतरफा नहीं, बल्कि दोनों ओर से इस पर कड़ा होने वाला है। ऐसा

कड़ा कि कौन बाजी मार ले जाए कहना मुश्किल है।

भाजपा इस बार सत्ता में नहीं है, इसलिए उसे अपने कामकाज के भरोसे सत्ता का सपना देखना संभव नहीं है। हां, केंद्रीय योजनाओं का उल्लेख कर भाजपा थोड़ा राहत महसूस कर सकती है। वैसे भाजपा ने अपने मुद्दे लोकसभा चुनाव के दौरान ही तय कर लिए थे। उन्हीं मुद्दों को लेकर वह लोगों के बीच जा रही है। लोगों को जागरूक कर रही है। खतरे की ओर इशारा कर रही है कि अगर इंडिया ब्लॉक की सरकार झारखंड में बरकरार रही तो झारखंड के लोगों को क्या नुकसान होने वाला है। इस क्रम में सबसे बड़ा मुद्दा बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठ का है। मुस्लिम तुष्टिकरण का है। झारखंड की बदलती डेमोग्राफी का है। आदिवासियों की घटती आबादी का है। भाजपा ने यह मुद्दा शिद्दत से उठाया है। हिमंता विश्व सरमा ने तो इसे अपना तकियाकलाम ही बना लिया है। उनका कोई भी बयान या भाषण इसके बिना पूरा नहीं होता। घुसपैठ के मुद्दे पर झारखंड हाईकोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाया है।

कांग्रेस विधायक को नहीं मिल रही राहत

पांच बार बढ़ी न्यायिक रिमांड, अब 30 सितंबर तक जेल में रहेंगे देवेंद्र यादव

रायपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में भिलाई नगर के कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। एक बार फिर कोर्ट से कांग्रेस विधायक को झटका लगा है। देवेंद्र यादव की जमानत याचिका को कोर्ट ने एक बार फिर ख़ारिज कर दी है। 17 अगस्त 2024 शाम विधायक देवेंद्र को गिरफ्तार कर रायपुर के सेंट्रल जेल भेजा गया था, जिसके बाद से अब तक राहत नहीं मिली। इस बीच कांग्रेस ने झूठे आरोप लगाकर फसाने का आरोप लगते हुए राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। बुधवार को विधायक यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई थी। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार वर्मा की अदालत ने बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद देवेंद्र यादव की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए याचिका खारिज की है। इससे पहले 17 सितंबर को रिमांड खत्म होने पर सीजेएम कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई हुई थी, जहां कोर्ट ने 30 सितंबर तक देवेंद्र यादव की रिमांड बढ़ाई है। अब 30 सितंबर तक विधायक जेल में ही रहेंगे।

वहीं मध्यप्रदेश के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी 18 सितंबर को छत्तीसगढ़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सेंट्रल जेल में बंद कांग्रेस विधायक से मुलाकात की। इसके बाद वे कांग्रेस के सीनियर नेताओं से मिले और कई विषयों में चर्चा हुई। सेंट्रल जेल के बाहर मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बाजार हिंसा में अपनी नाकामी छिपाने भाजपा सरकार द्वारा षड्यंत्रपूर्वक गिरफ्तार कर कांग्रेस के विधायक, कार्यकर्ताओं और सतनामी समाज के निर्दोषजनों को जेल में रखा हुआ है। इससे पहले 23 अगस्त को छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट रायपुर सेंट्रल जेल में विधायक देवेंद्र यादव से मिलने पहुंचे थे। अब तक कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की पांच बार न्यायिक रिमांड बढ़ाई जा चुकी है। 17 अगस्त की शाम विधायक देवेंद्र को गिरफ्तार कर रायपुर के सेंट्रल जेल भेजा गया था, जिसके बाद पहली बार 20 अगस्त मंगलवार को उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद सात दिन की रिमांड बढ़ा दी गई थी। तब से कांग्रेस विधायक की जमानत याचिका ख़ारिज हो रही है और रिमांड बढ़ाई जा रही है।

जिस दिन गिरफ्तारी हुई उसके एक दिन बाद गिरफ्तार भिलाई विधायक देवेंद्र से रायपुर सेंट्रल जेल में मिलने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, विधयाक उमेश पटेल, रविंद्र चौबे और लालजीत सिंह राठिया पहुंचे हुए थे। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव भी मिलने पहुंचे हुए थे, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली, जिससे वे मिल नहीं पाए थे। विधायक को देर रात रायपुर सेंट्रल जेल में दाखिल कराया गया था। इस दौरान उसके समर्थकों की भारी भीड़ केंद्रीय जेल परिसर के बाहर जमा हो गई थी।

हाथियों का उत्पात, धान की फसलें रौंदी

रायगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हाथियों के दल का उत्पात जारी है। रायगढ़ में करीब 94 हाथी दल में घूम रहे हैं। मंगलवार रात हाथियों ने धरमजयगढ़ वन मंडल क्षेत्र में 22 किसानों के फसलों को रौंदकर बर्बाद कर दिया। इससे पहले कोरबा में 48 हाथियों के दल ने कई किसानों की फसलों को रौंदा था।

इसके बाद गांव में दाखिल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें भगाने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। इसके बाद वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों ने एनएच-130बी पर प्रदर्शन और नारेबाजी की। ग्रामीणों की मांग है कि वन्य जीवों से हो रहे नुकसान की मुआवजा राशि को बढ़ाया जाए। रायगढ़ जिले में 94 हाथी दल में घूम कर रहे हैं। इसमें 28 नर, 42 मादा और 24 शावक हैं, जो रायगढ़ और धरमजयगढ़ दोनों वन मंडल के जंगलों में घूम रहे हैं।

धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथियों की संख्या अधिक है। यहां हाथी धरमजयगढ़, बोरो, बाकारूमा और छाल में मौजूद हैं। रायगढ़ वन मंडल की बात करें तो रायगढ़, खरसिया और घरघोड़ा वन परिक्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी है। कोरबा जिले के कटघोरा वन मंडल के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के लगभग 70 गांवों में पिछले सात साल से हाथियों का एक बड़ा दल गांवों में लगातार घूम रहा है, जो फसलों, पशुओं और लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इसके विरोध में 18 सितंबर बुधवार को चोटिया बजार के पास सुबह 10 बजे से प्रभावित लोग धरना प्रदर्शन में बैठ गए। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथी भगाओ के नारे लगाए। बुधवार को भी कोरबा में पूरा जंगल हाथियों के चिंघाड़ से गूंजता रहा।

कवर्धा भाजपा नेता हत्याकांड के आरोपी की मौत, आईपीएस सस्पेंड

गृहमंत्री शर्मा बोले- लोगों ने बताया एएसपी ने बंदी से मारपीट की थी, फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

कबीरधाम/रायपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम में भाजपा नेता हत्याकांड के आरोपी प्रशांत साहू (27) की मौत के बाद कवर्धा एएसपी विकास कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। गृहमंत्री विजय शर्मा के मुताबिक गांव वालों ने शिकायत की थी कि प्रशिक्षु आईपीएस ने बंदी के साथ मारपीट की थी। हॉस्पिटल में जेल डीजी के साथ हमने देखा है। सीएम साय के निर्देश पर अब आईपीएस को सस्पेंड किया गया, जो लीड कर रहे थे। विजय शर्मा ने बताया कांग्रेस कार्यकाल में भूपेश बघेल और मोहम्मद अकबर ने जब मुझे जेल में डाला था, तो मुलाहिजा कराना चाहिए था। वो प्रक्रिया है, जिसका पालन हमने किया है। पोस्टमॉर्टम के बाद चीजें साफ हो पाएंगी। बिसरा रिपोर्ट फॉरेंसिक जांच के लिए भेजी गई है। पुलिस प्रशांत साहू (27) की मौत का कारण तबीयत बिगड़ना बता रही है। वहीं आरोपी के भाई ने पुलिस पर पीटने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि जेल में उसके भाई को बेरहमी से मारा-पीटा गया।

कांग्रेस भी इस मामले में सरकार पर हमलावर है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा है, कबीरधाम में खून की होली खेली जा रही है। पुलिस की प्रताड़ना से प्रशांत की मौत हुई है। महंत ने गृहमंत्री विजय शर्मा का इस्तीफा मांगा है।

दूसरी ओर डीजीपी अशोक जुनेजा और दुर्ग आईजी राम गोपाल गर्ग कवर्धा पहुंचे थे। दीपक बैज भी आज कवर्धा के लोहारीडीह गांव जाएंगे। लोहाराडीह अग्निकांड मामले में जेल में बंद मृतक प्रशांत साहू की मां और भाई अंतिम संस्कार में शामिल हो सकते हैं। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने उन्हें अंत्येष्टि में शमिल होने के लिए अनुमति दिलाए जाने की बात कही है। बुधवार देरशत पोस्टमॉर्टम के बाद कवर्धा जिला अस्पताल से मृतक प्रशांत साहू का शव गृह गांव रवाना कर दिया गया है। विजय शर्मा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

कांग्रेस नेता के पति ने गायों को मारी गोली

बलरामपुर में खेत में घुसी दो गाय, तो एयरगन से चलाई 5 गोलियां, गिरफ्तार

बलरामपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में कांग्रेस नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर मणि मिंज के पति परम मिंज ने अपने खेत में घुसी दो गायों पर एयरगन से गोली मार दी। घायल दोनों गायों को इलाज के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बलरामपुर एएसपी शैलेंद्र पांडे ने बताया कि, परम मिंज आदतन अपराधी है। पहले भी वह जेल जा चुका है। उसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से एयरगन को भी जब्त कर लिया है। बलरामपुर के मिशन रोड निवासी उमेश की दो गायें चरते हुए नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर मनी मिंज के खेतों में घुस गई।

आईईडी ब्लास्ट-कोबरा जवान घायल

एयर लिफ्ट कर लाया गया रांची के मेडिका अस्पताल, कुलापुबुरू गांव में सर्च ऑपरेशन के दौरान हादसा

चाईबासा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा के सारंडा में आईईडी ब्लास्ट हुआ। इस आईईडी ब्लास्ट में सर्च ऑपरेशन में निकले कोबरा 209 बटालियन के सीटी/ जीडी सुगुमार आर जख्मी हो गए। इस बात की पुष्टि जिले के एसपी आशुतोष शेखर ने की है। आईईडी ब्लास्ट सारंडा जंगल के गांव कुलापुबुरू में हुआ। इसके बाद जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल जवान को जंगल से बाहर निकाला। फिर उसे एयरलिफ्ट कर रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत ठीक बताई जा रही है। पुलिस की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार एक करोड़ के इनामी नक्सली नेता मिसिर बेसरा के दस्ते की सूचना पर चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 बीएन, 203 बीएन, झारखण्ड जगुआर एवं सीआरपीएफ 60 बीएन, 197 बीएन, 157 बीएन, 174 बीएन, 193 बीएन, 134 बीएन, 26 बीएन की टीम का एक संयुक्त अभियान पर निकली थी। दलों द्वारा 16 सितंबर से ही एक संयुक्त जांच अभियान छोटानागरा, जराईकेला एवं मनोहरपुर थाना के सीमावर्ती जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में चलाया जा रहा है। इसी क्रम में टीम आज जराईकेला थाना के वनग्राम कुलापुबुरू के आस-पास सर्च अभियान चला रही थी। इसी दौरान ब्लास्ट होने से जवान घायल हो गया। सारंडा में भाकपा माओवादियों का शीर्ष नेतृत्व डेरा डाले हुए हैं। जिनके पीछे झारखंड पुलिस और केंद्रीय बलों के जवान लगे हुए हैं। सुरक्षा बलों से अपने बड़े नक्सली नेताओं को बचाने के लिए नक्सली कैडरों ने प्रेशर बमों का एक जाल सा बना रखा है।

अमेरिकी कोर्ट का पन्नू मामले में भारत सरकार को समन

आतंकी पन्नू ने हत्या की साजिश का मामला दर्ज कराया, भारत बोला- समन भेजना गलत

वाशिंगटन, 19 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के एक कोर्ट ने मंगलवार को खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंतसिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले में भारत सरकार को समन भेजा। इस समन में भारत के एनएसए अजीत डोभाल, पूर्व आरएडब्ल्यू चीफ सामंत गोयल, आरएडब्ल्यू एजेंट विक्रम यादव और बिजनेसमेन निखिल गुप्ता का नाम भी शामिल है। अमेरिकी कोर्ट ने 21 दिन में इस समन का जवाब देने के लिए कहा है। पन्नू ने अमेरिका की एक जिला अदालत अपनी हत्या की साजिश को लेकर मुकदमा दर्ज कराया था। पिछले साल अमेरिका ने आरोप लगाया था कि न्यूयॉर्क में पन्नू पर जानलेवा हमले की साजिश रची गई थी। इसमें भारत का हाथ था। इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। समन के जवाब में गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि ये समन पूरी तरह से गलत

है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि जब ये मामला हमारे सामने आया तो हमने एक्शन लिया। इस मामले में उच्च स्तरीय कमेटी भी बनाई गई है। अमेरिका ने 26 जून को खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ हत्या की कोशिश के मामले में भारत से जवाबदेही मांगी थी। अमेरिकी सरकार के उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने कहा था कि हमने सीधे भारत सरकार के सामने इस मुद्दे को उठाया है। साथ ही जांच समिति से भी रिपोर्ट मांगी थी। दरअसल, पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 30 जून 2023 को चेक रिपब्लिक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 14 जून 2024 को निखिल को अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया था। अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक, यह प्लानिंग पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के वक्त की गई थी। हालांकि, इसकी जानकारी 22 नवंबर को दी गई थी। चार्जशीट में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप है। इसमें लिखा है- भारत के एक पूर्व सीआरपीएफ अफसर ने उसे पन्नू की हत्या की प्लानिंग करने को कहा था। निखिल ने एक व्यक्ति के साथ काम के बदले 83 लाख रुपए देने की डील की थी। इसके बाद इस साल अप्रैल में अमेरिकी मीडिया वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि पन्नू की हत्या की साजिश के पीछे आरएडब्ल्यू का हाथ था। रिपोर्ट के मुताबिक, पन्नू की हत्या की पूरी प्लानिंग आरएडब्ल्यू के एक सीनियर अधिकारी विक्रम यादव ने की थी।

मस्क की कंपनी ने दृष्टिहीनों के लिए डिवाइस बनाई

अमेरिका के एफडीए ने अप्रूवल दिया, दावा- जिनकी जन्म से आंखें नहीं, वे भी देख सकेंगे

न्यूयॉर्क, 19 सितंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क की ब्रेन-चिप स्टार्टअप कंपनी न्यूरालिंक ने दृष्टिहीनों के लिए एक डिवाइस बनाई है। कंपनी का दावा है कि डिवाइस उन लोगों को भी देखने में मदद करेगी, जिन्होंने अपनी दोनों आंखें खो दी हैं। इसे फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की मंजूरी मिल गई है। न्यूरालिंक ने इस डिवाइस का नाम ब्लाइंडसाइट रखा है। मस्क ने बताया कि यह डिवाइस उन लोगों के लिए मददगार होगी, जिन्होंने अपनी दोनों आंखें खो दी हैं या जिनकी ऑप्टिक नर्व डैमेज हो गई है। यह दावा भी किया गया है कि यह डिवाइस उन लोगों की भी देखने में मदद करेगी, जिन्हें जन्म से दिखाई नहीं देता। मस्क ने बताया कि डिवाइस से शुरुआत में लो-रेजोल्यूशन में दिखेगा। धीरे-धीरे विजन बेहतर होता जाएगा। इतना ही नहीं, डिवाइस लगाने वाला शख्स इन्फ्रारेड, अल्ट्रावॉयलेट वेव्ज भी देख सकेगा।

पाकिस्तान ग्वादर में बनवाएगा चीन का सैन्य अड्डा

लीक डॉक्यूमेंट में खुलासा, भारत-अमेरिका की बढ़ेगी चिंता

इस्लामाबाद, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने हमेशा ही चीन और अमेरिका के साथ अपने संबंधों को संतुलित करने की कोशिश की है। वहीं अमेरिका और चीन दोनों ही पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठाकर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते रहे हैं। ड्रॉप साइट न्यूज ने सीक्रेट दस्तावेजों के आधार पर दावा किया है कि पाकिस्तान ने चीन से ग्वादर में एक सैन्य बेस बनाने के लिए जगह देने का वादा किया था। ये तब हुआ था जब वह अमेरिका को लुभाने में कामयाब नहीं हो सका था। इसके अलावा बीजिंग की लंबे समय से चली आ रही पाकिस्तान के अंदर संयुक्त सैन्य अभियानों को अधिकृत करने की मांग पर भी इस्लामाबाद ने भरोसा दिया था। रिपोर्ट कहती है कि अमेरिका के संबंधों की बेहतरी के प्रयास में 2022 के अक्टूबर में पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख कमर जावेद बाजवा वॉशिंगटन की आधिकारिक यात्रा पर गए थे। बाजवा वाशिंगटन को आश्वस्त करना चाहते थे कि पाकिस्तानी सेना अमेरिका की ओर

देख रही है ना कि चीन या रूस की तरफ। अमेरिका में बाजवा ने वादा किया कि बीजिंग के मुकाबले वाशिंगटन के लिए पाकिस्तानी सेना की प्राथमिकता पर जोर दिया जाएगा। पाकिस्तान की कोशिश अमेरिका का पहले जैसा समर्थन और विश्वास हासिल करने की थी, जिसमें उसे कामयाबी नहीं मिल पाई। अमेरिकी दांव के विफल होने के बाद पाकिस्तानी अधिकारी चीन के साथ संबंधों को सुधारने के अपने प्रयासों में तेजी लेकर आए। दस्तावेजों से पता चलता है कि चीन को लुभाने के लिए पाकिस्तान ने उससे वादा किया कि ग्वादर के बंदरगाह पर सैन्य अड्डे के लिए बीजिंग मंजूरी दी जाएगी। साल 2021 में अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में खटास आने लगी थी। इसी साल मार्च में पाक सेना प्रमुख कमर बाजवा ने व्यक्तिगत रूप से चीन के रक्षा मंत्री से मुलाकात की थी। इस दौरान बाजवा ने कहा था कि चीन एक बहुत ही महत्वपूर्ण पड़ोसी है और उसने हमें कई तरह से मदद की है। पाकिस्तानी खुफिया आकलन में वह चीन को अमेरिका की तुलना में ज्यादा अहम रणनीतिक सहयोगी मानता है। कश्मीर क्षेत्र में भी दोनों एक मंच पर दिखे हैं। साल 2019 में भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर कश्मीर का विशेष दर्जा हटा दिया था। यह न केवल पाकिस्तान के लिए बल्कि चीन के लिए भी उकसावे की बात थी, क्योंकि इसने भारत के विवादित लद्दाख क्षेत्र पर चीन के क्षेत्रीय दावे पर सवाल उठाया, जहां 2020 में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच घातक झड़पें हुईं। पिछले एक दशक में चीन के लिए पाकिस्तान समर्थित बुनियादी ढांचा निर्माण परियोजना का घर बन गया है, इसे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के रूप में जाना जाता है। अरबों रुपए के निवेश के बावजूद जमीनी स्तर पर इसके परिणाम निराशाजनक रहे हैं और पाकिस्तान सरकार पर कर्ज बढ़ रहा है। आंतरिक रिपोर्ट पाकिस्तान की इस इच्छा पर जोर देती है कि अमेरिका और चीन के साथ उसके संबंध एकतरफा ना हों। विश्लेषक एडम वेनस्टीन का कहना है कि पाकिस्तानी सेना चीनी और अमेरिकी सैन्य संबंधों के बीच संतुलन बनाए रखने में विश्वास रखती है।

ट्रम्प बोले- मोदी शानदार व्यक्ति, अगले हफ्ते उनसे मिलूंगा

कहा- भारत इम्पोर्ट पर ज्यादा टैक्स लगाता है, व्यापार संबंधों का गलत इस्तेमाल कर रहा

वाशिंगटन, 19 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि वे अगले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। मिशिगन में चुनावी कैंपेन के दौरान ट्रम्प ने कहा कि पीएम मोदी शानदार व्यक्ति हैं। वे अपने काम में बेहद अच्छे हैं। इस दौरान ट्रम्प ने आरोप लगाया कि भारत अमेरिका से व्यापार संबंधों का गलत इस्तेमाल करता है। दरअसल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति से भारत के साथ फ्री ट्रेड पर सवाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा, "भारत आयात पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाता है। राष्ट्रपति बनने पर मैं अमेरिका में 'रेसिप्रोकल ट्रेड पॉलिसी' लागू करूंगा। यानी जो देश हम पर इम्पोर्ट के लिए जितना टैक्स लगाएगा हम भी उतना ही टैरिफ लेंगे। अगर किसी देश ने 250 गुना चार्ज लगाया तो हम भी इतना ही टैक्स लेंगे। इससे या तो उस देश से समझौता होकर फ्री ट्रेड शुरू हो जाएगा या फिर अमेरिका में इम्पोर्ट के जरिए आने वाला रेवेन्यू बढ़ जाएगा।" पीएम मोदी 21 सितंबर को 3 दिन के दौरे पर अमेरिका जा रहे हैं। इस दौरान वे क्वाड समिट में हिस्सा लेंगे। यह बैठक राष्ट्रपति बाइडेन के होमटाउन डेलावेयर में हो रही है। हिंद महासागर में चीन को काउंटर करने के लिए बने क्वाड संगठन की बैठक इस साल भारत में होने वाली थी। भारत ने क्वाड समिट होस्ट करने की अपनी बारी को अमेरिका के साथ एक्सचेंज किया है।

बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की साजिश नाकाम

शेन बेट का दावा- तीन शीर्ष इजरायली नेताओं को मारना चाहता था ईरान

तेल अवीव, 19 सितंबर (एजेंसियां)। इजरायल ने दावा किया है कि उसने ईरान की बड़ी साजिश को विफल किया है। इजरायल की आतंरिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार एजेंसी शिन बेट ने कहा है कि उसने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योव गैलेंट और शिन बेट डायरेक्टर रोनेन बार की हत्या की ईरान की साजिश को नाकाम किया है। शिन बेट ने गुरुवार को ये दावा किया है। इस साजिश में ईरान एक इजरायली व्यवसायी का इस्तेमाल कर रहा था, जिसने तुर्की में काफी समय बिताया था। वह इजरायल में हत्या की योजना बनाने के लिए तुर्की और ईरानी दोनों व्यक्तियों के साथ बैठकें और लेनदेन कर रहा था।

यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्लान को पूरा करने के लिए इस वर्ष अप्रैल में तुर्की के नागरिक आंद्रेई फारूक

असलान और गुनीद असलान ने इजरायली व्यवसायी से संपर्क किया और उसे ईजदी नाम के एक अमीर ईरानी के दो प्रतिनिधियों से मिलने के लिए तुर्की के शहर समंदाग में बुलाया। ये बैठक मई के महीने में हुई थी। वह इस बात पर सहमत हो गया कि तुर्की से कार के जरिए ईरान में जाएगा, जहां उसकी मुलाकात ईदी और हज नाम के ईरानी सुरक्षा प्रतिष्ठान के सदस्य से हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइयली व्यवसायी ने किसी भी गतिविधि को शुरू करने से पहले शुरू में दस लाख डॉलर मांगे थे।

इजरायली कारोबारी ने कई बार किया ईरान का दौरा

इजरायली व्यवसायी ने इसके बाद अगस्त में दूसरी बार ईरान का दौरा किया और साजिश को पूरा करने के लिए अपने वित्तीय, रसद और हथियार-संबंधी कार्यों की शुरुआत के हिस्से के रूप में 5,000 यूरो प्राप्त किए। अगस्त में ईरान की दूसरी यात्रा के दौरान उसे फिर से तुर्की से ईरान में लाया गया। इजरायली व्यवसायी से निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के उद्देश्य से कुछ इजरायली साइटों के वीडियो लेने के लिए कहा गया था।

ईरान की दूसरी यात्रा के दौरान इजरायली व्यवसायी से पूछा गया कि क्या वह रूसियों और अमेरिकियों को इस प्लान में शामिल कर सकेगा। इनका इस्तेमाल यूरोप और अमेरिका में रहने वाले ईरान विरोधी लोगों के खिलाफ किया जा सकेगा। शिन बेट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान इस तरह की आतंकी गतिविधियों के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, ये खतरा एक साजिश को उजागर करने से खत्म नहीं होगा। शिन बेट की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि क्या इन साजिशों के संबंध में ईरान और हिजबुल्लाह के बीच कोई समन्वय था या नहीं और कैसे इसकी रूपरेखा तैयार की गई थी। इस प्लान के समय के बारे में पूछे जाने पर भी शिन बेट ने कोई जवाब नहीं दिया।

ईरान में 45 वर्षों में पहला सुन्नी गवर्नर नियुक्त

अराश को कुर्दिस्तान की जिम्मेदारी मिली

तेहरान, 19 सितंबर (एजेंसियां)। ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार को 45 वर्षों में पहले सुन्नी मुस्लिम अल्पसंख्यक के एक सदस्य को कुर्दिस्तान प्रांत का गवर्नर नामित किया। सरकारी प्रवक्ता फतेमेह मोहजेरानी ने कहा कि अराश जेरेहतन को पश्चिमी राज्य का प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह 1979 की इस्लामी क्रांति के शुरुआती दिनों के बाद से मुख्य रूप से शिया बहुल देश में क्षेत्रीय गवर्नर बनाए जाने वाले पहले सुन्नी हैं। 48 वर्षीय अराश जेरेहतन ने 2020 और इस वर्ष के बीच पावेह शहर के लिए संसद सदस्य के रूप में कार्य किया। इससे पहले 69 वर्षीय राष्ट्रपति पेजेशकियन ने

अगस्त में सुन्नी अल्पसंख्यक के एक अन्य सदस्य अब्दोलकरिम होसेनजादेह को अपना उपाध्यक्ष बनाया था। बता दें कि ईरान की आबादी में सुन्नियों की हिस्सेदारी लगभग 10 फीसदी है। क्रांति के बाद से वे बहुत कम ही सत्ता के प्रमुख पदों पर रहे हैं। ईरान में बहुसंख्यक शिया हैं और शिया इस्लाम आधिकारिक राज्य धर्म है।

भारत अपने कैंडिडेट जिताने के लिए दे रहा पैसा

कनाडा की खुफिया एजेंसी ने लगाया आरोप भारतीय उच्चायुक्त ने दिया करारा जवाब

ओटावा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (सीएसआईएस) ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि चीन और भारत अवैध फंडिंग और दुष्प्रचार अभियान चलाकर उनके देश के प्रवासी समुदायों को प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट कहती है कि भारत ने कनाडा की अंदरूनी राजनीति में भी हस्तक्षेप किया है और तमाम हथकंडे अपनाकर अपनी पसंद के नेताओं को संसद तक पहुंचाने की कोशिश की है। कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा के दस्तावेज में बताया गया है कि भारत सरकार कनाडा के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने और खालिस्तान आंदोलन के लिए समर्थन को कमजोर करने की कोशिश में बड़ी भूमिका निभा रही है।

द ग्लोबल एंड मेल के मुताबिक, भारत पर कई आरोप लगाने वाली इस रिपोर्ट को सीएसआईएस ने 'कंट्री समरीज' नाम दिया है। रिपोर्ट में कहा गया

है, 'भारत सरकार अपनी पसंद के उम्मीदवारों को मदद करती है, इसमें जिसमें नामांकन प्रक्रिया में हस्तक्षेप भी शामिल है। इस तरह से सरकार एक दखल की कोशिश की जाती है।

रिपोर्ट में सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों और संघीय विभागों से मिली जानकारी के आधार पर ये दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत प्रमुख पदों पर रहने वाले कनाडाई लोगों के खिलाफ विदेशी-हस्तक्षेप गतिविधियों में संलग्न है। भारत सरकार द्वारा की गई इन गतिविधियों में भारत सरकार की रणनीतिक आपत्तियों को प्राप्त करने के लिए गुप्त और भ्रामक गतिविधि भी शामिल हैं।

भारत ने दावे को किया खारिज

सीएसआईएस की रिपोर्ट के बाद कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा कि कनाडा को इसका सबूत देने की जरूरत है कि भारत कथित गतिविधियों में शामिल है। वर्मा ने द ग्लोब से कहा, 'करीब एक साल पहले कनाडा ने निज्जर हत्या मामले में एक दुर्भाग्यपूर्ण और राजनीति से प्रेरित दावा किया लेकिन आज तक हमें उस मामले में सबूत का इंतजार है। हम साफ करना चाहते हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता है। दूसरी ओर हमने कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए और उसकी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देते हुए देखा है।

सीएसआईएस दस्तावेज चीन, रूस, ईरान और पाकिस्तान को भी कनाडा में विदेशी-हस्तक्षेप गतिविधियों को अंजाम देने वाले देशों के रूप में पहचानता है। खुफिया दस्तावेज संकेत देते हैं कि चीन सबसे गंभीर विदेशी-हस्तक्षेप का खतरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस ज्यादातर कनाडा में दुष्प्रचार अभियानों में शामिल है, जबकि ईरान ईरानी-कनाडाई लोगों को चुप कराना चाहता है। पाकिस्तान उन राजनेताओं का गुप्त रूप से समर्थन करने का प्रयास करता है जो भारत के बजाय उस देश के हित को बढ़ावा देते हैं।

स्पेस में फंसी हनुमान भक्त सुनीता का 59वां बर्थडे

भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट को दुनिया करती है सलाम

वॉशिंगटन, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स का आज 59वां जन्मदिन है। सुनीता 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो में पैदा हुई थीं। उनका सफर एनापोलिस, मैरीलैंड में अमेरिकी नौसेना अकादमी से शुरू हुआ, जहां उन्होंने 1983 में दाखिला लिया। साल 1987 में विलियम्स ने कठोर लड़ाकू हेलीकॉप्टर की ट्रेनिंग ली और वह फारस की खाड़ी युद्ध के दौरान उड़ान मिशन, इराक के कुर्द क्षेत्रों पर नो-फ्लाई जोन स्थापित करना और मियामी में तूफान एंड्रयू राहत प्रयासों में काम कर चुकी हैं। खुद को हनुमान भक्त कहने वालीं सुनीता की पहचान आज एक प्रतिष्ठित अंतरिक्ष यात्री की है।

सुनीता विलियम्सस ने 1993 मे नौसैनिक परीक्षण पायलट की भूमिका संभाली, जहां उन्होंने 30 तरह के विमान उड़ाए और

2,770 से अधिक उड़ान घंटे दर्ज किए। फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग प्रबंधन में मास्टर डिग्री के बाद 1998 में जब वह नासा के अंतरिक्ष यात्री कार्यक्रम में शामिल हुईं। इसके बाद रूसी संघीय अंतरिक्ष एजेंसी (रोस्कोस्मोस) के साथ मॉस्को में ट्रेनिंग ने स्पेस रिसर्च में उनके सुनहरे भविष्य के लिए मंच तैयार कर दिया।

विलियम्स की ऐतिहासि उपलब्धियां

विलियम्स की अंतरिक्ष में ऐतिहासिक यात्रा 9 दिसंबर 2006 को अंतरिक्ष शटल डिस्कवरी पर सवार होकर एसटीएस-116 मिशन के साथ शुरू हुई। अभियान 14 और 15 के लिए एक फ्लाइट इंजीनियर के रूप में उन्होंने कई रेकॉर्ड बनाए। 5 जुलाई 2012 को, विलियम्स ने सोयुज टीएमए-05एम के साथ अपने दूसरे अंतरिक्ष मिशन की शुरुआत की। एक्सपेडिशन 32 के लिए फ्लाइट इंजीनियर के रूप में और बाद में एक्सपेडिशन 33 के कमांडर के रूप में सेवा की।

साल 2015 में, सुनीता विलियम्स को नासा के वाणिज्यिक क्रू कार्यक्रम के लिए अंतरिक्ष यात्रियों में से एक के रूप में चुना गया। इस प्रोग्राम का उद्देश्य आईएसएस मिशनों के लिए निजी अंतरिक्ष यान को आगे बढ़ाना था। सुनीता ने इसी साल, 2024 में बोइंग के सीएसटी-100 स्टारलाइनर की पहली चालक दल परीक्षण उड़ान का संचालन किया। थ्रस्टर विफलताओं और हीलियम लीक जैसे तकनीकी मुद्दों का सामना करने के बावजूद वह बोइंग को आईएसएस तक पहुंचाने में कामयाब रहीं।

बोइंग का स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान 5 जून को सुनीता और उनके अनुभवी अंतरिक्ष साथी को लेकर रवाना हुआ था। बोइंग के स्टारलाइनर को तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिससे मिशन को आगे बढ़ाना पड़ा। 6 सितंबर को नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरिक्ष यान को उसके चालक दल के बिना वापस लाने का फैसला किया।

सुनीता विलियम्स को फरवरी 2025 में स्पेसएक्स द्वारा बचाए जाने की उम्मीद है। फिलहाल वह अपने साथी अंतरिक्ष यात्री के साथ स्पेस में हैं।

हम सरकार बनाने जा रहे

श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर एनपीपी नेता दिसानायके का बड़ा दावा

कोलंबो, 19 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में अगले हफ्ते राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इसी को लेकर सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। इस बीच, नेशनल पीपल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अनुरा कुमार दिसानायके ने आगामी चुनाव के लिए अपना अभियान पूरा कर लिया है। उन्होंने दावा किया है कि वह इस साल का चुनाव जीतने जा रहे हैं।

बता दें, श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए 21 सितंबर को मतदान होना है। ऐसे में 48 घंटे पहले यानी बुधवार को प्रचार अभियानों पर रोक लगा दी गई है। मतदान शनिवार को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक 13,400 से अधिक मतदान केंद्रों पर होगा। यहां 1.7 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता हैं। जनता विमुक्ति पेरामुना यानी जेवीपी के नेता दिसानायके ने कोलंबो के घनी आबादी वाले नुगेगोडा में अपनी अंतिम रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी जीत सुनिश्चित है। हम 22 सितंबर की सुबह राष्ट्रपति पद पर जीत हासिल कर निश्चित रूप से सरकार बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि उनकी एनपीपी जीत के बाद संपूर्ण शासन और सामाजिक परिवर्तन लाएगी। उन्होंने यह भी कहा, 'हमारे पास तमिल और मुस्लिम अल्पसंख्यकों सहित सभी वर्गों के लोगों का अविश्वसनीय समर्थन है। हमारी सरकार एक सच्ची श्रीलंकाई सरकार होगी, जो कठिन संघर्षों के वर्षों के दौरान केवल एक सपना ही रह गई थी।'

क्या है एनपीपी और जेवीपी में रिश्ता?

गौरतलब है, दिसानायके नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के प्रमुख हैं, जो समान विचारधारा वाले समूहों का गठबंधन है। लेकिन वह मुख्य रूप से 2014 से जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता हैं, जो श्रीलंका का सबसे प्रभावशाली मार्क्सवादी संगठन है, जिसने 1971 और 1987-90 में राज्य की सत्ता पर कब्जा करने के लिए खूनी विद्रोह किए थे। उत्तर कोरिया ने 1971 के विद्रोह का सक्रिय रूप से समर्थन किया था, जिसे भारत सहित कई देशों की मदद से श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने कुचल दिया था, जिससे दोनों पक्षों में हजारों लोग मारे गए थे।

200 हाथियों को मारकर मीट बांटेंगे

हरारे, 19 सितंबर (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे में भुखमरी से निपटने के लिए सरकार ने हाथियों को मारने का आदेश दिया है। जिम्बाब्वे के 4 जिलों में 200 हाथियों को मारकर उसके मीट को अलग-अलग समुदायों में बांटा जाएगा। जिम्बाब्वे पार्क एंड वाइल्ड लाइफ अथॉरिटी ने इस बात की पुष्टि की है। दरअसल, जिम्बाब्वे पिछले 4 दशकों में सबसे बड़ी सूखे की समस्या से जूझ रहा है। इस वजह से देश की लगभग आधी आबादी पर खाने का संकट है। अल नीनो की वजह से पड़े सूखे की वजह से देश की पूरी फसल बर्बाद हो गई है। ऐसे में जिम्बाब्वे के 6 करोड़ 80 लाख से ज्यादा लोग खाने की कमी से जूझ रहे हैं। पार्क एंड वाइल्ड लाइफ अथॉरिटी के प्रवक्ता फरावो ने कहा कि हाथियों की हत्या के पीछे दूसरा मकसद जिम्बाब्वे के पार्कों में हाथियों की तादाद कम करना है। दरअसल, जिम्बाब्वे में करीब 1 लाख हाथी रहते हैं। यहां के पार्कों में सिर्फ 55 हजार हाथियों को रखने की जगह है। वहीं, सूखे की वजह से देश के नागरिकों और हाथियों के बीच संतुलन बनाए रखने में दिक्कत बढ़ने की आशंका है। पिछले साल जिम्बाब्वे में हाथियों के हमले में 50 लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले, जिम्बाब्वे में साल 1988 में भी हाथियों को काटकर उनके मीट को बेचा गया था। पिछले महीने अफ्रीकी देश नामीबिया में भी सूखे से निपटने के लिए 83 हाथियों को काटकर उसके मीट को लोगों में बांटा गया था। हाथियों के संरक्षण के लिए मशहूर जिम्बाब्वे लंबे समय से यूएन के कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन एनडेंजर्ड स्पीशीस से हाथियों और उनके दांतों को बेचने की इजाजत मांग रहा है। इस मांग में जिम्बाब्वे के अलावा बोत्सवाना और नामीबिया भी शामिल है।

यूक्रेन का रूस के हथियार डिपो पर ड्रोन हमला

दावा- कई मिसाइलें, बम, गोला-बारूद तबाह 6 किमी इलाके में आग, भूकंप के झटके भी आए

कीव, 19 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन ने रूस के हथियार डिपो पर बड़ा ड्रोन हमला किया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने यूक्रेन की स्टेट सिक्योरिटी सर्विस के हवाले से बताया कि रूस के त्वेर क्षेत्र में यह हमला किया। यहां कई मिसाइलें, बम और गोला-बारूद तबाह हो गए। अलजजीरा के मुताबिक, ड्रोन हमले से टोरोपेट्स शहर में रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रमुख हथियार डिपो में बड़ा धमाका हुआ। इसमें इस्कंदर मिसाइल सिस्टम के लिए बैलिस्टिक मिसाइलें रखी हुई थीं। इसके अलावा यहां तोचका-यू टेक्टिकल मिसाइल सिस्टम और कई गाइडेड बम मौजूद थे। बीबीसी ने बताया कि हमले के बाद 6 किमी के इलाके में आग लग गई। इस दौरान भूकंप के हलके झटके भी महसूस किए गए। यूक्रेन के एक अधिकारी ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि जहां ड्रोन अटैक हुआ, वहां रूस के अपने हथियारों के अलावा नॉर्थ कोरिया से मिली मिसाइलें भी मौजूद थीं।

यूक्रेन की इंटेलिजेंस और स्पेशल ऑपरेशन फोर्स ने मिलकर इस हमले को अंजाम दिया। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उसने रातभर में यूक्रेन के 54 ड्रोन्स को मार गिराया। हालांकि, हमले में कितना नुकसान हुआ, इसकी अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। रूस की स्टेट न्यूज एजेंसी आरआईए ने 2018 में बताया था कि रूस ने अपनी मिसाइलों, बमों और गोला-बारूद को रखने के लिए एक बड़ा हथियार डिपो बनाया। इसे 2015 में 326 करोड़ में तैयार किया गया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अब रूस में और अंदर घुसकर हमले करना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इसमें मदद के लिए वे अमेरिका पर दबाव भी बना रहे हैं।

जेलेंस्की ने 31 अगस्त को एक वीडियो जारी कर बताया था कि 30 अगस्त को रूस ने खारकीव पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें 6 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो गई और 97 लोग घायल हुए। जेलेंस्की ने कहा था कि इन हमलों को तभी रोका जा सकता है, जब यूक्रेन रूस की एयरफील्ड्स और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएगा। हम हर रोज अपने सहयोगी देशों से इस पर चर्चा कर रहे हैं। उन्हें इसके लिए राजी करने की कोशिश कर रहे हैं।

राहुल गांधी पर बयान पर डोटासरा बोले
'मिस्टर बिट्टू राजस्थान आकर दिखाना, छठी का दूध याद दिला देंगे'

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर केन्द्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू द्वारा दिए गए बयान पर देश भर में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर हैं। इसी कड़ी में राजस्थान कांग्रेस के नेताओं ने भी गुरूवार को जयपुर के शहीद स्मारक पर विरोध-प्रदर्शन किया। इस मौके पर पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि- बीजेपी राहुल गांधी को लेकर हेट स्पीच दे रही है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों द्वारा राहुल गांधी को लेकर जो बयान दिया गया वह गलत है।

दरअसल, जयपुर के शहीद स्मारक पर राहुल गांधी के समर्थन में एवं BJP नेताओं के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस का राज्य स्तरीय धरना आयोजित हुआ। इस विरोध प्रदर्शन में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, संयम लोढा सहित कई सांसद, विधायक और कांग्रेस कार्यकर्ता इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने संबोधन में कहा कि, 'इनको डर सता रहा है कि ये सरकार बीच में जाने वाली है, इसलिए माहोल खराब करने का काम करने में लग हुए हैं। कहा- चुनाव में 400 पार की बात कहने वालों के तो मोरिये उड़ गए। डोटासरा ने अपने संबोधन में कहा कि, ये लोग देश में तनाव का माहौल बनाना चाहते हैं, ये साजिश का यह पूरा हिस्सा है।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर कहा कि, राजस्थान से राज्यसभा में गए हैं, अब वापस राजस्थान आकर दिखा देना। हम बात देंगे कि कौन आतंकवादी है, कौन नहीं...। जिसका खाया उसी को वह गालियां दे रहा है। राहुल गांधी ने उन्हें तीन बार सांसद बनाया। हमने उन्हें निर्विरोध राज्यसभा भेजा क्योंकि प्रजातंत्र था बहुमत उनके पास था। यदि यह बयान पहले दिया होता तो छठी का दूध याद दिला देते।

वहीं उपराष्ट्रपति पर बोलते हुए कहा कि, धनकड़ साहब की फोटो बीजेपी के नेताओं के साथ नहीं आनी चाहिए, बीजेपी नेताओ की तारीफ कर रहे हैं, जो उनके पद के अनुरूप नही है। उनसे निवेदन हैं कि वो अपने पद की गरिमा को तार- तार ना करें, राजस्थान के लोग इसको बिलकुल बर्दास्त नहीं करेंगे।'

आगे कहा- वे यहां भाजपा का प्रचार के लिए आते है, राजस्थान का सम्मान है कि वो उराष्ट्रपति बने है, लेकिन उनके मुंह से भाजपा का प्रचार मंजूर नही है। पीएम ने अपने पद की गरिमा गिराई, कम से कम धनखड़ साहब आप तो अपने पद की गरिमा बचा कर रखें। डोटासरा ने कहा- जब उपराष्ट्रपति बनकर आये थे, हमने उनका सबसे पहले स्वागत किया था। अब राहुल गांधी पर टिपण्णी करते रहते हैं, उनका ये बयान उनके पद की गरिमा के अनुकूल नहीं है।

'वन नेशन वन इलेक्शन' पर बोलते हुए डोटासरा ने कहा- बीजेपी बिना वजह कोई ना कोई प्रस्ताव लाती रहती है और वन नेशन वन इलेक्शन कब लागू होगा खुद बीजेपी को इस बारे में पता नहीं है। यह तो केवल शगूफा है। ऐसे में कैबिनेट में किस तरह से वन नेशन वन इलेक्शन पर प्रस्ताव पारित हुआ इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- 'राजस्थान में क्राइम का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है, महिलाओं पर अत्याचार में भी इजाफा हो रहा है। इनको सरकार चलानी नहीं आती, केवल कांग्रेस पर आरोप लगाना आता हैं। आगे कहा- विदेश में जाकर सम्मान करा रहे हैं, जबकि निवेश की बात नहीं करते। फूट डालो-राज करो की नीती अपना रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी का एक- एक कार्यकर्ता इसका देगा जवाब।'

इससे पहल गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि, प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर ही राहुल गांधी के खिलाफ बयान दिए जा रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को जो चिट्ठी लिखी है उसे पर वे संज्ञान लेंगे। यदि उनकी शह पर इस तरह का बयान नहीं होता तो इस चिट्ठी पर दो-तीन दिन बाद कोई बात मोदी जी की तरफ से सामने आ जानी चाहिए थी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहे हैं।

गौरतलब है कि, राजस्थान से राज्यसभा सांसद और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक बयान देते हुए कहा था कि राहुल गांधी हिंदुस्तानी नहीं है और देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं। इस बयान के बाद देशभर में कांग्रेस की ओर से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

सवाई माधोपुर जिले को कोटा संभाग में किया जाए शामिल
किरोड़ी लाल ने सीएम भजनलाल के सामने रखी डिमांड

सवाई माधोपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले को लेकर डॉ किरोड़ी लाल मीना ने बड़ी मांग उठाई है। किरोड़ी लाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर सवाई माधोपुर को भरतपुर संभाग से अलग कर कोटा संभाग में शामिल करने की मांग रखी है। उन्होंने पत्र में लिखा कि 'जनहित में सवाई माधोपुर जिले को भरतपुर संभाग से हटाकर कोटा संभाग में शामिल करने के आदेश जारी कर अनुगृहित करावें'।

डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर मांग रखी है कि 'जिला सवाई माधोपुर वर्तमान में भरतपुर संभाग में आता है, जो जिला मुख्यालय से 200 किमी. की दूरी पर स्थित है। सवाई माधोपुर से भरतपुर सड़क मार्ग से जाने की पर्याप्त आवागमन सुविधा नहीं है।

उन्होंने आगे लिखा कि 'इसी के साथ सवाई माधोपुर को छोड़कर जिले की अन्य तहसील मुख्यालयों का रेल मार्ग से भी जुडाव नहीं होने के कारण सम्भागीय कार्य हेतु भरतपुर जाने के लिए सवाई माधोपुर जिले के लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है'।

किरोड़ी लाल मीना ने लिखा कि 'पूर्व में जिला सवाई माधोपुर कोटा संभाग में था, जिसकी दूरी मात्र 130 किमी. है। यहां के लिए रेल एवं बस मार्ग का सीधा जुडाव होने से लोगों को अच्छी सुविधा मिल रही थी। साथ ही सवाईमाधोपुर जिले की भाषा एवं संस्कृति कोटा जिले से मिलती जुलती है। इससे सवाई माधोपुर के लोगों को अपने कार्य कराने में काफी सरल और सुगम रहता था'। उन्होंने सीएम भजनलाल शर्मा से मांग करते हुए कहा कि 'सवाई माधोपुर मेरा निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण यहां के लोगों की भारी मांग है कि सवाई माधोपुर को भरतपुर संभाग से हटाकर कोटा संभाग में शामिल कराया जाये। मेरा अनुरोध है कि जनहित में सवाई माधोपुर जिले को भरतपुर संभाग से हटाकर कोटा संभाग में शामिल करने के आदेश जारी कर अनुगृहित करावें'।

शांति धारीवाल के मर्दों वाले बयान से गरमाई सियासत
बीजेपी ने किया तीखा पलटवार

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के मर्दों वाले बयान से राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने धारीवाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि ऐसे नेताओं की वजह से ही राजस्थान की गलत छवि पेश की जाती है। बता दें कि अलवर में दिवंगत विधायक जुबेर खान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शांति धारीवाल ने राजस्थान को मर्दों का प्रदेश बताया। वे पहले भी ऐसा ही बयान दे चुके है।

वनमंत्री संजय शर्मा ने धारीवाल के बयान पर पलटवार करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि राजस्थान विधानसभा में 9 मार्च, 2022 को आपके द्वारा दिया गया बयान निंदनीय है। आज भी आप इस बयान पर कायम हो ये घोर निंदनीय है। कुछ तो शर्म करो धारीवाल जी।

मांडलगढ़ विधायक ने भी बोला तीखा हमला

वहीं, भीलवाड़ा के मांडलगढ़ से विधायक गोपाल लाल शर्मा ने शांति धारीवाल जैसे नेताओं की वजह से ही राजस्थान की गलत छवि पेश की जाती है। रेप जैसे संगीन अपराधों पर भी उनके ऐसे आपत्तिजनक बयान उनके और कांग्रेस के वास्तविक चेहरे को उजागर करते हैं।

उन्होंने लिखा कि शांति धारीवाल का बयान महिलाओं के प्रति कांग्रेस की महिला विरोधी सोच को उजागर करता है।

ढाई साल पहले के उनके बयान पर कांग्रेस आलाकमान ने उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया था। अब उन्होंने फिर महिलाओं को नीचा दिखाने के लिए दोबारा बयान देकर अपनी मानसिकता जाहिर की है।

कांग्रेस नेता ने दिया था ये बयान

अलवर में दिवंगत विधायक जुबेर खान को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कांग्रेस नेता शांति धारीवाल ने कहा कि मैं फिर कहता हूं कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। यहां बड़े-बड़े सूरमा पैदा हुए हैं।

मर्दों का प्रदेश नहीं कहूं तो और क्या कहूं। भाजपा वाले मुझसे और क्या कहलवाना चाहते हैं। धारीवाल ने प्रदेश सरकार पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि यह तो भजन कीर्तन करने वाली कंपनी है। इनके पास कोई विज़न नहीं है न ही करने को कुछ बचा है।

राजेंद्र गुढ़ा का कलेक्ट्रेट पर धरना
ब्लास्टिंग पर रोक के बाद भी हो रहा है खनन, विरोध दर्ज कराया

झुंझुनू 19 सितंबर (एजेंसियां)। कोर्ट द्वारा ब्लास्टिंग पर रोक लगाने के बावजूद खनन कार्य के लिए ब्लास्टिंग की जा रही है, जिससे अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है और कई पशु भी अपनी जान गंवा चुके हैं। शहर के कान्हा पहाड़ी में खनन कार्य बंद करवाने की मांग को लेकर आज कान्हा पहाड़ी के आसपास के निवासीगण बड़ी संख्या में पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट पर पहुंचे और खनन कार्य को लेकर अपना विरोध दर्ज करवाया।

स्थानीय लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि यह लीज बरसों से बंद है। कोर्ट ने ब्लास्टिंग पर रोक लगाई हुई है। ब्लास्टिंग से हुए गहरे गड्ढों में डूबने के कारण अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है और कई बेजुबान जानवर मर चुके हैं लेकिन अब लीजधारक फिर से यहां खनन कार्य कर रहे हैं। पत्थरों को उठाने के लिए ट्रक लगे हुए हैं, जो रात दिन पत्थर उठा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पहाड़ी के पास घनी आबादी है। खनन कार्य से कभी भी जनहानि हो सकती है। इस अवसर पर राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि शहर के बीच में लीज चल रही है, ब्लास्टिंग हो रही है इसकी कल्पना नहीं कर सकते। दूर पहाड़ों में भी ऐसा नहीं होता,

पता नहीं पैसा देकर या किसी का ईमान खरीदकर यह काम हो रहा है, किसी भी तरह से यह जस्टिफाई नहीं होता। शहर के बीच में लीज चलाना, ब्लास्टिंग करना, क्या साबित करना चाह रहे हैं ये लोग?

उन्होंने कहा कि जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने के बाद क्या जवाब मिलता है, फिर देखते हैं। वहीं ब्लास्टिंग की जगह साफ-सफाई व तारबंदी का कार्य शुरू होने के बाद लोग सड़कों पर उतर आए थे और धरने पर बैठ गए थे, जिसके चलते अब स्थानीय निवासियों व लीजधारकों के बीच कभी भी मामला बिगड़ने की संभावना है।

ढाई साल की नीरू ने जीती जिंदगी की जंग
बोरवेल में फंसी मासूम को 17 घंटे बाद सकुशल बाहर निकाला

दौसा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा जिले के बांदीकुई में बोरवेल में फंसी ढाई साल की मासूम को आज सुबह सकुशल बाहर निकाल लिया है। बोरवेल में 30 फीट गहराई में फंसी बच्ची नीरू गुर्जर को निकालने के लिए एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और एनडीआरएफ की टीमें बारिश के बीच भी रातभर रेस्क्यू में जुटी रही। आखिरकार, सुबह करीब 10 बजे मासूम को बोरवेल से सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

करीब 17 घंटे बाद बोरवेल से निकाली गई मासूम को सुरक्षित देख मां-बाप सहित हर किसी के चेहरे पर खुशी के आंसू छलक पड़े। मासूम बेटी नीरू को एम्बुलेंस की सहायता से उपजिला अस्पताल बांदीकुई ले जा गया। जहां पर मेडिकल जांच होगी। बताया जा रहा है कि बच्ची सकुशल है। वहीं, हर कोई रेस्क्यू टीमों की तारीफ कर रहा है। जिन्होंने बारिश के बीच भी रेस्क्यू जारी रखा।

कैमरे में बच्ची मूवमेंट से जगी उम्मीद

एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और एनडीआरएफ की टीम ने बारिश के बीच भी रातभर रेस्क्यू जारी रखा। बोरवेल में बच्ची के गिरने के बाद पाइप डाल कर बच्ची तक ऑक्सीजन पहुंचाई गई। साथ ही बोरवेल में सीसीटीवी कैमरे उतारे गए, जिससे बच्चों के मूवमेंट पर नजर रखी गई। कैमरे में बच्ची मूवमेंट करती नजर आई, जिससे प्रशासन और परिजनों में उम्मीद जगी। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन और तेजी लाई गई।

ऐसे किया गया रेस्क्यू

रेस्क्यू टीमों ने बोरवेल के पास 31 फीट का गड्ढा खोदा है। वहां से 20 फीट लंबा पाइप बच्ची की तरफ डाला गया है। ताकि बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। आज सुबह 7 बजे तक

करीब 14 बार एंगल के सहारे बच्ची को निकालने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। माइक के जरिए मां की बेटी से बात करवाई गई।

मां ने कहा कि बेटी अपने दोनों हाथ ऊपर करो। रस्सी का फंदा अपने हाथ डाल दो। तभी तुम ऊपर आओगी। लेकिन, जब सफलता नहीं मिली तो रेस्क्यू टीमों ने 23 का टनल खोदा। इसके बाद रेस्क्यू टीम बच्ची तक पहुंच गई और सकुशल सुरक्षित बाहर निकाला गया। बच्ची के बाहर आते ही मौके पर जश्न का माहौल नजर आया।

जानकारी के मुताबिक बांदीकुई के समीप जोधपुरिया गांव में कंप्यूटर इंजीनियर राहुलसिंह गुर्जर की छोटी बेटी नीरू गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे बोरवेल में गिर गई और 30 फिट गहराई में अटक गई थी। घटना का करीब 25 मिनट बाद परिजनों को पता चला। सूचना पर प्रशासन ने करीब सवा पांच बजे तीन जेसीबी मशीनों से बोरवेल के समानांतर खुदाई का कार्य शुरू कराया। मेडिकल टीम ने बोरवेल में ऑक्सीजन के पाइप उतारे।

चार जेसीबी व कई ट्रैक्टरों से खुदाई व मिट्टी को हटाने का कार्य शुरू किया। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू होने के कुछ देर बाद ही बारिश का दौर शुरू हुआ, जिस पर प्रशासन ने बोरवेल को टैंट और तिरपाल से ढकवाया। बारिश से बचाव कार्य में परेशानी का सामना करना पड़ा। देर रात तक एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस की टीम मौके पर बचाव कार्य में लगी रही। एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया। रेस्क्यू टीमों ने करीब 17 घंटे बाद बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला।

भीलवाड़ा जिले में गरमाया माहौल
देशद्रोही नारे लगाने पर विवाद, बाजार बंद करवाए, पुलिस बल तैनात

भीलवाड़ा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में माहौल गरमाया हुआ है। मांडलगढ़ तहसील क्षेत्र के महुआ गांव में समुदाय विशेष के व्यक्ति की ओर से लगवाए गए भारत विरोधी व पाकिस्तान जिंदाबाद के नारों से विवाद खड़ा हो गया। गुस्साएं लोगों ने तीन केबिन में आग लगा दी। मांडलगढ़ थाने के जाप्ते ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। घटना के विरोध में गुरुवार को महुआ के बाजार बंद है और बड़ी संख्या में पुलिस बल वहां तैनात है।

गुरुवार को तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए महुआ कस्बे के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान स्वैच्छिक बंद कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, मौके पर सुबह से ही पुलिस प्रशासन मौके पर तैनात है। मांडलगढ़ पुलिस उपाधीक्षक और विधायक प्रतिनिधि मुकेश खंडेलवाल दुकानें खोलने के लिए व्यापारियों से समझाइश कर रहे है। हालांकि, इस घटना को लेकर मांडलगढ़ पुलिस थाने में किसी भी पक्ष ने मामला दर्ज नहीं कराया है। पुलिस घटना के हर पहलू की अपने स्तर पर जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश का एक मौलवी कुछ बच्चों को ट्रैक्टर से भीलवाड़ा जिले के महुआ गांव की तरफ ला रहा था। रास्ते में वह बच्चों से भारत विरोधी एवं पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगवा रहा था। महुआ में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगने की जानकारी होने ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

ग्रामीणों ने मौलाना को पकड़ लिया और गांव की चौपाल पर ले आए। यहां पर ग्रामीणों ने उसकी जमकर धुनाई की। ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों को भी मौके पर बुला लिया। मांडलगढ़ थाने का जाप्ता मौके पर पहुंचा। वहीं, मांडलगढ़ वृत्त के 4 थाने और जिले से अतिरिक्त पुलिस जाब्ता कस्बे में तैनात किया गया। इसी बीच कुछ लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों की तीन मनिहारी की केबिन में आग लगा दी। घटना से गांव में माहौल गरमा गया। आग को बाद में स्थानीय लोगों ने दमकल की मदद से बुझाया। घटना की सूचना पर मांडलगढ़ थानाधिकारी चन्द्र प्रभात पुलिस बल के साथ महुआ पहुंचे। गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। आज विरोध में बाजार बंद है।

भीलवाड़ा जिले के निकटवर्ती शाहपुरा में एक दिन पहले ही गणेश पंडाल में जानवर के अवशेष पाए गए थे। जिस पर लोगों ने काफी हंगामा किया था। इससे पहले शाहपुरा जिले के जहाज़पुर कस्बे में जलझूलनी एकादशी के धार्मिक जुलूस पर हुए पथराव की घटना पर जमकर बवाल हुआ था। ऐसे में अब एक बार फिर माहौल बिगाड़ने की कोशिश का मामला सामने आया है।

बच्चों के सामने ट्रेन की चपेट में आई मां की मौत
दर्दनाक मंजर देख दहल उठे बच्चे

अजमेर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। दौराई स्टेशन के पास रेलवे ट्रेक पार कर स्कूल से बच्चों को लेने आई शिक्षिका मां की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हृदय विदारक हादसा शिक्षिका के मासूम बच्चों के सामने घटित हुआ। मृतका मदरसा बोर्ड में पैराटीचर थी। वह मदरसे से छुट्टी के बाद स्कूल से लौटे अपने बच्चों को लेने अजमेर-ब्यावर रेल लाइन पर पटरी के पार जा रही थी।

पुलिस के अनुसार ब्यावर रोड एचएमटी के सामने हाल दौराई देशवाली मोहल्ला निवासी इशरत परवीन (39) पत्नी महबूब मंसूरी मदरसे से छुट्टी के बाद पटरी पार खानपुरा निजी स्कूल में अध्ययनरत बेटी शाहिता (14), साजिया(10) व बेटा मोहमद इमान(7) को लेने आई थी। तीनों बच्चे खानपुरा की ओर पटरी पार खड़े थे। इशरत ब्यावर रोड के पास स्कूटर खड़ा कर अजमेर-ब्यावर व डीएफसीसी रेल लाइन पार कर बच्चों को लेने पैदल जा रही थी तभी ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसे की सूचना मिलते ही महबूब और उसके परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे। जमी हाल इशरत को परिजन जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रामगंज थाना पुलिस ने संदिग्ध हालात में मृत्यु का मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम करा शव परिजन को सुपुर्द कर दिया।

जिस वक्त मां के साथ हादसा पेश आया रेल की पटरियों के दूसरे छोर पर इशरत के तीनों बच्चों खड़े थे। तीनों को सुरक्षित पटरी पार करवाकर लाने के इरादे से इशरत दूसरी तरफ जा रही थी।

हिस्ट्रीशीटर ने घर में घुसकर महिला को मारी गोली, परिजनों ने देखा तो उड़े होश

झुंझुनू, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सिंघाना थाना क्षेत्र के खानपुर में हिस्ट्रीशीटर ने घर में काम कर रही एक महिला को गोली मार दी। गोली लगने से घायल महिला को सिंघाना के राजकीय अस्पताल में लाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे झुंझुनूं रेफर किया गया है। घायल महिला के जेठ देशराज ने बताया कि शाम करीब छह बजे वह पशुओं को चारा डाल रहा था। वहीं उसके छोटे भाई वेदप्रकाश की पत्नी संजना (45) घर में घरेलू काम कर रही थी। इस दौरान थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर उमेश यादव पुत्र हरफूलसिंह यादव अपने एक साथी के साथ उनके घर आया तथा घर में घुसकर संजना को गोली मारकर बाजरे की फसल में से होता हुआ फरार हो गया। गोली की आवाज सुनकर जब उसने घर में जाकर देखा तो संजना देवी खून से लथपथ पड़ी हुई थी। इस दौरान आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा घायल संजना को एंबुलेंस के जरिए सिंघाना के राजकीय अस्पताल में पहुंचाया।

उदयपुर में लेपर्ड के हमले में नाबालिग की मौत
जंगल में चार किमी अंदर मिला शव

उदयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लेपर्ड के हमलों में इंसानी मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। 10 दिन पहले ही लेपर्ड ने एक महिला का सिर धड़ से अलग कर दिया था। अब उदयपुर के उंडीथल गांव में बकरियां चराने गई एक नाबालिग लड़की की भी लेपर्ड ने जान ले ली।

लेपर्ड लड़की को घसीटते हुए जंगल में चार किमी अंदर ले गया और उसका हाथ चबा गया।

नाबालिग के मुंह, पीठ और छाती को भी लेपर्ड ने बुरी तरह नोंच डाला। लड़का का शव घने जंगल में करीब 4 किलोमीटर अंदर मिला है। मामला गोगुंदा थाना क्षेत्र के उंडीथल गांव में गुरुवार सुबह का है। लड़की की तलाश की जा रही थी।

गोगुंदा थानाधिकारी शैतानसिंह नाथावत ने बताया कि कमला (16) पुत्री अंबालाल कपाया उंडीथल गांव के जंगल में बकरियां चराने गई थी। देर रात तक वह वापस घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता होने लगी। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से देर रात तक बच्ची को तलाशने की कोशिश की लेकिन उसका कोई पता नहीं लग पाया। सुबह परिजन और ग्रामीण जंगल की तरफ तलाश करने पहुंचे तो घटना का पता लगा। नाथावत ने बताया कि शव मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। इधर ग्रामीणों ने घटना के बाद क्षेत्र में पिंजरा लगाकर लेपर्ड को पकड़ने की मांग की है।

अत्यधिक बारिश भी भोंगीर गांवों की प्यास बुझाने में विफल

> पानी की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं किसान
> सूख रही हैं फसलें, सूख गया गांव का एकमात्र तालाब

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री भोंगीर जिले के विभिन्न गांवों के किसान पानी की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं, जिसके कारण फसलें सूख रही हैं और सूखे की स्थिति बन रही है। इस मौसम में जिले में 13 प्रतिशत अधिक बारिश होने के बावजूद, भोंगीर मंडल के वडापर्थी जैसे गांवों में काफी मुश्किलें आ रही हैं। वाडापर्थी में गांव का एकमात्र तालाब लगभग सूख चुका है, जिससे सिंचाई या सामुदायिक जरूरतों को पूरा करने में असमर्थता है। मन्नेवरिपम्पु, मरियाल, मेडिपल्ली और हनमापुर में भी ऐसी ही स्थिति है, जहां भूजल में कमी के कारण निवासियों में गंभीर संकट पैदा हो गया है। अगस्त के आखिरी सप्ताह तक पानी की कमी बनी रही, 30 और 31 अगस्त को भारी बारिश के कारण आस-पास के इलाकों में बाढ़ आ गई, फिर भी वाडापर्थी के तालाब खाली रह गए।

सितंबर के पहले सप्ताह तक कोंडापोचम्मा सागर से पानी छोड़ कर वाडापर्थी के किसानों की सिंचाई की जरूरतें अस्थायी रूप से पूरी की गईं। हालांकि, मंडल के भीतर नहर प्रणाली में दरार के कारण पानी छोड़ना रोक दिया गया था। 15 टीएमसी की कुल भंडारण क्षमता वाला कोंडापोचम्मा सागर इस क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा रहा है। फिर भी, पिछले साल परियोजना में सीमित प्रवाह ने स्थिति को और खराब कर दिया। वाडापर्थी सहित कई गांव अब बसवापुर जलाशय के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें तत्कालीन नलगोंडा जिले में 165 लाख एकड़ की सिंचाई के लिए 11.39 टीएमसी पानी होने की उम्मीद है। सीपीएम मंडल सचिव डी. नरसिम्हा ने उम्मीद जताई कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना से गोदावरी के पानी की आपूर्ति से ही गांव को राहत मिलेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोंडापोचम्मा सागर से नियमित आपूर्ति से भूजल स्तर में सुधार होगा।

वाडापर्थी के किसानों ने मंडल राजस्व अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तुर्कापल्ली मंडल के गोल्लागुडेम और पल्लेपहाड़ जैसे गांवों के तालाबों को भरने के लिए सुनिश्चित जल आपूर्ति का अनुरोध किया है।

उनका मानना है कि एक बार ये तालाब भर जाने के बाद वाडापर्थी के तालाब भी नहर के संपर्क की जरूरत के बिना ही भर जाएंगे। स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है और किसान उत्सुकता से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने और अपनी कठिनाइयों को कम करने के लिए सरकारी हस्तक्षेप का इंतजार कर रहे हैं।

आदिलाबाद में किसान-बीआरएस नेता गिरफ्तार

आदिलाबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिना शर्त फसल ऋण माफी की मांग को लेकर प्रजा भवन का घेराव करने के लिए हैदराबाद जाने की कोशिश के बाद पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में किसानों और बीआरएस के नेताओं को गुरुवार को एहतियातन हिरासत में लिया गया। आदिलाबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल और निर्मल जिला केंद्रों में चलो प्रजा भवन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए तैयार हो रहे नेताओं को गिरफ्तार कर स्थानीय पुलिस थानों में रखा गया। उन्हें सुबह-सुबह उनके घरों से उठा लिया गया और पुलिस थानों में ले जाया गया।

नेताओं ने कहा कि सरकार विपक्ष को गिरफ्तार करके उनकी आवाज दबा रही है। उन्होंने सरकार से बिना किसी शर्त के फसल ऋण माफी की अवधि बढ़ाने की मांग की। उन्होंने अफसोस जताया कि रैतु बंधु योजना और विभिन्न बैंकों द्वारा फसल ऋण स्वीकृत करने में देरी के कारण किसानों को फसल उगाने में कठिनाई हो रही है।

हिंदी को आगे बढ़ाना हमारी प्रमुखता होनी चाहिए : सीमा वर्मा

मानू में "बहुभाषी दौर में हिंदी का भविष्य" पर परिचर्चा

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर "बहुभाषी दौर में हिंदी का भविष्य" विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। समारोह की मुख्य वक्ता डॉक्टर सीमा वर्मा, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार ने हिंदी भाषा के महत्व को बहुभाषा के संदर्भ में विस्तृत तौर पर समझाया।

भारत में भाषाई विविधता है विभिन्न भाषाओं का मान सम्मान करते हुए हमें हिंदी के उत्थान को भी आगे बढ़ाना चाहिए। डिजिटल दौर में जिस तरह से भाषाओं में परिवर्तन हो रहा है उन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए हिंदी के विकास को आगे बढ़ाना हमारी प्रमुखता रहनी चाहिए।

डॉ. शगुफ्ता परवीन, हिंदी भाषा अधिकारी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी ने समारोह में हिंदी भाषा प्रकोष्ठ का यूनिवर्सिटी में हिंदी के विकास, उत्थान, शिक्षण और प्रशिक्षण की भूमिका पर रोशनी डाली। उन्होंने हिंदी भाषा को प्रशासन में प्रयोग करने पर विशेष तौर पर जोर दिया। हिंदी विभाग के प्रोफेसर पठान रहीम खान ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में रोजगार और भविष्य को लेकर विस्तृत तौर पर व्याख्यान दिया। प्रोफेसर पठान ने बताया कि हिंदी भाषा के अध्ययन से भी हम अपना बेहतर कैरियर बना सकते हैं इसमें भी रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। प्रोफेसर पठान ने निजी क्षेत्र में भी हिंदी में रोजगार को लेकर विद्यार्थियों को सचेत किया। विश्वविद्यालय राजभाषा समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर नजमुल हसन ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा में कामकाज करने और प्रशासन में इसके प्रयोग पर विस्तृत तौर पर बताते हुए इसे हिंदी भाषा के रोजमर्रा के कामकाज में प्रयोग पर जोर दिया। प्रोफेसर सिद्दीकी मोहम्मद मोहम्मद, ओएसडी, मानू ने विभिन्न स्थानीय व क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए हिंदी भाषा के वैश्विक दौर में उत्थान और उसके विकास पर विस्तृत तौर पर ध्यान दिलाया। शिक्षा एवं प्रशिक्षण संकाय की डीन प्रोफेसर एम. वनजा ने विभिन्न भाषाओं के ज्ञान और समझ को शिक्षण के संदर्भ में विस्तार पूर्वक समझाते हुए परिवार के संदर्भ में भी इस पर रोशनी डाली।

प्रोफेसर वनजा ने विद्यार्थियों को स्थानीय व क्षेत्रीय भाषाओं के अलावा किसी अंतर्राष्ट्रीय भाषा के अध्ययन के लिए भी प्रेरित किया। प्रोफेसर वनजा ने संकाय में हिंदी शिक्षण के अध्ययन पर भी चर्चा की। प्रोफेसर वनजा ने प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉक्टर अश्विनी ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि हमें भाषाई विविधता को समझते हुए भारत के संदर्भ में अपनी विभिन्न क्षेत्रीय व स्थानीय भाषाओं का अध्ययन करना चाहिए।

हिंदी माह का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय द्वारा हिंदी माह का आयोजन 13 अक्टूबर, 2024 तक किया जा रहा है। इस अवसर पर अंचल प्रबंधक के नेतृत्व में स्टाफ सदस्यों द्वारा 'राजभाषा प्रतिज्ञा' ली गई। अंचल प्रमुख दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की विशाल भौगोलिक सीमा में एक स्थान से दूसरे स्थान के बीच जलवायु में बदलाव के साथ भाषा में भी अत्यंत विविधता को एकता सूत्र में बांधने वाली भाषा है हिंदी। इस अवसर पर उप अंचल प्रबंधक संजय माने ने भी संबोधित किया। इसी कड़ी में आज स्टाफ सदस्यों के लिए 'कामकाजी जीवन में संतुलन कैसे बनाएं' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसमें प्रतिभागियों द्वारा तीन मिनट की समयावधि में संबंधित विषय पर विचारों को अभिव्यक्ति दी गई। निर्णायक मंडल में सहायक महाप्रबंधकगण एस वेंकट कृष्णन, सी बी वासुदेव राय एवं श्यामा कुमार शामिल रहे। प्रतियोगिता में 35 से अधिक स्टाफ सदस्यों की सहभागिता रही। समस्त कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन मुख्य प्रबंधक(राजभाषा) डॉ. साकेत सहाय द्वारा किया गया।

तीसरे दिन भी किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी

कोडंगल, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के फसल ऋण माफी के बड़े-बड़े दावों के बावजूद, दलितों सहित कई किसान मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्वाचन क्षेत्र के बोमरसपेट मंडल में फसल ऋण माफी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वे पिछले तीन दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए किसान गुरुवार को यहां भारतीय स्टेट बैंक के सामने प्रदर्शन कर रहे थे और मांग कर रहे थे कि उनके फसल ऋण को बिना किसी शर्त के माफ किया जाए। पुलिस ने किसानों और किसान यूनियन के नेताओं को भी हिरासत में ले लिया ताकि वे अपनी मांगों को लेकर हैदराबाद में प्रजा भवन की ओर न जा सकें। तकनीकी मुद्दों की आड़ में कई किसानों के फसल ऋण अभी तक माफ नहीं किए गए हैं। एक किसान ने शिकायत की कि जिन किसानों का ऋण 2 लाख रुपये से कम है, वे भी अपनी ऋण माफी की स्थिति जानने के लिए रोजाना बैंकों के चक्कर लगा रहे हैं।

एलएंडटी हैदराबाद मेट्रो रेल का आधिकारिक एक्स अकाउंट हैक

> किसी भी लिंक पर क्लिक न करने की अपील

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराधियों ने गुरुवार की सुबह एलएंडटी समूह के एक्स अकाउंट को हैक कर लिया और उसे बिक्री के लिए डाल दिया। ऐसा कहा जा रहा है कि यह एक्स अकाउंट हैकिंग की होड़ का हिस्सा है। एलएंडटी के अकाउंट के अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि हैक किए गए अकाउंट में मनीकंट्रोल (1.4 मिलियन फॉलोअर्स), पीपल मैगज़ीन (7.8 मिलियन) और यहां तक कि यूरोपीय आयोग द्वारा संचालित एक अकाउंट भी शामिल है, जिसके करीब 100के फॉलोअर्स हैं।

सभी हैक किए गए अकाउंट पोस्ट एक जैसे हैं, जिसमें कहा गया है, यह हैक किया गया अकाउंट है! एक रिपोर्ट के अनुसार साइबर हमला सोलाना ब्लॉकचेन पर एक क्रिप्टोकरेंसी टोकन को बढ़ावा दे रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह स्पष्ट नहीं है कि हैकर्स ने इन एक्स खातों से कैसे समझौता किया? लेकिन यह समझौता किए गए एपीआई कुंजी या खातों से जुड़े तीसरे पक्ष के ऐप के माध्यम से हो सकता है। इस बीच, एलएंडटी ने स्थिति का जायजा लिया और अपने अकाउंट पर नियंत्रण वापस पा लिया। सुबह 8.30 बजे एक पोस्ट में कहा गया कि हमारा आधिकारिक ट्विटर/एक्स अकाउंट हैक हो गया है। कृपया अगली सूचना तक किसी भी लिंक पर क्लिक करने या पोस्ट से जुड़ने से बचें। हम इस पर काम कर रहे हैं और जल्द ही आपको अपडेट करेंगे।

जिले में धूमधाम से मनी ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का त्योहार

आसिफाबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला केंद्र में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। जुलूस में बच्चे और युवा रंग-बिरंगी पोशाकों में शामिल हुए। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था की। भाईचारा का पैगाम देने वाले त्योहार ईद मिलाद-उन-नबी को लेकर जिला मुख्यालय में जुलूस निकाला गया। त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गया था। लोग अपने परिजनों और करीबियों से मिलकर मिलाद-ए-नबी की शुभकामनाएं भी दी।

हिंदी परववाडा का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अंचल कार्यालय में आज हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। कारे भास्कर राव, मुख्य महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने बैठक की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में ए रवि कुमार उप महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख तथा अरुण कुमार, उप महाप्रबंधक एवं उप अंचल प्रमुख, बड़ी संख्या में कार्यपालक, अधिकारीगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार अपना कार्य हिंदी में करने के लिए स्टाफ सदस्यों ने प्रतिज्ञा ली।

आशीष कुमार अग्रवाल, मुख्य प्रबंधक ने बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया। देवकांत पवार, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर बैंक स्टाफ सदस्यों और बच्चों के लिए विविध हिंदी प्रतियोगिताएं जैसे हिंदी बैंकिंग शब्दावली प्रतियोगिता, सुलेख प्रतियोगिता, राजभाषा ज्ञान, चित्र देखो और वर्णन करो तथा बच्चों के लिए प्रतिभा अन्वेषण प्रतियोगिता और चित्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। पखवाड़ा के दौरान बैंक का आंतरिक कामकाज अधिक से अधिक हिंदी में करने का भी स्टाफ सदस्यों ने प्रण लिया है।

आरजीआईए ने जीते पुरस्कार

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (आरजीआईए) को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा 'ऊर्जा प्रबंधन में उत्कृष्टता' के लिए 25वें राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में 'राष्ट्रीय ऊर्जा लीडर' और 'उत्कृष्ट ऊर्जा कुशल इकाई' के खिताब से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता आरजीआईए के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसे लगातार छठे वर्ष 'राष्ट्रीय ऊर्जा लीडर' सम्मान तथा आठवीं बार 'उत्कृष्ट ऊर्जा कुशल इकाई' का सम्मान प्राप्त हुआ है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये पुरस्कार हवाई अड्डे की अपनी कार्यप्रणालियों में ऊर्जा दक्षता और स्थिरता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं तथा विमानन क्षेत्र में ऊर्जा प्रबंधन में अग्रणी के रूप में इसकी भूमिका को दर्शाते हैं।

मेडिकल स्टोर पर बिक रही आदत डालने वाली दवाएं

मंचेरियाल, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियाल जिले के अधिकारियों के जिले में करीब 600 दवा दुकानें हैं इनमें से कुछ दुकानें कथित तौर पर जल्दी से जल्दी पैसा कमाने के लिए कई नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। यहां तक कि वे डॉक्टर के पर्चे के बिना दवाइयां बेच रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, फार्मासिस्टों के स्थान पर इंटरमीडिएट या दसवीं कक्षा उत्तीर्ण युवाओं को नियुक्त किया जाता है। नवीनतम प्रवृत्ति में दुकानें नशे की लत के शिकार लोगों को कोडीन युक्त खांसी की दवा नाइट्राजेपाम, दर्द निवारक, चिंता और घबराहट संबंधी विकारों के उपचार के लिए आदत बनाने वाली दवाएं अत्यधिक दरों पर बेच रही हैं। इनका रिकॉर्ड भी नहीं रखा जाता और बिल भी नहीं दिखाए जाते। इसका खुलासा औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए)के अधिकारियों द्वारा दुकानों पर की गई छापेमारी के दौरान हुआ।

शिक्षकों के खिलाफ सड़कों पर उतरे छात्र

> शिक्षकों की अपर्याप्त संख्या के कारण पढ़ाई का हो रहा नुकसान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने गुरुवार को धरना दिया और शिकायत की कि आसिफाबाद में शिक्षकों की अपर्याप्त संख्या के कारण उन्हें पढ़ाई में नुकसान हो रहा है। इस बात पर जोर देते हुए कि स्कूल में स्वीकृत 17 शिक्षकों के पदों के मुकाबले सिर्फ दो शिक्षक हैं, छात्रों ने स्कूल से जिला केंद्र में आसिफाबाद बस स्टैंड तक एक रैली निकाली।

इसके बाद उन्होंने बस स्टैंड के पास एक चौराहे पर धरना दिया और नारे लगाए तथा सरकार से स्कूल के लिए शिक्षकों की भर्ती करने की मांग की। छात्रों ने बताया कि स्कूल में एक सप्ताह से अधिक समय से पर्याप्त शिक्षण स्टाफ न होने के कारण वे पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि वे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे और उन्होंने सरकार से उनके लिए न्याय सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाने का आग्रह किया। इस विरोध प्रदर्शन में कक्षा 6 से लेकर इंटरमीडिएट तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

गोविन्द राठी रामायण मेला के प्रधान संयोजक मनोनीत

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने समाज के महामंत्री एवं भाजपा नेता गोविन्द नारायण राठी को 52वें रामायण मेला का प्रधान संयोजक मनोनीत किया है। यह मेला तीन अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक नुमाईश मैदान में एक्जीबिशन सोसाइटी एवं एकनामिक कमिटी के सहयोग से होने जा रहा है। गोविन्द राठी ने राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल, कार्यकारिणी समिति के सदस्य एवम रामायण मेला के पदाधिकारी एवम सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा के साथ रामायण मेला को सफल बनाने का प्रयास करेंगे। गोविन्द राठी ने कहा अब तक 51 वर्ष रामायम मेला के हो चुके है। मेले में कवि सम्मेलन, डांडिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रावण दहन, श्री रामजी का राज्य अभिषेक का आयोजन किया गया है। रामायण मेला की अगली बैठक में अलग-अलग समितियों का गठन किया जाएगा।

हैदराबाद में जलापूर्ति रही बाधित

पाइपलाइन की हो रही मरम्मत

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) द्वारा कृष्णा जल पाइपलाइन (चरण- I) में रिसाव के कारण मरम्मत की जा रही है। इस वजह से गुरुवार को हैदराबाद के कई इलाकों में पेयजल आपूर्ति बाधित रही। यह जानकारी देते हुए जल बोर्ड के एमडी अशोक रेड्डी ने बताया कि मीर आलम, किशन बाग, अल जुबैल कॉलोनी, बालशेट्टी खेत, संतोष नगर, विनय नगर, सैदाबाद, चंचलगुडा, असमनगढ़, याकूतपुरा, मदन्नापेट, महबूब मेंशन, रियासथ नगर, अलियाबाद, बोग्गुलकुंटा, अफ़ज़ल गुंज, नारायणगुडा, आदिकमेंट, शिवम रोड, नल्लाकुंटा, चिकलाकगुडा, दिलसुखनगर, बोंगुलुरु और मन्नेगुडा के क्षेत्र में गुरुवार को जलापूर्ति ठप रही।

कब्र से निकाला गया बच्चे का शव, लिए गए नमूने

बोले पिता-मौत के जिम्मेदार लोगों को मिले कड़ी सजा

संगारेड्डी, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने गुरुवार को हथनूरा मंडल के कोन्याला में 45 दिन के बच्चे दशविक के शव का पोस्टमार्टम किया। कथित तौर पर 8 सितंबर को डेंगू के कारण बच्चे की मौत हो गई थी और 9 सितंबर को परिवार के सदस्यों ने पोस्टमार्टम कराए बिना ही उसे दफना दिया था। उसके पिता चिलिपिशेट्टी प्रभुलिंगम ने संगारेड्डी शहर के शिशु रक्षा बाल अस्पताल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जहां बच्चे को 5 सितंबर को इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। शिकायत के बाद पुलिस ने 13 सितंबर को अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अस्पताल की प्रयोगशाला को भी जब्त कर लिया, क्योंकि अस्पताल ने एलिसा परीक्षण किए बिना ही लड़के को डेंगू पॉजिटिव घोषित कर दिया था। हथनूरा तहसीलदार फरीना शेख ने कहा कि बच्चे के परिवार के सदस्यों, राजस्व अधिकारियों, पुलिस और गांव के बुजुर्गों की उपस्थिति में संगारेड्डी सरकारी अस्पताल के डॉ. वेणुगोपाल राव और डॉ. दीपक द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। मौत के पीछे का कारण जानने के लिए नमूने फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। एफएसएल की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रभुलिंगम ने कहा कि वे इस मामले में न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके बेटे की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिले।

बीफार्मा प्रवेश काउंसलिंग 3 महीने की देरी से शुरू

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीब तीन महीने की देरी के बाद, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए बीफार्मेसी और फार्माडी कार्यक्रमों के लिए तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजीईएपीसीईटी) 2024 प्रवेश काउंसलिंग 24 सितंबर से शुरू होने वाली है। तकनीकी शिक्षा विभाग ने गुरुवार को प्रवेश काउंसलिंग के लिए विस्तृत कार्यक्रम अधिसूचित किया। टीजीईएपीसीईटी एमपीसी स्ट्रीम के उम्मीदवारों के लिए फार्मेसी में प्रवेश इंजीनियरिंग प्रवेश के साथ ही होना था, जो जुलाई और अगस्त के महीनों में आयोजित किए गए थे। हालाँकि, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से मंजूरी मिलने में फार्मेसी कॉलेजों में देरी के कारण इसे आयोजित नहीं किया जा सका। कार्यक्रम के अनुसार, जिन उम्मीदवारों ने एमपीसी स्ट्रीम में टीजीईएपीसीईटी 2024 उत्तीर्ण किया है और जुलाई और अगस्त में आयोजित प्रमाण पत्र सत्यापन में भाग लिया है, उन्हें 24 और 25 सितंबर को वेब विकल्प का प्रयोग करना चाहिए।

तुलसी नगर कम्युनिटी हॉल में रावणा राजपूत समाज कुकटपल्ली समाज बन्धुओं के सानिध्य में एक शाम गौमाता के नाम जागरण एवं प्रवचन में भजन प्रस्तुत करते हुए संत श्री सोनू महाराज सिरियारी। अवसर पर दर्शन, भजनों व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए आयोजक, समाज बन्धु व भक्तगण।

नौकरी न मिलने पर एमबीए छात्र ने की आत्महत्या

कोत्तागुडेम, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के बुर्गमपद मंडल के सरपाका निवासी एमबीए द्वितीय वर्ष के छात्र राहुल रेड्डी की बुधवार को कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश के बाद मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसने कीटनाशक पी लिया और उसे इलाज के लिए भद्राचलम क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। देर रात जहर के कारण उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह पिछले कई महीनों से परेशान था, क्योंकि उसे नौकरी नहीं मिल पा रही थी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चेन्नई टेस्ट के पहले दिन अश्विन का शतक

जडेजा के साथ 195 रन की पार्टनरशिप, भारत 339/6

चेन्नई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में शुक्रवार से शुरू हुए पहले टेस्ट मैच के पहले दिन 6 विकेट खोकर 339 रन बना लिए। टीम ने एक समय 144 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन यहां से रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने नाबाद 195 रन की पार्टनरशिप कर दी। अश्विन ने होम ग्राउंड पर सेंचुरी लगाई, जबकि जडेजा 86 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

यशस्वी जायसवाल ने 56, ऋषभ पंत ने 39 और केएल राहुल ने 16 रन बनाए। रोहित शर्मा और विराट 6-6 रन बनाकर आउट हुए, वहीं शुभमन गिल खाता भी नहीं खोल सके। बांग्लादेश से हसन महमूद ने 4 विकेट लिए। 1-1 सफलता मेहदी हसन मिराज और नाहिद राणा को मिली। दूसरे दिन का शनिवार को सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

अश्विन की सेंचुरी और जडेजा की फिफ्टी

रविचंद्रन अश्विन 102 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 74वें ओवर की तीसरी बॉल पर सिंगल लेकर सेंचुरी पूरी की। उनके टेस्ट करियर की यह छठी सेंचुरी है। जडेजा 86 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। यह जडेजा की 21वीं टेस्ट फिफ्टी है। उन्होंने 68वें ओवर में हसन महमूद की पहली बॉल पर एक रन लेकर हाफ सेंचुरी पूरी की। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने 7वें विकेट के लिए नाबाद सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली है। जडेजा ने 62वें ओवर में नाहिद राणा की बॉल पर सिंगल लेकर शतकीय साझेदारी की। टीम इंडिया ने छठा विकेट 144 रन पर गंवाया था।

ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 56 रन की पारी खेली। उन्होंने टेस्ट करियर की 5वीं फिफ्टी जमाई। उन्होंने तस्कीन अहमद की बॉल पर चौका जमाते हुए अर्धशतक पूरा किया। यशस्वी ने ऋषभ पंत के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की।

तीनों सेशन का खेल

पहला सेशनः रोहित, गिल, कोहली जल्दी आउट, जायसवाल-पंत ने संभाला।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट के पहले दिन का पहला सेशन मिलाजुला रहा। दिन के पहले घंटे में बांग्लादेशी पेसर्स ने उछाल और स्विंग से भारतीय बैटर्स को दबाव में डाला। हसन महमूद ने कप्तान रोहित शर्मा (6 रन), शुभमन गिल (शून्य) और विराट कोहली (6 रन) को पवेलियन भेजा। यहां भारतीय टीम का स्कोर 35 रन था। ऐसे में जायसवाल और पंत की साझेदारी ने भारत की वापसी कराई। लंच तक स्कोर 88/3 रहा। पहले दिन का दूसरा सेशन बांग्लादेश के नाम रहा है। इस सेशन में 3 विकेट गिरे और 88 रन बने, लेकिन पहले सेशन में पंत-जायसवाल की साझेदारी के दम पर इंडिया वापसी करने में कामयाब रहा था।

टी-ब्रेक तक टीम इंडिया ने पहली पारी में 6 विकेट 176 रन बनाए। पहले दिन का तीसरा सेशन भारत के नाम रहा है। टीम ने इस सेशन में बिना कोई विकेट खोए 163 रन बनाए। अश्विन ने सेंचुरी और जडेजा ने हाफ सेंचुरी लगाई।

बजरंग पूनिया का नाम निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं

कई एथलीटों पर नाडा ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया का नाम राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा निलंबित एथलीटों की ताजा सूची में शामिल नहीं है। हाल ही में कांग्रेस से जुड़ने वाले बजरंग का नाम पिछली सूची में शामिल था। नाडा ने 23 जून को टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान को निलंबित कर दिया था क्योंकि उन्होंने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल्स के दौरान अपने मूत्र के नमूने देने से इनकार कर दिया था।

खेल की वैश्विक संचालन संस्था यूनाईटेड कुश्ती विश्व (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के खिलाफ अपील की थी और एडीडीपी ने 31 मई को इसे रद्द कर दिया था जब तक कि नाडा आरोप का नोटिस जारी नहीं करता।

किरण बालियान डोप टेस्ट में फेल

दूसरी ओर, एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता गोला फेंक एथलीट किरण बालियान को प्रतिबंधित पदार्थ की जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद नाडा द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं की गोला फेंक में पदक जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय बनी किरण मेटांडाईनोन की पॉजिटिव आई हैं। अगर वह दोषी साबित होती है तो उन पर अधिकतम चार साल का प्रतिबंध लग सकता है।

कई भारतीय एथलीट पाए गए पॉजिटिव

2014 इंचियोन एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली तार गोला फेंक एथलीट मंजू बाला का नाम भी इस सूची में है। उन्हें स्टेराइड डाईहाइड्रोक्लोरोमिथाइल टेस्टोस्टेरोन और लिगांड्रोल (एसएआरएमएस एलजीडी-4033) का पॉजिटिव पाया गया। इस साल फेडरेशन कप में रजत पदक जीतने वाली शालिनी चौधरी को भी मेटांडाईनोन का पॉजिटिव पाया गया। लंबी दूरी की एथलीट छवि यादव को भी एक एनाबोलिक एंड्रोजेनिक स्टेराइड ड्रोस्टानोलोन का पॉजिटिव पाया गया। भारत के शीर्ष ट्रैक एवं फील्ड एथलीट जैसे भाला फेंक डीपी मनु, क्वार्टर मिलर दीपांशी और मध्यम गति के धावक परवेज खान को भी अस्थायी रूप से निलंबित किया गया है।

अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 106 पर समेटा

अफ्रीकी टीम पर तीनों फॉर्मेट में पहली जीत, पहला वनडे 6 विकेट से हराया

शारजाह, 19 सितंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने इतिहास रचते हुए साउथ अफ्रीका को किसी भी फॉर्मेट में पहली बार हरा दिया है। शारजाह के मैदान पर पहले वनडे में टीम ने साउथ अफ्रीका को 106 रन पर ऑलआउट किया। फिर 26 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल भी कर लिया।

अफगानिस्तान से तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने 4, अल्लाह घजनफर ने 3 और राशिद खान ने 2 विकेट लिए। बैटिंग में गुलबदीन नईब ने 34 और अजमतुल्लाह ओमरजई ने 25 रन बनाकर टीम को आसानी से जीत दिला दी। इसी के साथ अफगानिस्तान से 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

अफगानिस्तान की ऐतिहासिक जीत

अफगानिस्तान ने साउथ अफ्रीका को तीनों फॉर्मेट में पहली बार ही हराया। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 3 टी-20 और 2 वनडे खेले गए थे। सभी में साउथ अफ्रीका को जीत मिली थी। अफगानिस्तान ने अब इतिहास पलटा और साउथ अफ्रीका को हरा दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप की हार का हिसाब बराबर किया

दोनों टीमें आखिरी बार इसी साल 26 जून को टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में आमने-सामने हुई थीं। तब साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 56 रन पर ऑलआउट कर दिया था। साउथ अफ्रीका ने फिर 9 ही ओवर में मुकाबला जीत लिया था। अफगानिस्तान ने अब हिसाब बराबर किया और साउथ अफ्रीका को वनडे में 106 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 26 ही ओवर में मैच भी जीत लिया।

वायन मुल्डर ने लगाई फिफ्टी

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 36 रन के स्कोर पर ही 7 विकेट गंवा दिए। टोनी डी जॉर्जी 11, काइल वेरियन 10 और रीजा हेंड्रिक्स 9 ही रन बना सके। 3 बैटर खाता भी नहीं खोल सके, जबकि कप्तान ऐडन मार्करम 2 ही रन बना पाए।

वायन मुल्डर ने फिर फिफ्टी लगाई और टीम को 100 रन के पार पहुंचाया। उनके साथ बोर्न फोर्च्यून ने 16 रन बनाए। नांद्रे बर्गर ने एक रन बनाया, जबकि लुंगी एनगिडी खाता भी नहीं खोल सके। टीम 33.3 ओवर में 106 रन ही बना सकी।

फारूकी को 4 विकेट

अफगानिस्तान से तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने 35 रन देकर 4 विकेट लिए। ऑफ स्पिनर अल्लाह घजनफर ने महज 20 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। जबकि राशिद खान ने 30 रन देकर 2 विकेट लिए। एक बैटर रनआउट भी हुआ।

अफगानिस्तान की भी खराब शुरुआत

107 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने 35 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। रियाज हसन 16 और रहमत शाह 8 ही रन बना सके, रहमानुल्लाह गुरबाज तो खाता भी नहीं खोल पाए। टीम का स्कोर 50 रन के पार ही पहुंचा था कि कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी भी 16 रन बनाकर आउट हो गए।

ओमरजई-गुलबदीन ने जीत के पार पहुंचाया

60 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद अजमतुल्लाह ओमरजई और गुलबदीन नईब ने अफगानिस्तान को संभाला। दोनों ने टीम को 100 रन के पार पहुंचाया और 26 ओवर में जीत दिला दी। ओमरजई 25 और नईब 34 रन बनाकर नॉटआउट रहे। साउथ अफ्रीका से बोर्न फोर्च्यून ने 2 विकेट लिए। जबकि ऐडन मार्करम और लुंगी एनगिडी को 1-1 सफलता मिली।

दूसरा वनडे 20 सितंबर को

पहले वनडे में जीत के साथ अफगानिस्तान ने 3 वनडे की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 20 सितंबर को शारजाह में ही खेला जाएगा। फिर तीसरा मैच 22

रिकी पोंटिंग पंजाब किंग्स के हेड कोच बने

ट्रेवर बेलिस की जगह लेंगे; सात साल दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच रहे

मुंबई, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग को आईपीएल 2025 सीजन के लिए अपनी टीम का हेड कोच बनाया है। इससे पहले वह पिछले सात साल तक दिल्ली कैपिटल्स के कोच थे और दो महीने पहले ही अलग हुए थे।

रिपोर्ट के अनुसार, पोंटिंग ने पीबीकेएस के साथ एक साल से ज्यादा का करार किया है और अब वह ही अपने कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्यों का चयन करेंगे।

इससे पहले, पंजाब के कोचिंग स्टाफ में ट्रेवर बेलिस (हेड कोच), संजय बांगर (हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट), चार्ल लैंग्वेल्ट (तेज गेंदबाजी कोच) और सुनील जोशी (स्पिन गेंदबाजी कोच) हैं।

2020 में डीसी पहुंची थी फाइनल में

ऑस्ट्रेलिया के दो बार के वर्ल्ड कप टीम के कप्तान रहे रिकी पोंटिंग 2018 में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बने थे। उनके मार्गदर्शन में टीम 2020 में पहली बार फाइनल में पहुंचने में सफल रही। वहीं 2019 और 2021 में प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। 2021 के बाद टीम का प्रदर्शन में गिरवाट आई। टीम प्ले ऑफ तक नहीं पहुंच सकी। वहीं आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स छठे नंबर पर रही।

पोंटिंग कई अन्य टी-20 लीग से जुड़े हैं

पोंटिंग अभी कई टी-20 लीग से भी जुड़े हुए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया टी-20 लीग में होबार्ट हरिकेंस में स्ट्रैटजी हेड हैं। वहीं अमेरिकी क्रिकेट लीग में वाशिंगटन फ्रीडम टीम के चीफ कोच हैं।

पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर पर लगा 20 साल का बैन

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने लिया बड़ा फैसला

सिडनी, 19 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर को बड़ा झटका दिया है। इस पूर्व क्रिकेटर पर उनके खराब आचरण के चलते ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने 20 साल का बैन लगाया है। जिसके बाद अब इस पूर्व दिग्गज को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, बिग बैश लीग डब्ल्यूबीबीएल जैसे क्लबों में भी कोई पद नहीं मिलेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के आयोग ने पाया कि समरवीरा ने अनुचित व्यवहार किया था जो सीए की आचार संहिता की धारा 2.23 का उल्लंघन था।

जी हां हम बात कर रहे हैं श्रीलंका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुलिप समरवीरा की। जिनको क्रिकेट विक्टोरिया में काम करते समय अनुचित व्यवहार करके क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोपी पाया गया है। जिसके चलते दुलिप समरवीरा पर 20 साल का बैन लगाया गया है। लंबे समय तक विक्टोरिया महिला और मेलबर्न स्टार्स डब्ल्यूबीबीएल के सहायक कोच रहे थे, इससे पहले कि इस वर्ष की शुरूआत में उन्हें विक्टोरिया महिला टीम का वरिष्ठ कोच बनाया गया था।

क्रिकेट विक्टोरिया के सीईओ निक कमिंस ने समरवीरा के गलत व्यवहार की आलोचना करते हुए अपने एक बयान में बताया कि, हम आचार संहिता आयोग द्वारा आज लिए गए फैसले का समर्थन करते हैं, जिसके चलते दुलिप समरवीरा पर 20 साल का बैन लगाया गया है। हमारा मानना है कि यह आचरण पूरी तरह से निंदनीय है। दुलिप समरवीरा का इंटरनेशनल क्रिकेट करियर कुछ खास नहीं रहा था। उन्होंने श्रीलंका के लिए साल 1993 से 1995 तक क्रिकेट खेला था।

श्रीलंका-न्यूजीलैंड टेस्ट : *श्रीलंका पहली पारी में 305 रन पर ऑलआउट*

गाले, 19 सितंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका पहले टेस्ट के पहली पारी में दूसरे दिन 305 रन पर ऑलआउट हो गई। गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका ने दूसरे दिन गुरुवार को 302/7 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम 3 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए।

पहले दिन श्रीलंका ने कमिंडू और कुसल की पारियों के सहारे 7 विकेट पर 302 रन बनाए। कमिंडू मेंडिस ने 114 रन की पारी खेली। उन्होंने करियर की चौथी सेंचुरी लगाई। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने 50 रन बनाए।

न्यूजीलैंड की तरफ से विलियम ओ'रूर्के ने 5 विकेट झटके। ग्लेन फिलिप्स और एजाज पटेल ने 2-2 विकेट लिए। यह मुकाबला गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेजबान श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया।

कमिंडू मेंडिस का शतक

पहले सेशन में श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर पथुम निसांका 27 रन और दिमुथ करुणारत्ने 2 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को विलियम ओ'रूर्के ने पवेलियन भेजा। इसके बाद दिनेश चांदीमल ने 30 और एंजेलो मैथ्यूज ने 36 रन की पारी खेली। चांदीमल को साउथी और मैथ्यूज को विलियम ओ'रूर्के ने आउट किया। कप्तान धनंजय डी सिल्वा को 11 रन पर ग्लेन फिलिप्स ने आउट किया।

दूसरी छोर से विकेट गिरने के बावजूद कमिंडू मेंडिस ने इंग्लैंड के अपने अच्छे परफॉरमेंस को जारी रखा और अपने करियर का चौथा शतक लगाया। उन्हें 114 रन पर एजाज पटेल ने आउट किया। उनके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 50 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की तरफ से विलियम ओ'रूर्के ने सबसे ज्यादा 5 और ग्लेन फिलिप्स-एजाज पटेल ने 2-2 विकेट लिए। टिम साउथी को 1 विकेट मिला।

दोनों टीमें 2 पेसर और 2 स्पिनर्स के साथ उतरीं

गॉल की पिच पर दोनों ही टीमें 2 पेसर और 2 स्पिनर्स के साथ उतरी हैं। टिम साउदी ने कहा कि हम भी बैटिंग करना चाहते थे। उम्मीद है कि इस पिच पर 5 दिनों का मुकाबला होगा। हम भी 2 तेज गेंदबाज और 2 स्पिनर्स के साथ उतर रहे हैं। हमारे पास कुछ पार्ट टाइम ऑप्शन भी हैं।

न्यूजीलैंड WTC पॉइंट्स टेबल के तीसरे स्थान पर

श्रीलंकाई टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में 8 विकेट से जीत हासिल की थी। ऐसे में टीम के हौसले बुलंद हैं। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच भारत में बारिश की वजह से नहीं हो पाया था। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में श्रीलंका 5वें और न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर है।

आंद्रे रसेल ने सबसे ज्यादा मारे छक्के

सीपीएल 2024 में 240 की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 15 गेंदों में जिताया मैच

खेल डेस्क, 19 सितंबर (एजेंसियां)। आंद्रे रसेल का नाम भी सुना होगा और उनके काम के बारे में भी जानते होंगे. बिल्कुल वैसा ही वो सीपीएल 2024 में 18 सितंबर को खेले मुकाबले में करते दिखे हैं. त्रिनिदाद नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए रसेल ने सिर्फ 15 गेंदों पर मैच जिताने वाली पारी खेली. गयाना अमेजन वॉरियर्स से मिले 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रसेल आखिर तक नाबाद रहे. 240 की स्ट्राइक रेट से खेली अपनी इनिंग के बाद वो ना सिर्फ अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज रहे बल्कि सबसे ज्यादा रन भी उन्होंने ही बनाए.

रसेल ने खेली मैच पलटने वाली पारी

गयाना अमेजन वॉरियर्स से मिले 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए त्रिनिदाद नाइट राइडर्स की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही. उसके टॉप के 5 विकेट सिर्फ 89 रन पर गिर गए. लेकिन, उसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे आंद्रे रसेल ने अपने साथी खिलाड़ी टिम डेविड के साथ मिलकर मैच को पलटने वाली इनिंग खेली.

टिम डेविड के साथ रसेल ने जोड़े 60 रन

रसेल और डेविड के बीच छठे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई, जिसने त्रिनिदाद नाइट राइडर्स के लिए मैच जीतने का काम किया. बल्ले से रंग जमाकर इन दो बल्लेबाजों ने मैच में एक वक्त लड़खड़ाती त्रिनिदाद नाइट राइडर्स की पारी को 4 गेंद पहले ही जीत के दर्शन करा दिए. 149 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए त्रिनिदाद नाइट राइडर्स ने ये मुकाबला 19.2 ओवर में 5 विकेट से जीता.

रसेल ने 15 गेंदों में जड़े 36 रन, ठोके सबसे ज्यादा छक्के

त्रिनिदाद नाइट राइडर्स की जीत में आंद्रे रसेल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बल्लेबाज रहे. उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों पर नाबाद 36 रन जड़े, जिसमें 4 छक्के और सिर्फ 1 चौका शामिल रहा. रसेल ने 240 की स्ट्राइक रेट से ये पारी खेली. रसेल के अलावा टिम डेविड भी 31 रन बनाकर नाबाद रहे. उन्होंने 24 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए.

गयाना ने बनाए थे 148 रन

इससे पहले गयाना अमेजन वॉरियर्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 148 रन बनाए. गयाना की टीम की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने सबसे ज्यादा नाबाद 51 रन की पारी 8वें नंबर पर उतरकर खेली. उन्होंने भी अपनी इनिंग में 4 छक्के जड़े थे. रोमारियो शेफर्ड ने अपनी इनिंग को खेलने के बाद कहा था कि 148 रन का स्कोर इस विकेट पर चेज करना आसान नहीं होगा. लेकिन, रसेल ने उनकी बातों अपनी 15 गेंदों की पारी से गलत साबित कर दिया.

53वें केंद्रीय विद्यालय संगठन के राष्ट्रीय खेलों में हैदराबाद संभाग के खिलाड़ियों (अंडर 14) हैंडबॉल में स्वर्ण पदक जीता

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय विद्यालय संगठन हमेशा से छात्रों के बीच खेलो को बढ़ावा देने में सहायक रहा है। राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के जरिए देशभर से प्रतिभाओं की पहचान करने और उनको प्रोत्साहन के लिए एक आदर्श मंच के रूप में काम करती है।

इसी कड़ी में केंद्रीय विद्यालय संगठन हैदराबाद संभाग की हैंडबॉल अंदर 14 (बालक वर्ग) की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का 53 व संस्करण जीतकर हैदराबाद संभाग का नाम गौरांवित किया। यह प्रतियोगिता एल.पी.यू फगवाड़ा में आयोजित की गई थी जहां देश भर के केंद्रीय विद्यालयों की संभाग स्तरीय टीमों ने हिस्सा लिया हैदराबाद की हैंडबॉल की टीम में (कुल 13) खिलाड़ी पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांकः 1 गोलकोण्डा के थे। इस टीम ने अपने उत्कृष्ट कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन किया जिससे वह फाइनल तक पहुंचकर देहरादून संभाग की टीम को 22-9 के विशाल अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस अभूतपूर्व जीत के अवसर पर टीम के हैदराबाद लौटने पर विद्यालय में टीम का शानदार स्वागत किया गया स्वागत समारोह में पीएम श्री के.वी. क्रमांकः 1 गोलकोण्डा की प्राचार्य श्री सुरेश कटोच ने टीम व खेल अध्यापक श्री अभिषेक चौधरी को उनके कठिन परिश्रम, समर्पण और अनुशासन के लिए बधाई दी, साथ ही हैदराबाद संभाग के उपायुक्त डॉ.डी. मंजूनाथ व सहायक आयुक्त श्रीमती जी. कृष्णावेणी ने विद्यालय एवं खिलाड़ियों को जीत की शुभकामनाएं दी।

इसी के साथ टीम में से पांच खिलाड़ी क्रमशः आकाश, अक्ष तोमर, शिवम, वंश, आर्यन कुमार (एस.जी.एफ.आई बेलों के लिए चयनित हुए है। इन खिलाड़ियों को भी भविष्य में अच्छा करने के लिए प्रेरित किया गया।

तिरुपति मंदिर प्रसाद में बीफ फैट और फिश ऑयल

खास बातें

- तिरुपति मंदिर के प्रसाद में पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल
- लैब रिपोर्ट में हुई पुष्टि, विहिप ने की कड़ी कार्रवाई की मांग
- 'लड्डू प्रसादम' प्रतिष्ठित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में चढ़ता है

अमरावती, 19 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के प्रसाद में निर्माण में बीफ फैट, फिश ऑयल के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। तिरुपति मंदिर में प्रसाद के तौर पर मिलने वाले लड्डुओं में इनकी मौजूदगी की पुष्टि हुई है। तिरुपति मंदिर के प्रसाद के निर्माण में बीफ फैट और मछली के तेल के इस्तेमाल पर आंध्र की चंद्रबाबू नायडू सरकार ने पिछली सरकार को निशाने पर लिया था। अब जांच रिपोर्ट में पुष्टि के बाद विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है, हालांकि पहले सत्ता में रही वाईएसआर कांग्रेस के नेता ने आरोपों से इनकार किया है। नायडू के शुरुआती आरोपों के बाद अब विहिप ने कहा है कि तिरुपति लड्डू बनाने में पशु चर्बी का इस्तेमाल गंभीर मामला है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को इस मामले में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। तिरुपति बालाजी मंदिर में रोज़ाना करीब 50,000 से एक लाख लोग दर्शन करते हैं। विशेष मौकों पर यह संख्या एक लाख से ज़्यादा हो जाती है।

कैसे सामने आया पूरा विवाद?

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब नायडू ने दावा किया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पवित्र मिठाई तिरुपति लड्डू बनाने में घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया था। जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसी पार्टी ने हालांकि आरोपों से इनकार किया है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने एक बयान में कहा कि आंध्र प्रदेश की पिछली वाईएसआर सरकार के हिंदू विरोधी कृत्यों के बारे में सभी जानते हैं, लेकिन किसी ने यह उम्मीद नहीं की थी कि यह इस स्तर तक गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है, जिसे किसी और ने नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने उठाया है। तिरुपति लड्डू प्रसादम में पशु चर्बी का इस्तेमाल करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने दोषियों के खिलाफ त्वरित कड़ी कार्रवाई की मांग की। बंसल ने कहा कि तिरुपति लड्डू प्रसादम में पशु चर्बी का इस्तेमाल करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। तिरुपति "लड्डू प्रसादम' तिरुपति के प्रतिष्ठित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में चढ़ाया जाता है, जिसका संचालन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा किया जाता है।

सीएम नायडू ने किया था यह दावा

अमरवती में एनडीए की बैठक में आंध्र के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और उन्होंने तिरुमला लड्डू के निर्माण में भी घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया, हालांकि नायडू के आरोपों पर वाईएसआर कांग्रेस के नेता युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के वरिष्ठ नेता बी. करुणाकर रेड्डी ने बृहस्पतिवार को कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने केवल राजनीतिक फायदा उठाने के लिए तिरुपति मंदिर के लड्डूओं को बनाने में घटिया सामग्री और पशु चर्बी के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। तिरुपति में विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के दो बार अध्यक्ष रह चुके बी. करुणाकर रेड्डी ने आरोप लगाया कि नायडू ने विपक्षी पार्टी और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी को निशाना बनाने के उद्देश्य से ऐसा कहा है।

महाविष्णु नायडू को देंगे सजा

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के दो बार अध्यक्ष रह चुके बी. करुणाकर रेड्डी ने कहा कि किसी भी तरह के आरोप लगाए जा सकते हैं लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए वेंकटेश्वर स्वामी के लड्डू पर इस तरह के आरोप लगाना निंदनीय हैं। करुणाकर रेड्डी ने हैरानी जाहिर करते हुए कहा कि क्या लड्डू में जानवर की चर्बी मिलाना संभव है? उन्होंने कहा कि यदि कोई ऐसा करता है तो भगवान महाविष्णु उसे नष्ट कर देंगे। वाईएसआरसीपी नेता ने दावा किया कि नायडू ने राजनीतिक लाभ लेने के उद्देश्य से ये आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देवता 'नायडू और उनके परिवार को सजा देंगे।

स्वच्छता का सुचारू प्रबंधन किया जाए : आम्रपाली काटा

जीएचएमसी आयुक्त ने स्वच्छता प्रबंधन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश विसर्जन प्रक्रिया के समापन के अवसर पर, जीएचएमसी आयुक्त आम्रपाली काटा ने गुरुवार को मिलाद उन नबी रैली (जुलूस) को देखते हुए चारमीनार क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों का औचक दौरा किया और स्वच्छता प्रबंधन का निरीक्षण किया। गुरुवार सुबह कमिश्नर आम्रपाली ने चारमीनार जोन के अलियाबाद, शमशीर गंज, इंजशनबाउली, शाहअलीबंडा मेन रोड और फलकनुमा ब्रिज इलाकों का दौरा किया और स्वच्छता प्रबंधन का निरीक्षण किया। गणेश विसर्जन के दौरान सड़कों पर गिरे रंगीन कागज के शॉट्स, अन्य सामग्रियों और अन्य कचरे का निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने अधिकारियों को एकत्रित कूड़े को तुरंत डंप यार्ड तक ले जाने के लिए आवश्यक वाहन तैयार रखने का आदेश दिया। गणेश शोभायात्रा के दौरान यहां-वहां बिखरे हुए फ्लेक्स हटाने की अधिकारियों को सलाह दी। अधिकारियों को स्वच्छता उपाय करने की सलाह दी गई है क्योंकि मुस्लिम समुदाय मिलाद उन नबी के अवसर पर रैलियां आयोजित करेगा। एमएचओ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि जिन क्षेत्रों में रैलियां आयोजित की जाती हैं, उन्हें बिना किसी कचरे के साफ रखा जाए और इसी तरह, गणेश विसर्जन के संबंध में जिन सामग्रियों को नहीं हटाया गया है, उन्हें हटाने के लिए कदम उठाए जाएं। स्वच्छता अधिकारियों को मिलाद उन नबी रैलियों के तुरंत बाद सड़कों पर गिरे कूड़े और अन्य कचरे को हटाने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। आयुक्त के साथ चारमीनार, फलक नुमा सहायक चिकित्सा अधिकारी ज्योति बाई, श्रीकांत एवं अन्य उपस्थित थे।

यूपीएससी परीक्षा केंद्रों तक चलेंगी टीजी आरटीसी बसें

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने 20 से 22 सितंबर और 28 से 29 सितंबर के बीच होने वाली आगामी यूपीएससी परीक्षा 2024 के लिए आरटीसी बसों की व्यवस्था की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निर्धारित तिथियों पर विभिन्न परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने के लिए परेशानी मुक्त आरटीसी बस सेवा उपलब्ध रहेगी। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को मार्गदर्शन देने के लिए विभिन्न बस स्टेशनों पर हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। कोटी और राठीफाइल में संचार केंद्र स्थापित किए गए हैं। उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए कोटी से 9959226160 और राठीफाइल बस स्टेशन से 9959226154 पर संपर्क कर सकते हैं।

अधिकारी बनकर पैसे ऐंठने की कोशिश में साइबर जालसाज

आरटीसी एमडी सज्जनार ने दी चेतावनी

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने गुरुवार को लोगों को साइबर धोखेबाजों के शिकार न होने की चेतावनी दी, जो डिजिटल गिरफ्तारी वारंट जारी करने का दावा करके धमकी दे रहे हैं और पैसे ऐंठ रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सज्जनार ने कहा कि साइबर अपराधी पुलिस, एनसीबी, सीबीआई, आरबीआई और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों का रूप धारण कर रहे हैं। वे कमजोर लोगों को यह विश्वास दिलाकर पैसे ऐंठते हैं कि वे डिजिटल गिरफ़्तार हैं। उन्होंने सलाह दी कि कानून में डिजिटल गिरफ्तारी जैसा कुछ नहीं है। अगर कोई आपको बताता है कि आपको डिजिटली गिरफ्तार किया गया है, तो कृपया तुरंत साइबर क्राइम विंग या नजदीकी पुलिस स्टेशन को इसकी सूचना दें।

कांग्रेस सांसद ने एक साथ चुनाव कराने पर केंद्र पर साधा निशाना

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने एक राष्ट्र एक चुनाव के नाम पर ध्यान भटकाने की रणनीति अपनाने के लिए केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा है। गुरुवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट के तथ्यों के बारे में लोगों को बताना चाहिए, जिसमें पहले चरण के तौर पर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने और दूसरे चरण में नगर निगम और पंचायत चुनाव कराने का प्रस्ताव है और सिफारिशों पर गहन चर्चा होनी चाहिए।

माताओं और शिशुओं की मौतों में वृद्धि की होगी जांच

सभी की बेहतरी के लिए काम करे सरकार : केटीआर

बीआरएस बनाएगी तथ्य-खोज समिति

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने गुरुवार को कहा कि गांधी अस्पताल में माताओं और शिशुओं की मौतों में वृद्धि के पीछे के कारणों की जांच के लिए एक तथ्य-खोज समिति बनाई जाएगी। केटी रामा राव ने कहा कि मौतों को केवल संख्या के रूप में बताने के बजाय, राज्य सरकार को तथ्य-खोज समिति में शामिल होना चाहिए और सभी की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रामा राव ने पोस्ट किया कि बीआरएस की तथ्य खोज समिति जांच करेगी और हम अपने निष्कर्षों को जनता और राज्य सरकार के साथ साझा करेंगे। मैं सरकार से भी अनुरोध करता हूं कि वह भी प्रयासों में शामिल हो और सभी की बेहतरी के लिए काम करे। रिपोर्टों के अनुसार, गांधी अस्पताल से अनुभवी डॉक्टरों का तबादला किया गया था और हमें बताएं कि क्या मौतों के बारे में पर्याप्त समीक्षा हो रही है?

इससे पहले कि आप किसी मौत को एक संख्या के रूप में देखें, मैं स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध करता हूं कि वे यह समझें कि हम किसी के बच्चे, किसी की मां, किसी के भविष्य और किसी के प्यार के बारे में बात कर रहे हैं, केटी रामा राव ने एक्स पर पोस्ट किया।

राज्य चुनाव आयुक्त तेलंगाना, आई. रानी कुमुदिनी ने हैदराबाद के राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की।

उपमुख्यमंत्री, मंत्री आज एसएलबीसी परियोजना का दौरा करेंगे

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी शुक्रवार को नलगोंडा जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना का दौरा करेंगे। यह यात्रा विक्रमार्क द्वारा 2023 में अपने पीपुल्स मार्च के दौरान लंबे समय से लंबित परियोजना को पूरा करने के वादे के अनुरूप है।

भट्टी विक्रमार्क ने किसानों को आश्वासन दिया था कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर एसएलबीसी सुरंग का काम पूरा हो जाएगा, जिससे नागरकर्नूल और नलगोंडा जिलों के 4 लाख एकड़ जमीन को सिंचाई और 512 गांवों को पीने का पानी मिलेगा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि एसएलबीसी सुरंग परियोजना, जो कि पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश की कांग्रेस सरकार के दौरान 80 प्रतिशत तक पूरी हो गई थी, बीआरएस शासन के दौरान पिछले एक दशक में उपेक्षित रही।

रेवंत रेड्डी के खिलाफ हो अनुशासनात्मक कार्रवाई

> हरीश राव ने की कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अभद्र भाषा और व्यक्तिगत हमलों के मामले में कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने की अनुमति दे रहा है, लेकिन राहुल गांधी के खिलाफ ऐसा करने पर आपत्ति जता रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से रेवंत रेड्डी के खिलाफ उनकी भड़काऊ और अपमानजनक टिप्पणी के लिए सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की अपील की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे एक कड़े शब्दों वाले खुले पत्र में हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए भाजपा नेताओं की निंदा की है, लेकिन पार्टी चंद्रशेखर राव के खिलाफ रेवंत रेड्डी की अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियों पर चुप है। उन्होंने कहा कि खड़गे ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि गंदी और अपमानजनक भाषा राजनीतिक विमर्श को नीचा दिखाती है और भारत के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों और गांधीवादी सिद्धांतों को कमजोर करती है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के मामले में उन्हीं मानकों को आसानी से नजरअंदाज या अनदेखा किया जाता है। उनके असभ्य और आपत्तिजनक आचरण के प्रति यह सहिष्णुता कांग्रेस पार्टी की नैतिकता और नैतिक मूल्यों पर गंभीर सवाल उठाती है।

पूर्ववर्ती करीमनगर में पुलिस ने किसान को हैदराबाद जाने से रोका

करीमनगर, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ कई किसानों को पुलिस ने पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में एहतियातन हिरासत में ले लिया और उन्हें 'चलो प्रजा भवन' विरोध प्रदर्शन के लिए हैदराबाद जाने से रोक दिया। बीआरएस ने बिना किसी शर्त के फसल ऋण माफी की मांग को लेकर प्रजा भवन का घेराव करने के किसान यूनियनों के आह्वान का समर्थन करने का निर्णय लिया था।

पुलिस ने उन्हें एहतियातन हिरासत में ले लिया और स्थानीय पुलिस थानों में स्थानांतरित कर दिया। जगतियाल जिले में, कथलापुर के पूर्व बाजार समिति के अध्यक्ष वर्दिनेनी नागेश्वर राव, बीआरएस नेता कल्लेदा शंकर, रिक्कल संजीव रेड्डी, तिरुपति रेड्डी और अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया और कथलापुर पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया गया। मल्लापुर पुलिस ने कोमुला जीवन रेड्डी, डब्बा रमेश रेड्डी, मुचरला श्रीनिवास और अन्य को गिरफ्तार किया। मेडिपल्ली के पूर्व एमपीटीसी मकिली दासू, देशवेनी कृष्णा, पूर्व सह-विकल्प सदस्य हम्माद और अन्य को मेडिपल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया।

कंगना रनौत के खिलाफ टिप्पणी के लिए भाजपा महिला मोर्चा ने दानम पर जताया गुस्सा

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दानम नागेंद्र द्वारा पार्टी सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत पर की गई टिप्पणी से भाजपा महिला मोर्चा नाराज हो गई है। इसने गांधी भवन मेट्रो स्टेशन पर धरना दिया और कंगना पर की गई टिप्पणी के लिए दानम से माफी मांगने की मांग की। भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। भाजपा महिला मोर्चा की महिला नेताओं ने दानम नागेंद्र का पुतला फूंका। महिला नेता इस बात से नाराज थीं कि दानम द्वारा की गई टिप्पणी महिलाओं को अपमानित कर रही है। इस अवसर पर बोलते हुए शिल्पा रेड्डी ने कंगना रनौत पर दानम नागेंद्र द्वारा की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपमानित करने के बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता है और कहा कि एक जिम्मेदार विधायक के रूप में दानम के लिए सस्ती टिप्पणियां उचित नहीं हैं।

अधिकारियों पर रिश्वत लेने, झूठा मामला बनाने का आरोप

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के कैफे, अरिको पर छापेमारी के कुछ सप्ताह बाद, जहां आबकारी अधिकारियों ने शराब मिली हुई आइसक्रीम मिलने का दावा किया था, मालिक सरथ ने कैफे को फंसाने में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। आबकारी विभाग ने 6 सितंबर को कैफे पर छापा मारा था और आरोप लगाया था कि वह बच्चों को व्हिस्की युक्त जेलाटो आइसक्रीम बेच रहा है। अधिकारियों को वहां से शराब की बोतलें मिलीं और 11.5 किलोग्राम आइसक्रीम जब्त की गई।

हैदराबाद कैफे के मालिक सरथ चंद्र रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए आबकारी विभाग के अधिकारियों पर शेफ को फंसाने और हेरफेर करने तथा उनके खिलाफ कथित झूठे मामले को हटाने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया। कैफे ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्हें एक ग्राहक का अनुरोध प्राप्त हुआ था, जिसके माध्यम से कैफे के शेफ को एक अज्ञात ग्राहक की विशेष मांग पर अल्कोहल युक्त जेलाटो तैयार करने के लिए मजबूर किया जा रहा था, जिसके बाद छापेमारी की गई। सोशल मीडिया पोस्ट में हैदराबाद कैफ़े ने दावा किया कि आबकारी विभाग के अधिकारियों को कैफ़े की रसोई में शराब वाली आइसक्रीम का कोई वास्तविक सबूत नहीं मिला। उन्होंने अधिकारियों पर कैफ़े के चौकीदार द्वारा इस्तेमाल की गई खाली शराब की बोतलें और जैतून के तेल की बोतलें मामले में सबूत के तौर पर रखने का आरोप लगाया।

सिंचाई की कमी के कारण मुश्किल में धान किसान

सिंचाई अधिकारियों के लापरवाह रवैये से हो रहा नुकसान

खम्मम, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले में नागार्जुन सागर परियोजना के धान उत्पादक किसान गंभीर संकट में हैं, क्योंकि पिछले एक पखवाड़े से सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति न होने के कारण खेत सूख रहे हैं। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण बड़े क्षेत्र में धान की फसलें पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और जिन खेतों में फसल अच्छी स्थिति में है, उनमें दरारें पड़ रही हैं। ऐसा नागार्जुन सागर परियोजना की बाईं नहर की मरम्मत में देरी के कारण हुआ है, जिसमें 31 अगस्त और 1 सितंबर को बारिश और बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर दरारें पड़ गई थीं, साथ ही पलैर जलाशय के तहत पुरानी पलैर नहर भी क्षतिग्रस्त हो गई थी।

आरोप है कि सिंचाई अधिकारियों के लापरवाह रवैये और कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी (जो पलाइर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं) और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क द्वारा कार्यों की निगरानी की कमी के कारण मरम्मत कार्य पूरा होने में देरी हुई। तेलंगाना रायथु संघम के नेता एम रमेश और बी रामबाबू ने कहा कि अयाकट के अंतर्गत लगभग दो लाख एकड़ में उगाई जा रही धान की फसल को पानी की आपूर्ति की कमी के कारण नुकसान होने का खतरा है। अगर समय रहते पानी नहीं छोड़ा गया तो बाढ़ से भी बड़ा नुकसान हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री यह सुनिश्चित करें कि सीताराम परियोजना का पानी, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 15 अगस्त को किया था, एनएसपी की बाईं नहर में छोड़ा जाए ताकि मधिरा और सथुपल्ली निर्वाचन क्षेत्रों में धान के खेतों को पानी मिल सके। संघम कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कल्लूर में धरना दिया और शुक्रवार को खम्मम के एनएसपी क्वार्टर क्षेत्र में सिंचाई कार्यालय के सामने धरना देने की योजना बनाई, जिसमें धान के खेतों में पानी छोड़ने के लिए क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत तुरंत पूरी करने की मांग की गई।

कोडांगल में एकीकृत आवासीय विद्यालयों की आधारशिला का कार्य पूरा किया जाए : शांति कुमारी

> मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत आवासीय विद्यालयों की निगरानी के लिए प्रबंधन समिति की पहली बैठक आज सचिवालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों को अगले महीने के अंत तक मधिरा निर्वाचन क्षेत्र के कोडांगल और लक्ष्मीपुरम गांव में एकीकृत आवासीय विद्यालयों की अधारशिला का करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान प्रशासनिक मंजूरी के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने और प्रस्तावों पर कार्रवाई करने के लिए नोडल विभाग को अंतिम रूप देने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर चर्चा की गई। बैठक में एकीकृत आवासीय विद्यालयों के प्रबंधन के मुद्दे के साथ-साथ आवासीय विद्यालयों को भूमि हस्तांतरण से संबंधित मामले पर भी चर्चा की गई। एकीकृत आवासीय विद्यालयों के निर्माण की प्रगति की निगरानी के लिए साप्ताहिक बैठकें आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में सरकार के सलाहकार श्रीनिवास राजू, प्रमुख सचिव नवीन मित्तल, बी वेंकटेशम, संदीप कुमार सुल्तानिया, श्रीधर, विशेष सचिव वित्त कृष्ण भास्कर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

वेमुलावाड़ा मंदिर गंगा जमुना तहजीब को कोई समस्या नहीं आनी चाहिए : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 19 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा ने कहा कि निर्माण कार्य इस तरह से किए जाने चाहिए कि राज्य में मंदिरों के विकास के लिए वर्तमान में किए जा रहे कार्य अगले 100 वर्षों तक बरकरार रहें। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मंदिर के प्रबंधन में भक्तों के लिए सुविधाओं के प्रावधान की तरह आगम शास्त्रों को भी उतनी ही प्राथमिकता दें। डॉ. बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय देवदया धर्मार्थ मंत्रालय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा वेमुलावाड़ा श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर, भद्राचलम श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर और बासरा में भक्तों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं पर ज्ञान सरस्वती मंदिर, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, सीताक्का, पोन्नम प्रभाकर, सरकारी सचेतक, वेमुलावाड़ा विधायक आदि श्रीनिवास ने गर्र के साथ एक समीक्षा बैठक की।देवदाय विभाग की प्रधान सचिव शैलजा राम अय्यर, आयुक्त हनमंत राव, बसारा मंदिर ईओ विजया रामाराव, वेमुलावाड़ा मंदिर ईओ विनोद, भद्राचलम ईओ रमादेवी एन. वल्ली नायगन, एसई के. दुर्गा प्रसाद गणेशन, प्रधान पुरोहित उमेश, प्रवीण पाठक, संरक्षण वास्तुकार सूर्यनारायण मूर्ति, कई पुरोहित और अन्य लोगों ने इस बैठक में भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.